ISSN 2349-6614

फरवरी 2024

मूल्य 50 रु

प्रत्यूष

हिन्दी मासिक पत्रिका

विराजे प्रभु राम देश में दिवाली

बंदउं अवध पुरी अति पावनि। सरजू सरि कलि कलुष नसावनि॥

ARAVALI
COLLEGE OF HOTEL MANAGEMENT
UMARDA, UDAIPUR (RAJ.)

Aravali College of Hotel Management is Affliated with The Vishwakarma Skills University and promoted by the Aravali Group of Colleges.

Course Offered :-

B.H.M.

in Hospitality and Hotel Management

Duration : 4 Years

Eligibility : 10+2 with Any Stream

Course is Affliated with The Vishwakarma Skills University (Jaipur)

Job Opportunities :-

- Luxury Hotels & Resorts
- Front Desk Manager
- Guest Service & Relations Manager
- Revenue Manager
- Food & Beverage Manager
- Concert & Theatre Venues
- Chef
- Executive Housekeeper
- Cafe Manager
- Sales & Marketing Manager
- Airline, Cruise Liners & Hostess
- Museums & other Cultural Venues
- Event Planner /Coordinator
- Conferences & Conventions Centers
- Spas & Wellness Centers
- Casinos, Bars & Clubs
- Travel Agencies & Tour operators

ARAVALI
GROUP OF COLLEGES

Umarda - Udaipur (Raj. 313001)
+91-90012 93999, +91-94141 64115
E.: info@aravalichm.com www.aravalichm.com

SCAN & JOIN US!

फरवरी 2024 वर्ष 21 अंक 10

प्रत्यूष

मूल्य 50 रू
वार्षिक 600 रू

'प्रत्यूष' के प्रेरणा स्रोत मात श्रीमती प्रमिला देवी शर्मा एवं
तात श्री आनन्दी लाल जी शर्मा
प्रत्यूष परिवार का शत्-शत् नमन चरणों में पुष्प समर्पण

प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी

सम्पादक रेणु शर्मा

विपणन प्रबंधक नितेश कुमार, नंदकिशोर मदन, भूमिका, उषा चन्द्रप्रभा, संगीता

टाइप सेटिंग जगदीश सालवी

सलाहकार मण्डल
गोपाल शर्मा (गोपजी), वैभव गहलोत
पवन खेड़ा, नीरज डांगी
कुलदीप इंदौरा, कृष्णकुमार हरितवाल
धीरज गुर्जर, अभय जैन
लालसिंह झाला, ओम शर्मा
अजय गुर्जर, आदित्य नाग
हेमंत भागवानी, डॉ. राव कल्याणसिंह
अशोक तम्बोली, सुंदरदेवी सालवी

चीफ रिपोर्टर : उमेश शर्मा

जिला संवाददाता
बांसवाड़ा - अनुराग चेलावत
चित्तौड़गढ़ - संदीप शर्मा
नाथद्वारा - लोकेश दवे
डूंगरपुर - सारिका राज
राजसमंद - कोमल पालीवाल
जयपुर - राव संजय सिंह
मोहसिन खान

प्रत्यूष में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, इनसे संस्थापक-प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।

प्रत्यूष
हिन्दी मासिक पत्रिका

प्रकाशक - संस्थापक :
Pankaj Kumar Sharrma
''रक्षाबंधन'', धानमण्डी, उदयपुर-313 001

अंदर के पृष्ठों पर...

रणनीति

100 सीटों पर कांग्रेस का चुनावी शंखनाद
पेज 10

लोकानुरंजन

शिल्प के आंगन में थिरकी लोक संस्कृति
पेज 14

सामयिकी

डीपफेक की घातक लहर का सख्त सजा ही इलाज
पेज 16

अपनी बात

इतिहास को जाने समझें और सबक लें
पेज 22

फिल्म संसार

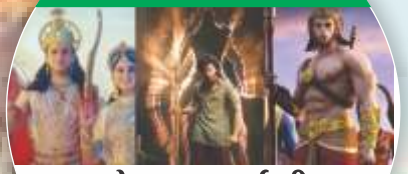

छोटा-बड़ा पर्दा भी राममय
पेज 32

कार्यालय पता : 2, 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर (राज)
दूरभाष एवं फैक्सः 0294-2427703 वाट्सएप 9414077697
मोबाइल : 94141-57703(विज्ञापन), वाट्सएप 75979-11992(समाचार-आलेख), 98290-42499(वाट्सएप), 94141-66737
Email:pankajkumarsharma2013@gmail.com, Visit us at: www.pratyushpatrika.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, संस्थापक, स्वामी पंकज शर्मा की ओर से मुद्रक आशीष बापना द्वारा मैसर्स पायोनाइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. एम.आई.ए., उदयपुर से मुद्रित तथा 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी उदयपुर से प्रकाशित।

We make
BUSINESS TRAVEL
Easier and Better

TASTEFULLY FURNISHED ROOMS
MEETING SPACES
MULTI-CUISINE RESTAURANT
HIGH-SPEED WIFI

Amantra Group of Hotels & Travels
Amantra Shilpi Resort | Amantra Travels

91 80033 31177, +91 80033 31155 | 5B, Opp. Sahelion Ki Bari, New Fatehpura, Udaipur
www.amantrahotel.com | reservation@amantrahotel.com | amantracomfort

सड़क सुरक्षा का निराशाजनक परिदृश्य

'**हिट** एंड रन' केस के नए कानून को लेकर केन्द्र व ऑल इण्डिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस के बीच सुलह के बाद पिछले माह संगठन ने अपनी हड़ताल को स्थगित कर दिया। सरकार द्वारा इस कानून में निहीत सजा और जुर्माना के प्रावधानों को लेकर वाहन चालकों की चिंताओं का संज्ञान लिया जाना स्वागत योग्य है।

पिछले दिनों केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सड़क दुर्घटनाओं के लिए मुख्य रूप से रोड इन्जीनियरिंग की खामियों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने माना है कि देश में सड़क सुरक्षा का परिदृश्य बहुत ही निराशा जनक है। यहां उल्लेखनीय है कि 'हिट एंड रन' को लेकर जो कानून बनाया गया था, उसमें वाहन चालकों को ही सड़क दुर्घटनाओं के लिए जिम्मेदार ठहरा दिया गया। गडकरी ने भले ही इन्जीनियरों को यह नसीहत दी की उन्हें डीपीआर की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं करना चाहिए लेकिन

इसमें सन्देह है कि केवल इससे बात बनने वाली है। यह सुनिश्चित किया जाना ज्यादा जरूरी है कि दोषपूर्ण डीपीआर बनाने वालों को भी जवाबदेह ठहराया जाए, क्योंकि सड़क दुर्घटनाओं में बड़ी संख्या में लोग प्राण गंवाने के साथ अपंग भी हो रहे हैं। ट्रक और बस ड्राईवर भारतीय न्याय संहिता के उस प्रावधान का विरोध कर रहे हैं। जिसके तहत लापरवाही से गाड़ी चलाने पर गंभीर सड़क दुर्घटना होने और पुलिस या प्रशासन के किसी अधिकारी को सूचित किए बिना मौके से भागने वाले चालकों को 10 साल तक की सजा या 7 लाख के जुर्माने का प्रावधान है। दरअसल, 'हिट एण्ड रन' के मामले में अब तक भारतीय दंड संहिता में कोई विशेष प्रावधान नहीं था और जानलेवा हादसों के बाद लापरवाही के कारण मौत की धाराओं के तहत ही कार्यवाही होती थी, जिसमें 2 वर्ष तक की जेल की सजा तय की गई थी। ज्यादातर मामलों में चालक को जमानत भी मिल जाती थी, मगर नए कानून में सख्त प्रावधान हैं। इधर वाहन चालकों का जो तर्क है उसे भी पूरी तरह खारिज भी नहीं किया जा सकता, उनका कहना है कि दुर्घटना के बाद अगर वे घटना स्थल से न भागें, तो भीड़ हिंसा के शिकार हो सकते हैं। उनके व उनके परिवार की सुरक्षा की क्या गारंटी ? अनेक मोटर दुर्घटनाओं में तो चालाकें की मौत भी हो जाती है। दुर्घटना के बाद भागना उनका आपराधिक कृत्य नहीं है, बल्कि आत्मरक्षा की कोशिश है। इसलिए इसे अपराध मानकर इसके लिए सजा और जुर्माने का प्रावधान ठीक नहीं है। नए कानून में सख्त प्रावधान के पीछे सरकार ने अपनी यही मंशा ज़ाहिर की कि अब तक हादसों के बाद भाग जाने की प्रवृत्ति रही है और इस क्रम में कई दोषी या तो बच जाते थे, या पकड़े जाने पर उन्हें मामूली सजा ही मिलती थी। सड़कों पर बेलगाम वाहन चलाने और उसकी वजह से होने वाले हादसों पर काबू पाने के लिहाज से नए कानून को एक सख्त पहल कहा जा सकता है। मगर इसका एक पहलू यह भी है कि देश में सड़कों से लेकर यातायात की स्थिति और नियम-कायदों का पालन करने के प्रति गंभीरता की जो तस्वीर सामने आती है, वह हादसों की जिम्मेदारी को जटिल बना देती है। हमारा देश सड़कों पर मौत के मामले में दुनिया के और देशों के मुकाबले पहले स्थान पर है। कई मौते दर्ज होती हैं और कुछ नहीं भी होती हैं। एक सूचना के अनुसार देश में रोजाना करीब 400-500 से ज्यादा लोग सड़क दुर्घटना में मारे जाते हैं। सड़क सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। हालांकि, सरकार सन् 2030 तक हादसों में 50 प्रतिशत कमी लाने के लिए प्रतिबद्धता जता रही है। यह काम सरकार के साथ विभिन्न सामाजिक एवं शैक्षिक संस्थाओं के साथ सड़कों का तकनीकी मानचित्र बनाने वाली एजेंसियों को भी करना होगा। बढ़ती सड़क दुर्घटनाएं गंभीर चिंता का विषय है, इस दिशा में निरंतर सोच-विचार की जरूरत है। मादक पदार्थों का सेवन कर वाहन चलाने की प्रवृत्ति पर बिना सख्ती के नियंत्रण संभव नहीं है।

नई राज्य सरकारों की प्राथमिकता
चुस्त-दुरूस्त नौकरशाही

■ जनता नौकरशाही की मालिक है पर वास्तविक स्थिति इसके सर्वथा विपरीत है। यदि शासन हर नागरिक के साथ उचित व्यवहार करे तो कई समस्याएं कम हो सकती हैं। ■ सभी राज्य कर्मचारियों के लिए पारदर्शी एवं समान स्थानान्तरण नीति लागू करने से भ्रष्टाचार में भी कमी आ सकती है।

भागीरथ शर्मा

राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की नई सरकारों ने काम संभाल लिया है। किसी भी राज्य में पारदर्शी, जवाबदेह एवं संवेदनशील सरकार बने, यह आम जनता की चाहत होती है। इसलिए जनता को राहत देने के लिए प्रशासनिक सुधारों पर ध्यान देना आवश्यक है। नई सरकारों पर सबसे पहले मतदान पूर्व किए गए वादों को पूरा करने की जिम्मेदारी है। यह आसान नहीं है। सरकार के पहले सौ दिन के कार्यकाल में इन वादों को पूरा करने की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए तो जनता पर इसका विपरीत असर पड़ने व लोकसभा चुनावों में इसकी प्रतिक्रिया मिलना स्वाभाविक है। साथ ही कई दशकों से जाने-पहचाने सुगम मार्ग पर चलने की आदी नौकरशाही को भी कठोर अनुशासन के दायरे में लाकर चुस्त-दुरूस्त बनाना होगा।

सुधारों के संदर्भ में सबसे अधिक प्रतिरोध तो नौकरशाही से ही आएगा। राजस्थान की बात करें तो तत्कालीन मोहन लाल सुखाड़िया सरकार द्वारा नियुक्त हरिश्चन्द्र माथुर कमेटी की सिफारिशों में से अधिकांश कब की ही दाखिल दफ्तर हो गई। समय-समय पर विभिन्न अवसरों पर प्रशासनिक सुधार के लिए बनी कमेटियों की प्रासंगिकता सदैव रहने वाली है। केन्द्र व राज्य सरकारों ने भी इन कमेटियों की सिफारिशों के महत्व को स्वीकार किया है। नई सरकारों को अपनी सौ दिन की कार्ययोजना में इन पर विचार करना चाहिए। राजस्थान में भी प्रशासनिक सुधार आयोग ने जो सिफारिशें दीं, उन पर एक मंत्री मण्डलीय उपसमिति का गठन कर विचार हो तो नीतिगत निर्णय लेना आसान होगा। सबसे पहले तो शासन सचिवालय कार्यप्रणाली को ही सुधारने की आवश्यकता है।

वैसे सिद्धान्त: तो जनता नौकरशाही की मालिक है पर वास्तविक स्थिति इसके सर्वथा विपरीत है। यदि शासन हर नागरिक के साथ उचित व्यवहार करे तो कई समस्याएं कम हो सकती हैं। नीचे के स्तर पर सविवेक की शक्तियों के कारण ऐसा नहीं हो पाता। इसलिए नागरिकों को पग-पग पर निराशा का ही सामना करना पड़ता है। राजस्थान में प्रशासनिक सुधार आयोग के सदस्य के रूप में काम करते हुए मुझे भी उपयोगी अनुभव हुए। वर्तमान में शासन तंत्र में सुनवाई के तो कई स्तर बन गए हैं पर वे सामान्य नागरिक की पहुंच से बाहर हैं। होना यह चाहिए कि प्रत्येक राज्य में 'सोमवार' जन अभियोग निराकरण दिवस हो। इस दिन सभी उपखण्ड अधिकारी, जिला कलक्टर, जिलास्तरीय अधिकारी तथा विभागाध्यक्ष अपने कार्यालयों में रहकर सभी आगंतुक लोगों से मिलकर यथासंभव उसी दिन या 3 दिन में और अधिकतम 7 दिन में समस्या का समाधान करें।

एक और महत्वपूर्ण मुद्दा लोक सेवकों की स्थानांतरण नीति का है। गत कुछ वर्षों में स्थिति इतनी बिगड़ चुकी है कि हमारे माननीय सांसद एवं विधायक अपना मूल कार्य भूलकर अपने चहेते कर्मचारियों के हक में उनके इच्छित स्थानों पर पदस्थापन करवाने एवं जिनसे वे नाराज हो जाते हैं,उनका स्थानांतरण अन्यत्र कराने के लिए 'इच्छा पत्रों' को जारी कर निष्पादित कराने में ही लंबे समय तक व्यस्त रहने लगे हैं। यह बीमारी हर विभाग में व्याप्त है पर शिक्षकों पर यह गाज ज्यादा पड़ रही है। यही हाल चिकित्सा विभाग का भी है, जहां यह ध्यान रखना तो प्राय: असंभव ही हो गया है कि कौन चिकित्सक कहां उपयुक्त है और कहां नहीं। इन्ही तथ्यों को ध्यान में रखते हुए शिक्षकों एवं चिकित्सकों के लिए 'कर्नाटक मॉडल' अपनाने का सुझाव भी सामने आया है, जहां पूरे सेवा काल में शिक्षकों का कभी स्थानांतरण नहीं किया जाता है। आयोग ने अन्य सभी लोकसेवकों के लिए भी एक 'आदर्श स्थानांतरण नीति' बनाकर अपने 10वें प्रतिवेदन में राज्य सरकार को प्रस्तुत की है। 'इच्छा पत्रों' के चलन को तत्काल बंद करने, गांवों व शहरों के अलग-अलग संवर्ग बनाने आदि से संबंधित प्रावधान रखने के लिए आयोग द्वारा विस्तृत सिफारिशें की गई हैं। सभी राज्य कर्मचारियों के लिए एक पारदर्शी एवं समान स्थानांतरण नीति लागू हो जाने से एक ओर कर्मचारी वर्ग में वर्तमान में व्यापत असंतोष समाप्त होगा ही, साथ ही पूर्व प्रक्रिया में व्याप्त भारी भ्रष्टाचार पर भी रोक लग सकेगी। इससे कार्य कुशलता में वृद्धि से जनमानस में राज्य सरकार की अच्छी छवि भी उजागर हो सकेगी।

(लेखक पूर्व आइएस हैं। विश्व बैंक के सलाहकार भी रहे हैं)

Happy Republic Day

Ph. : 0294-2493357, 2493358
2494457, 2494458, 2494459
9829665739, 9680884172
869633357, 8696904457
8696904458, 8696904459

Website : www.shreejproadlines, shreejppackersandmovers

King Of Mini Truck

प्रो. गौतम पटेल
9414471131
8696333358

॥ जय हनुमन्ते नमः॥

श्री **J.P. Roadlines**

प्लॉट नं. 1/200, प्रताप नगर, सुखेर, बाईपास रोड़,
सामुदायिक भवन के पास, प्रताप नगर, उदयपुर (राज.)

B.O. : No. 136, R.K. Puram Vill. Gokul, N.H. 8 Udaipur (Raj.)

सम्पूर्ण भारत के लिए मिनी ट्रक सेवा **TATA, 407, 709, 909, LPT,** केन्टर व आईशर दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, गुजरात एवं ऑल साउथ के लिए डोर टू डोर डिलीवरी के लिए उपलब्ध है।

समता और न्याय का सपना अभी अधूरा

वेदव्यास

समय और सत्य के प्रभाव को जानने में मुझे कई बातें सदैव याद रहती हैं। मुझे लगता है कि मनुष्य के जीवन में अंधेरे से प्रकाश की ओर चलने के अलावा कोई भी विकल्प शेष नहीं है। बीसवीं शताब्दी भारत में इसीलिए नवजागरण का दिशा परिवर्तन लेकर आईं। हमारे देश में गुलामी और दासता से संघर्ष का दूसरा नाम ही स्वतंत्रता और समानता का उद्घोष है। बचपन से लेकर आज तक मेरी समझ की खिड़कियां इसी कारण खुली रहीं कि मैंने सूरज को चलते हुए देखा है। आज से सौ साल पहले के इतिहास में ही स्वामी विवेकानंद ने कहा था 'उठो! जागो और लक्ष्य की ओर बढ़ो।' इसी तरह डॉ. भीमराव अंबेडकर कहा करते थे कि 'शिक्षित बनो, संगठित बनो और संघर्ष करो।' तभी सुभाष चंद्र बोस का आह्वान था कि 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा,' तो बाल गंगाधर तिलक का नारा था कि 'स्वराज हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है और हम इसे लेकर रहेंगे।' इन सबके साथ जब महात्मा गांधी बताते थे कि 'मेरा जीवन ही मेरा दर्शन है,' तब हमारा युवा मन इन आदर्श उद्बोधनों को लेकर रोमांचित हो उठता था और त्याग तथा बलिदान की दिशा में स्वत: ही बढ़ जाता था। लेकिन, 1947 में जिस आदर्श और नैतिक शक्ति को लेकर यह भारतीय समाज लोकतंत्र का नया जन्म लेकर प्रकट हुआ, वह पिछले 76 साल बाद अब जिस मुकाम पर खड़ा है, इससे हमें लगता है कि दुनिया को बदलते-बदलते हम खुद इतने बदल गए हैं कि व्यवहार और विचार की पूरी हवा आंधी बनकर पूरब से पश्चिम की ओर चलने लगी है और इसके ठीक विपरीत विवेकानंद, अंबेडकर, तिलक और गांधी का सोच भी परिवर्तन और विकास के नाम पर असहिष्णुता, असमानता, व्यक्तिवाद और केवल राज्य सत्ता के उपभोग में बदल गया है। प्रश्न है कि क्या गुलामी अच्छी थी, जब हम एकजुट होकर भारत उदय के नारे लगाते थे और क्या यह

आजादी इतनी बेगानी है कि हम आपस में ही धर्म, जाति, क्षेत्रीयता और भाषाई विविधताओं में तीन-तेरह हो गए?

बीसवीं शताब्दी में ही कार्लमार्क्स और लेनिन ने दुनिया में सभी समस्याओं की जड़ एकमात्र पूंजी, धन और पैसे को ही बताया था और समता पर आधारित समाजवाद की वकालत की थी। भारतीय दर्शन में भौतिकवाद को मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु कहा गया है और माना गया है कि यह माया ही सबसे बड़ी ठगिनी है। किंतु, समाज में आज जो कुछ घटित हो रहा है, उससे यह साफ नजर आ रहा है कि हम ज्ञान और विज्ञान के बल पर एक ऐसे दलदल में फंस गए हैं कि चारों तरफ मानव अधिकारों का हनन ही हो रहा है तथा समता और न्याय का पूरा सपना एक विकृति में बदल गया है। सुधार के सभी प्रयास भी हिंसा की भेंट चढ़ रहे हैं। समाज मन, वचन और कर्म से हिंसक होता हुआ आपसी विश्वास को कुचला जा रहा है।

विवेकानंद ने हिंदू धर्म की व्याख्या में शायद यह नहीं सोचा था कि भारत में केवल हिंदुवाद को कभी 21वीं शताब्दी की राजनीति का एकमात्र हथियार बनाया जाएगा और संविधान प्रणेता भीमराव अंबेडकर के दलित जन ही सबसे अधिक वंचित और प्रताड़ित बनेंगे। अब आजादी के लिए नहीं, अपितु निजी स्वार्थों के लिए हर आदमी खून बहा रहा है और कोई इस बात को कहीं नहीं समझ रहा है कि स्वतंत्रता पर हम सबका समान अधिकार है। महात्मा गांधी को मैं आजादी के आंदोलन का सबसे दूरदृष्टा राजनीतिक संत मानता हूं, लेकिन आज महात्मा गांधी को ही सत्ता व्यवस्था से सबसे अधिक निष्कासित किया गया है। कांग्रेस और भाजपा, दोनों ही, इसके दोषी हैं। आजादी के बाद का अनुभव भी बताता है कि हम विकास और विज्ञान की देन को गलत दिशा में ले जा रहे हैं। हमारे मन में परिवार, समाज और देश से भी पहले खुद की चिंता अधिक है। धन और सम्पत्ति देश और मनुष्य से बड़ी हो गई है और यही कारण है कि सुख-वैभव की जमीन महंगी है और मनुष्य सस्ता है। नया संकेत यह है कि ग्रामीण और मध्यम वर्ग की युवा पीढ़ी अब व्यवस्था परिवर्तन के लिए लामबंद हो रही है तथा सोशल मीडिया भी नई शक्ति बनकर उभर रहा है। हमें लगता है कि आजादी के बाद जहां लोकतंत्र, समाजवाद और पंथ निरपेक्षता में आम आदमी का भरोसा बढ़ा है, वहां दलीय राजनीति को लेकर जनता में सामूहिक नफरत और अविश्वास अधिक गहरा हुआ है। देश की सैकड़ों राजनीतिक पार्टियों से धोखा खाने के बाद अब युवा पीढ़ी एक बदलाव की राजनीति की तरफ बढ़ रही है। ऐसे में अब आम आदमी खुद अपनी नई राजनीति के प्रयोग कर रहा है।

(लेखक वरिष्ठ साहित्यकार व पत्रकार हैं)

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

Your Trust Our Passion...

FIVE STAR BUILD ESTATE PVT. LTD.

A Real Estate & Construction

27, Ist Floor, Diamond Plaza, Opp. Choudhary Hospital,
Hiran Magri, Sec. 4, Udaipur (Raj.) 313002
Email: devvardar@gmail.com,
Mob.: 98295-62167, Ph.: 0294-2461186 (R)

PRAMAN

Construction Pvt. Ltd.

Hemraj Vardar

Office: 9, Five Star Complex, Near Kumbha Nagar,
Hiran Magri, Sector No. 4, Udaipur-313001 (Raj.)
Telefax: 0294- (O) 2461648, (R) 2461186,
Mobile: 98299-48186
Email: pcpl.udaipur@gmail.com

Sister Concern:

D.V. CONSULTING STRUCTURAL ENGINEERS

EXPERT IN STRUCTURE DESIGN WITH ETABS, SAFE, SAP, STAAD
Email: dvardar@gmail.com

प्रत्यूष

भारत जोड़ो न्याय यात्रा

100 सीटों पर कांग्रेस का चुनावी शंखनाद

पंकज कुमार शर्मा

सभी राजनैतिक दलों ने मई-जून में होने वाले लोकसभा चुनाव में अपनी-अपनी गोटी सेट करने की कवायद शुरू कर दी है। विपक्षी 'इंडीया' गठबंधन की धुरी कांग्रेस ने अपने सबसे बड़े नेता राहुल गांधी को कन्या कुमारी से कश्मीर तक 'भारत जोड़ो यात्रा' के बाद अब पूर्वोत्तर के मणिपुर से मुम्बई (महाराष्ट्र) तक की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के जरिए मैदान में उतार दिया है। उनकी यह यात्रा 14 जनवरी को मणिपुर से आरंभ हो चुकी है। जिसका समापन 30 मार्च को मुम्बई में होगा। यात्रा 100 लोकसभा सीटों पर चुनाव का शंखनाद करेगी। उत्तरप्रदेश में कांग्रेस संगठन बिखरा होने के साथ चुनावी रूप से खासा खराब है। यही वजह है कि यात्रा का सबसे अधिक समय उत्तरप्रदेश में ही परिभ्रमण करेगी। 66 दिन की 6200 किलोमीटर की यात्रा 14 राज्यों को कवर करेगी। यह राज्य हैं- मणिपुर, नागालैंड, असम, मेघालय प.बंगाल, बिहार, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र। इससे पहले महाराष्ट्र के ही ऐतिहासिक नगर नागपुर में गत वर्ष 28 दिसम्बर को अखिल भारतीय कांग्रेस समिति ने एक विशाल रैली करके अपना 139वां स्थापना दिवस मनाया और 2024 के आम चुनावों के अभियान की औपचारिक शुरूआत भी की। देश भर से आए पार्टी नेताओं ने इस सभा को संबोधित करते हुए पार्टी के इतिहास को याद किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इसी शहर में 1920 में हुए कांग्रेस अधिवेशन का पार्टी कार्यकर्ताओं को स्मरण कराते हुए कहा कि 'महात्मा गांधी और लाला लाजपत राय की मौजूदगी में उसी सम्मेलन में असहयोग आंदोलन की रूपरेखा तैयार हुई थी और भारतीय इतिहास का एक नया अध्याय लिखा गया ।' कांग्रेस को अपनी चुनावी सफलता के लिए बस जमीनी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित और आंदोलित करने की जरूरत है। इसके जरिये वह बड़ी सफलता हासिल कर सकती है। आखिर कुछ माह पहले तक कौन विश्लेषक दावा कर रहा था कि कांग्रेस तेलंगाना में सत्ता में आएगी? इसके उलट कांग्रेस के बड़े नेता आत्म-मुग्ध थे कि वे मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में जीत रहे हैं और राजस्थान में भी चमत्कार कर सकते हैं। मगर परिणाम सबके सामने है। कांग्रेस को 1920 वाला संगठनात्मक कसाव चाहिए। थके-बोझिल और अपना ही घर भरने वाले नेताओं से मुक्ति चाहिए। युवा नेतृत्व ही पार्टी में प्राण फूंक सकेगा। अगर कोई राजनीतिक पार्टी अपने 139वें साल में कदम रख रही है, तो वह यकीनन प्रशंसा की हकदार है कि जनता ने इतने वर्षों तक उसका साथ दिया। सवाल यह भी है कि कांग्रेस पार्टी जनता के इस विश्वास को आगे बरकरार क्यों नहीं रख पाई? पार्टी के पास नेता तो कई योग्य हैं, मगर नेतृत्व नहीं है। आज उत्तरप्रदेश, बिहार में उसके पास कोई ऐसा क्षेत्रीय नेता नहीं, जो राज्य स्तर पर अपनी पहचान रखता हो। उत्तरप्रदेश में तो वह एक सांसद और दो विधायक पर सिमट आई है। बिहार में भी यदि राजद का साथ न हो, तो उसका दहाई आंकड़ा पार करना मुश्किल हो जाए। ऐसे में पार्टी कैसे केंद्र में शासन के सपने देख सकती है? साल 2004 के लोकसभा चुनाव में भी पार्टी को यूपी में 12 फीसदी से अधिक वोट और नौ सीटें मिली थीं, 2009 में तो वह 18 प्रतिशत से अधिक वोट लेकर 21 सीटें जीत ले गई थी। तब सांसदों के लिहाज से उत्तर प्रदेश में वह सपा के बाद दूसरे नंबर की पार्टी थी। भाजपा तो बसपा से भी पीछे महज 15 सीटों के साथ चौथे पायदान पर थी। लेकिन उसके बाद कांग्रेस को क्या हुआ? पिछले डेढ़ दशक में उसका क्या हश्र हुआ है। भारत जोड़ो न्याय यात्रा का जो रूट तैयार किया गया है, इसमें

भारत जोड़ो यात्रा से क्या मिला

राहुल गांधी ने 7 सितंबर 2022 को दक्षिण भारत के कन्याकुमारी से भारतजोड़ो यात्रा शुरू की थी। जो 30 जनवरी 23 को श्रीनगर पहुंचकर संपन्न हुई थी। 130 दिन की इस यात्रा के दौरान 12 राज्य और दो केंद्र शासित प्रदेश कवर किए गए थे। कर्नाटक और तेलंगाना जैसे राज्यों में कांग्रेस सत्ता पाने में भी सफल रही तो इसके लिए भारत जोड़ो यात्रा को ही श्रेय दिया गया। भारत जोड़ो यात्रा के बाद राहुल गांधी की लोकप्रियता में भी उछाल देखा गया दक्षिण से उत्तर की यात्रा के बाद अब राहुल पूर्वोत्तर से पश्चिम की यात्रा पर हैं। ऐसे में देखना होगा कि चुनावी साल में शुरू हो रही यह यात्रा कांग्रेस को खोई सियासी जमीन वापस दिलाने में कितना सफल हो पाती है?

शामिल राज्यों में फिलहाल कांग्रेस की स्थिति बहुत खराब है। इन 14 राज्यों में लोस की कुल 355 सीटें हैं। इन राज्यों में कांग्रेस की हालत पतली है। जिस मणिपुर से कांग्रेस की यात्रा शुरू हुई, 2019 के चुनाव में वहां कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत सकी थी। नगालैंड में भी पार्टी शून्य पर सिमट गई थी तो वहीं असम की 14 में से कांग्रेस को तीन सीटों पर जीत मिली थी। कांग्रेस मेघालय में एक सीट जीतने में सफल रही थी। पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ में दो-दो, ओडिशा- बिहार- झारखंड- मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के साथ ही महाराष्ट्र में पार्टी एक-एक सीटें ही जीत सकी थी। राजस्थान और गुजरात में तो खाता तक नहीं खुला। इन 14 राज्यों की 355 सीटों में से कांग्रेस 2019 के चुनाव में मात्र 14 सीटों पर सिमट गई थी। इसके उलट केंद्र की सत्ता पर काबिज भारतीय जनता पार्टी के पास इन राज्यों की 237 सीटें हैं। भाजपा के गठबंधन सहयोगियों को भी ले लें तो एनडीए की सीटों का आंकड़ा 282 पहुंच जाता है जो बहुमत के लिए जरूरी 272 सीटों के जादुई आंकड़े से भी ज्यादा है। इन राज्यों में कांग्रेस की खोई सियासी जमीन वापस पाने और सीटें बढ़ाने की चुनौती राहुल गांधी के सामने है। माना जा रहा है कि राहुल गांधी का फोकस प्र.म. मोदी और हिंदुत्व की काट तलाशने पर होगा।

एशिया का दूसरा सर्वाधिक कैंसर प्रभावित देश भारत

भारत में वर्ष 2019 में कैंसर के 12 लाख नए मामले सामने आए और 9.3 लाख लोगों की मौत हो गई। चीन के बाद भारत एशिया में कैंसर से सबसे ज्यादा प्रभावित देश है। द लांसेट साउथईस्ट एशिया पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन में यह बात सामने आई है।

वर्ष 2019 में एशिया में कैंसर के 94 लाख नए मामले सामने आए और 55 लाख लोगों की मौत हो गई। इनमें से चीन में सर्वाधिक 48 लाख मामले आए और 27 लाख की मौत हुई। जापान में नौ लाख नए मामले सामने आए और 4.4 लाख मौतें हुई। 1990 से 2019 के बीच एशिया के 49 देशों में 29 प्रकार के कैंसर के अस्थाई पैटर्न की जांच में ये तथ्य सामने आए।

गुटखा-पान मसाला चिंता का विषय

भारत, बांग्लादेश और नेपाल जैसे दक्षिण एशियाई देशों में खैनी, गुटखा, पान मसाले के रूप में तंबाकू का सेवन चिंता का विषय है। 2019 में कुल मौतों में से भारत में 32:9 प्रतिशत मौत हुई हैं और होंठ और मुंह के कैंसर के 28.1 प्रतिशत नए मामले सामने आए। मुंह के कैंसर के 50 प्रतिशत से अधिक मामले तंबाकू के सेवन से जुड़े हैं।

Subhash Gupta
94141-50585

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

Vipul Gupta 97827-24531
Harshit Gupta 97824-70240

Me

Monika Enterprises

All Kind of Audio, Video & Electronics Appliances

LED, Ref, A.C., Washing Machine, Home Appliances

Panasonic

SAMSUNG

HAVELLS

TATA SKY

8, Indra Market, Nada-Khada, Bapu Bazar, Udaipur (Raj.)

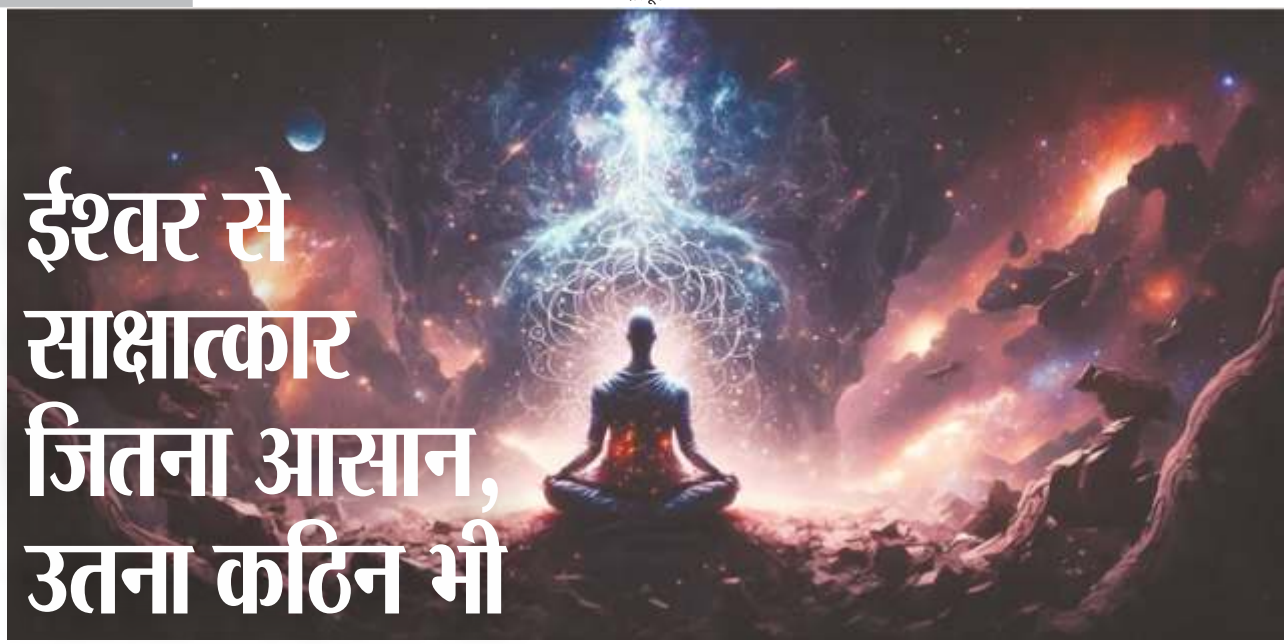

ईश्वर से साक्षात्कार जितना आसान, उतना कठिन भी

सांसारिक अभिलाषाओं में सदा एक अनिश्चितता रहती है। कुछ लोग धन कमाने के लिए जी-जान से वर्षों तक प्रयास करते हैं, परन्तु असफल रहते हैं, लेकिन आध्यात्मिक पथ पर कोई भी पूर्ण हृदय से प्रयास करने वाला भक्त कभी भी असफल नहीं रहता।

ईश्वर से साक्षात्कार केवल योगी के अत्यधिक प्रयास और ईश्वर की कृपा से प्राप्त होता है। यद्यपि ईश्वर तक नियम का पालन करने से भी पहुंचा जा सकता है। तथपि, हृदयों का अन्वेषक होने के कारण वे अपनी कृपा प्रदान करने से पहले आश्वस्त हो जाना चाहते हैं कि भक्त वास्तव में उन्हें चाहता है। जो संपूर्ण हृदय से उन्हें नहीं चाहता है। उस भक्त को प्रभु अंतिम प्रबोधन नहीं, देते चाहे वह योग के विज्ञान में कितना भी निपुण हो। ईश्वर को प्रसन्न करना एकदम बहुत आसान एवं बहुत कठिन है। परीक्षणों की घड़ी में भी वे अपने भक्तों के साथ क्रीड़ा कर रहे होते हैं, और वे उनकी हर समय परीक्षा लेते हैं। मूर्खता में पूरे दिन को गंवा देन कितना आसान है, और उपयोगी कार्यों एवं विचारों से दिन को भरना कितना कठिन है! फिर भी ईश्वर की इसमें कोई विशेष रुचि नहीं है कि हम क्या कर रहे हैं, जितनी इसमें है कि हमारा मन कहां है। प्रत्येक व्यक्ति की कठिनाई भिन्न है, परंतु ईश्वर कोई भी बहाना नहीं सुनते। वे चाहते हैं कि भक्त का मन किसी भी प्रकार की कष्टप्रद परिस्थितियों के होते हुए भी, उनमें तल्लीन रहे। चाहे मैं अभी आपके साथ बातें कर रहा हूं, फिर भी मेरा मन निरंतर ईश्वर पर है। मैं उनके आनंद में रहता हूं, उस आनंद के अतिरिक्त किसी और वस्तु से प्रेम न करके, और उसकी इच्छा न करके, मैं पाता हूं कि ईश्वर प्राप्ति की सभी बाधाएं मेरे सामने से हट जाती हैं। यह घोषणा मिथ्या नहीं है; यह सत्य है। परंतु जब तक प्रभु भक्त के संपूर्ण प्रेम को प्राप्त नहीं कर लेते, वे नहीं आएंगे। कभी-कभी ऐसा लगेगा कि

श्री श्री परमहंस योगानंद

उन्होंने हमें त्याग दिया है, परंतु ऐसी परीक्षाएं अनिवार्य हैं, यदि हम दृढ़ निश्चयी होकर अपनी खोज छोड़ते नहीं हैं, तो ईश्वर हमें अपना समझ कर स्वीकार कर लेते हैं। सांसारिक अभिलाषाओं में सदा एक अनिश्चितता रहती है। कुछ लोग धन कमाने के लिए जी-जान से वर्षों तक प्रयास करते हैं परंतु असफल रहते हैं, लेकिन आध्यात्मिक पथ पर कोई भी पूर्ण हृदय से प्रयास करने वाला भक्त कभी भी असफल नहीं रहता। उसका परिश्रम कभी व्यर्थ नहीं जाता। निरंतर अभ्यास ही आध्यात्मिक सफलता का संपूर्ण जादू है। ईश्वरानुभूति का सबसे बड़ा शत्रु शरीर है। यह बहुत शीघ्र थक जाता है और प्रयास करना छोड़ देना चाहता है। एक सच्चा भक्त अपने प्रयास में ढील कदापि नहीं करता और न ही शरीर की प्रधानता को स्वीकार करता है। निरंतर सतर्कता की आवश्यकता है। प्रतिकूल प्रतीत होने वाली समस्त संभावनाओं के विपरीत, हमें विश्वास करना चाहिए कि वे आएंगे। यहां तक कि एक संशयवादी भी जो यह सोचता है कि ईश्वर के अस्तित्व की संभावना नहीं है, यदि ईश्वर की खोज का निरंतर प्रयास करता, है तो अंतत: वह प्रभु को प्राप्त कर ही लेगा। चाहे ईश्वर उत्तर देते हुए प्रतीत न भी हों, तो भी व्यक्ति को शंकाओं के आगे झुकना नहीं चाहिए, बल्कि उस पवित्र खोज में निरंतर लगे रहना चाहिए। निरंतर अभ्यास करते रहना चाहिए। निरंतर अभ्यास करते रहना ही आध्यात्मिक सफलता का संपूर्ण जादू है। यदि प्रभु आसानी से और स्पष्ट रूप से दिव्य प्रबोधन के लिए भक्तों की प्रार्थनाओं के उत्तर दे देते, तो सभी लोग उन्हें तुरंत खोज लेते, उनके प्रेम के लिए नहीं, बल्कि असीम उपहारों के लिए। यह संसार प्रभु की नाट्यशाला है। यह उनके जटिल नाटक का एक अंग है कि उन्होंने अपनी उपस्थिति की खोज को बहुत कठिन बना दिया है। क्योंकि खोज आसान नहीं है इसलिए हम उन्हें भूल जाने की प्रवृत्ति रखते हैं। यहां तक कि हम अपने प्रियजनों को रहस्यमय अज्ञात में जाते देख कर भी, अपने प्रस्थान के विषय में गंभीरता से नहीं सोचते कि हमें भी कभी जाना पड़ेगा। मनुष्य को ईश्वर की खोज के महत्व को अनुभव करने के लिए मृत्यु के आगमन की प्रतीक्षा नहीं करनी चाहिए। यह प्रत्येक मनुष्य का सर्वोच्च एवं तात्कालिक कर्तव्य है। जीवन का प्रत्येक क्षण एक दिव्य खोज होना चाहिए। हमारे हृदयों में ज्वलंत प्रश्न होना चाहिए: 'हे प्रभो ! मैं आपको कब प्राप्त करूंगा ?' अभी से व्यस्त हो जाएं: समय गुजर रहा है, और एक दिन भयंकर अनुभूति हो जाएगी कि जीवन क्षणभर में चला गया और प्रभु हमें अभी भी नहीं मिले। ईश्वर का ध्यान करने के प्रयास के बिना एक भी दिन गुजरने न दें। शीघ्र ही आश्चर्यजनक रूप से, थोड़े से ही प्रयास की आवश्यकता रह जाएगी। उस भक्त को महान प्रसन्नता प्राप्त होती है, जो इस प्रयास में दृढ़ निश्चयी रहता है।

राम मंदिर के सहारे उत्तर के बाद दक्षिण में भाजपा की बड़ी तैयारी

अमित शर्मा

श्री राम जन्मभूमि आंदोलन में तीर्थ नगरी हरिद्वार की अहम भूमिका रही है। आंदोलन की शुरूआत ही वहीं से हुई थी। 1989 में हरिद्वार में राम मंदिर आंदोलन को लेकर दूसरी धर्म संसद हुई थी। पहली प्रयागराज में हुई थी, परंतु श्रीराम जन्मभूमि का मुद्दा इतनी प्रमुखता से नहीं उठा था। जितना दूसरी धर्म संसद में। अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर के लिए कार सेवा करने और पूरे देश में व्यापक आंदोलन छेड़ने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया था। इस धर्म संसद में बड़ी तादाद में साधु संतों के सभी 13 अखाड़ों के आचार्य महामंडलेश्वर, श्री महंतों और साधु संतों ने भाग लिया था।

इस ऐतिहासिक धर्म संसद के फैसलों ने ही श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन को नई धार दी। राम जन्मभूमि आंदोलन को लेकर सबसे अधिक चार धर्म संसद हरिद्वार में ही हुई। कुंभ के मौके पर भी वहां धर्म संसद जुड़ी थी। राम जन्मभूमि आंदोलन के अग्रणी नेता एवं विश्व हिन्दू परिषद के अध्यक्ष अशोक सिंघल की गतिविधियों का प्रमुख केंद्र अयोध्या के बाद हरिद्वार ही था। अयोध्या में राम जन्मभूमि आंदोलन को लेकर हुई दोनों कार सेवाओं में हरिद्वार के साधु-संतों और लोगों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया था। जब अयोध्या में ढांचा गिरा, तब भी हरिद्वार से कार सेवा में बड़ी तादाद में लोग शामिल हुए थे।

श्री राम जन्मभूमि मंदिर आंदोलन को लेकर हरिद्वार में हुई सभी धर्म संसदों में भारत माता मंदिर के संस्थापक महामंडलेश्वर और शीर्ष संत स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि और परमार्थ आश्रम के अध्यक्ष स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती की महत्वपूर्ण भूमिका रही और इस आंदोलन ने स्वामी चिन्मयानंद को लोकसभा तक पहुंचाया और वह केंद्र सरकार में गृह राज्य मंत्री तक बने। राम जन्मभूमि आंदोलन से अशोक सिंघल ने विभिन्न संप्रदाय के सभी 13 अखाड़े को एक सूत्र में पिरो दिया था। सभी अखाड़े एक साथ विश्व हिंदू परिषद के साथ खड़े रहे। इसका राजनीतिक फायदा भाजपा को मिला। राम लहर के कारण भाजपा ने 1991 में पहली बार हरिद्वार में लोकसभा और विधानसभा की सीटों पर कब्जा किया। उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में भी राम जन्म मंदिर आंदोलन का प्रभाव तेजी से फैला और एक जमाने मे उत्तराखंड का गढ़वाल मंडल टिहरी क्षेत्र वामपंथियों के प्रभाव में था तथा अन्य भाग कांग्रेस के प्रभाव में रहा परंतु 1991 में राम लहर के कारण उत्तराखंड का यह पर्वतीय भाग भाजपा के लिए राजनीतिक रूप से उपजाऊ भूमि साबित हुआ। यहां भाजपा का एकछत्र राज हो गया। राम मंदिर को लेकर उत्तर भारत के बाद भाजपा अब दक्षिण भारत कूच की विशेष तैयारी कर रही है। पार्टी को लोकसभा चुनाव के ठीक पहले सम्पन्न रामलला प्राण-प्रतिष्ठा समारोह का राजनीतिक लाभ मिलने की भी उम्मीद है। खासकर दक्षिण भारत में, जहां वह सबसे कमजोर है। उसकी यहां न तो अपनी और न ही गठबंधन की कोई सरकार है। ऐसे में राम मंदिर से बनने वाले माहौल में उसकी कोशिश बड़ी राजनीतिक छलांग की है।

दक्षिण की राजनीतिक परिस्थितियों में भाजपा ने पचास सीटों का लक्ष्य कार्यकर्ताओं को दिया है। दक्षिण देश के अन्य हिस्सों की तुलना में ज्यादा धर्मप्राण माना जाता है। वहां के मंदिर भी समृद्ध और वैभवशाली हैं। अयोध्या में दोनों कारसेवाओं में भी इस क्षेत्र से बड़ी संख्या में कारसेवक थे।

अयोध्या से दक्षिण का रास्ता

राम मंदिर निर्माण में दक्षिण भारत की भी विशेष हिस्सेदारी है। यहां के विशेष पत्थर, लकड़ी, कारीगर तो शुरू से जुटे ही हैं, मंदिर की मूर्तियां भी यहां के विशेषज्ञ कारीगर बना रहे हैं। राम मंदिर के गर्भगृह में स्थापित रामलला मूर्ति का निर्माण भी कर्नाटक के अरुण योगीराज ने किया है। कन्याकुमारी के कारीगरों ने मंदिर के दरवाजों को स्वर्ण मंडित किया। आंध्र के ठेकेदार-कारीगर भी यहां बड़ी संख्या में कार्यरत हैं। तेलंगाना पत्थर भी मंदिर में लगा है। मंदिर के उद्घाटन के बाद अब दक्षिण भारत से लोगों को दर्शन के लिए अयोध्या लाए जाने की तैयारी भी की जा रही है। राम मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में बतौर मुख्य यजमान शामिल होने से पहले प्रधानमंत्री ने 11 दिन के अनुष्ठान दक्षिण के मंदिरों में ही पूरे किए।

लोकसभा की स्थिति

दक्षिण भारत की 131 लोकसभा सीटों में भाजपा ने 2019 में सहयोगी अन्नाद्रमुक व भाजपा को 30 सीट मिली थी। हालांकि तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक के साथ भाजपा के साथ अब रिश्ते अच्छे नहीं हैं। ऐसे में भाजपा अकेले ही चुनाव में उतर सकती है। कर्नाटक में बीते विधानसभा चुनाव में बड़ी हार के बाद भाजपा कमजोर पड़ी है।

शिल्प के आंगन में थिरकी लोक संस्कृति

विवेक अग्रवाल

पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, उदयपुर द्वारा देशभर की लोक संस्कृति को एक धागे में पिराने वाले शिल्पग्राम उत्सव (21 से 30 दिसम्बर तक) का उद्घाटन राज्यपाल कलराज मिश्र ने 21 दिसम्बर को नगाड़ा बजाकर किया। उनका स्वागत केन्द्र की निदेशक किरण सोनी गुप्ता ने किया। महापौर जी.एस.टाक भी मौजूद थे। दस दिवसीय इस लोकोत्सव में विभिन्न राज्यों के करीब 500 कलाकारों ने भाग लिया तो हस्तशिल्प के कारीगरों ने भी 400 स्टॉल्स के माध्यम से अपने उत्पाद की बिक्री की। खानपान की दुकानों मं अलग-अलग राज्यों के व्यंजन महकते रहे। राज्यपाल ने कहा कि लोक में ही जीवन की सुगंध समाई है। संस्कृति कोई वस्तु नहीं बल्कि एक जीवन शैली है। जिसे हर हाल में सहेजे रखना होगा।

लोक झंकार

उत्सव की प्रथम प्रस्तुति 'लोक झंकार' में भारतीय संस्कृति के इन्द्रधनुषी रंग देखने को मिले। मणिपुरी म्यूजिकल चरी, छत्तीसगढ़ के ककसार, गोवा के देखनी, ओडिशा के गोटीपुआ, गुजरात के जेठवा पश्चिम बंगाल के नटवा, महाराष्ट्र के सोंगी मुखोटा आदि की धमाल रही। वहीं, पद्मश्री सुमित्रा गुहा के साथ उनकी शिष्या डॉ. सामिया मेहबूब अहमद और शिंजनी कुलकर्णी की गीत-संगीत और कथक की संगत ने सभी को मंत्रमुग्ध कर को दिया। उत्सव के दौरान मांडणा और मेहंदी स्पर्द्धा के साथ ही फड़ कला शिविर तथा रेखा चित्र कार्यशाला के आयोजन भी हुए।

व्यास व जड़ेजा सम्मानित

राज्यपाल ने इस अवसर पर लोक कलाओं के संरक्षण, संवर्धन और प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान के लिए डॉ. राजेश कुमार व्यास और लोक नृत्य में जयेंद्र सिंह जडेजा को डॉ. कोमल कोठारी स्मृति लाइफ टाइम अचीवमेंट सम्मान से नवाजा।

सूफी कलामों ने बांधा समां

शिल्पग्राम उत्सव की दूसरी शाम सूफी कलामों के नाम रही। पंजाब की ज्योति नूरां की सूफी गायकी ने सधे सुरों में क्लासिकल पुट और दिल तक उतरने वाली तानें छेड़ आवाज की ऐसी जादूगरी दिखाई कि हर कोई सम्मोहित हो गया। उन्होंने अलौकिक राही के कलाम 'मखमल सी राहों पर काटे हैं पुरजोर' सुनाया तो को लगा मानों उनके अपने ही जीवन की दास्तान बयां हो रही है। उन्होंने इरशाद कामिल का हिट गीत....हां मीट्ठे पान दी गिल्लौरी, लट्ठा सूट दा लाहोरी.... पर तान दी तो हर उम्र के लोगों ने सुर में सुर मिलाए। ज्योति ने स्नेहा खानवलकर और जलीस शेरवानी के कलाम के बाद पुरनम इलाहाबादी का 'दमा दम मस्त कलंदर, अली दा पहला नंबर' कलाम भी सुनाया।

एक भारत - श्रेष्ठ भारत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' विजन के तहत यहां राजस्थान से लेकर पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र से मणिपुर तक के लोक कलाकारों का समागम हुआ। मैत्रेयी पहाड़ी ने ऐसा फ्यूजन पेश किया कि कला प्रेमी झूम उठे। सुपर लोक झंकार के दौरान राजस्थान के चरी को जहां सराहना मिली, वहीं मणिपुरी पुंग ढोल चोलम, छत्तीसगढ़ के ककसार और गोवा का देखनी लोक नृत्य पहली बार देखने वाले दर्शक भी भाव विभोर हो गए।

शित तरंगम - जाति स्वरम

कुचिपुड़ी (आंध्र प्रदेश) नृत्य गुरू वी.जयराम ने इस लोकोत्सव के चौथे दिन 23 दिसम्बर को 'शित तरंगम' तो नर्तक-नृत्यांगनाओं ने 'जाति स्वरम' की प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। ओडिसी नृत्यांगना रंजना गौहर के समूह ने 'रास रंग' की प्रस्तुति दी। यह नृत्य राधा-कृष्ण और गोपियों के कुंज-वन में रास की

जीवंत प्रस्तुति थी। राग मिश्र खमाज पर आधारित इस नृत्य के बोल नाबा किशोर मिश्रा ने लिखे थे। लखनऊ घराने की मालती श्याम ग्रुप के तीन ताल ख्याल पर आधारित नृत्य की खूब सराहना हुई। इसमें अश्विनी सोनी, हस्ती गज्जर, गौरी शर्मा, आंचल रावत, शुभी मिश्रा व निकित्सा वत्स ने भाग लिया। इस दिन 'महाराष्ट्र दिवस' के अन्तर्गत महाराष्ट्र के लोकगीतों व लोकनृत्यों का प्रदर्शन हुआ।

आनंदम्

उत्सव के चौथे दिन भरतनाट्यम की प्रसिद्ध नृत्यांगना प्रिया वेंकटरमन ने नृत्य दीक्षा संस्था की ओर से 'आनंदम्' के तहत जब शिवाराधना की प्रस्तुति दी तो समूचा परिसर तालियों से गूंज उठा। ऐसा लगा मोनो 'स्वयं शिव' प्रकट हुए हों। मोहिनी अट्टम की नृत्यांगना जय प्रभा मेनन की सोलो प्रस्तुति, प्रिया वेंकटरमन का 'तिल्लाना' (तराना) व नई दिल्ली के इंटरनेशनल सेंटर फॉर कथकली की नृत्य नाटिका गीतोपदेशन को भी खूब सराहना मिली।

मणिपुर का बसंत रास

पांचवीं संध्या उत्तर-पूर्व के राज्यों ने अपनी सांस्कृतिक छटा बिखेरी तो गोवा दिवस ने इस इंद्रधनुषी उत्सव को और अधिक खुशनुमा बना दिया। उत्तर-पूर्व के राज्यों ने श्री कृष्ण के प्रति अपनी आस्था को महारास प्रस्तुति से साबित कर दिया कि उनका कृष्ण से उतना ही लगाव है जितना वृन्दावन, मथुरा सहित पूरे उत्तर भारत का। बसंत रास मणिपुर में बसंत पूर्णिमा पर आयोजित होता है। विद्या शोरी देवी की श्री कृष्ण और जोशिता चानू की राधा के रूप में भूमिका ने काफी प्रभावित किया। असम की सत्रिया नृत्य नाटिका में भी श्री कृष्ण की लीलाओं ने मंत्रमुग्ध कर दिया। विधायक दीप्ति किरन माहेश्वरी, आई एएस मधुकर गुप्ता व केन्द्र की निदेशक किरण सोनी गुप्ता ने कलाकारों को सम्मानित किया।

सांस का अंतराल ही ब्रम्हांड

उत्सव के छठे सोपान ने भैरव तंत्र पर आधारित ओडिसी नृत्य में निर्वाण की आध्यात्मिक अनुभूति से दर्शकों को रोमांचित किया। नृत्य ने संदेश दिया कि दो सांसों यानी ली गई और छोड़ी गई सांस के बीच एक अतंराल है और उसमें जो सन्नाटा या शून्य है, वही ब्रम्हांड है। नृत्य

शिक्षिका जिया नाथ और ओडिसी के ख्यातनाम नर्तक सनातन चक्रवर्ती के इस नृत्य का सामंजस्य देख दर्शक दंग रह गए। जयपुर की प्राचीन तमाशा शैली को दिलीप भट्ट ने परम्परागत वेशभूषा में जीवंत किया तो मांगणियार गायक पद्मश्री अनवर खां समूह ने सूफी लोकगीतों से उत्सव को ऊंचाई पर पहुंचाया। ओम-प्रकाश के सूफी गायन ने भी खूब तालियां बटोरी।

पूर्वोत्तर फैशन का जलवा

सातवें दिन पूर्वोत्तर का फैशन शो और पंजाब पुलिस बैंड की धमक का तड़का उत्सव की विशेषता रहा। मेघालय, त्रिपुरा, मणिपुर, सिक्किम, नागालैंड, असम और अरूणाचल प्रदेश के कलाकारों ने आंचलिक पोशाकें पहनकर जब कैटवॉक किया तो भारत की विविधता में एकता मुखर हो उठी। हरियाणवी घूमर और मेघालय की गारो जाति के नृत्य वांगला ने उत्सव को नए आयाम दिए। में फैशन शो की निर्देशक भानुश्री दास व पंजाब पुलिस बैंड के ग्रुप लीडर सुरिन्दर सिंह को सम्मानित किया गया।

आठवीं सांझ : 16 वाद्ययंत्र

28 दिसम्बर की शाम उत्सव का आगाज़ महाराजा सियाजी राव विश्वविद्यालय, बड़ौदा के कलाकारों द्वारा लोक, शास्त्रीय और पाश्चात्य 16 वाद्ययंत्रों पर सिम्फनी की प्रस्तुति से हुआ। इसके बाद धोंद ग्रुप के महाराजा ब्रास बैंड, जयपुर की राजस्थानी लोकधुन पर दर्शक खूब झूमें। उत्तराखंड के छपेली नृत्य में परिवार में मांगलिक कार्यों की झलक दिखाई दी। पंजाब के 'गिद्धा' और असम के 'बिहू' लोकनृत्य को भी खूब सराहा गया।

फ्रांस और राजस्थान की जुगलबंदी

उत्सव के 9वें दिन फ्रांस और राजस्थानी की म्युजिक बैंड की जुगलबंदी पर दर्शक झूम उठे। उत्सव की शुरूआत हरियाणा की घूमर से हुई। इसके बाद पंजाब, तेलंगाना, तमिलनाडु, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, मध्यप्रदेश, राजस्थान के कलाकारों ने अपने परम्परागत गीत-नृत्यों की प्रस्तुतियां दीं। फ्रांसीसी रॉक स्टार यारोल पौपौड के साथ रहीस भारती के राजस्थानी बैंड की फॉक, बॉलीवुड और वेस्टर्न धुनों और गानों की जुगलबंदी को खूब सराहना मिली।

समापन : राम की शक्ति पूजा

दस दिवसीय उत्सव का समापन 30 दिसम्बर को पूरे भारत की सांस्कृतिक छवि को समेटे 250 से अधिक कलाकारों के फ्यूजन से हुआ। उत्सव में औसतन रोजाना 10-12 हजार लोगों की उपस्थिति रही। पुर्तगाल की आर्टिस्ट कृतिका ठाकुर और योरोल पौपोड की प्रस्तुतियों के साथ अन्वेषणा सोसायटी फॉर परफार्मिंग आर्ट की संस्थापक सगीता शर्मा के निर्देशन में सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की कविता पर आधारित नृत्य-नाटिका 'राम की शक्ति पूजा' को दर्शक दीर्घाओं से खूब तालियां मिलीं।' दस दिनों में देशभर से हस्तशिल्प लेकर आए कारीगरों ने उत्पाद की बिक्री को लेकर संतोष जताया।

डीपफेक की घातक लहर का सख्त सजा ही इलाज

डीपफेक तकनीक आम जनजीवन का हिस्सा बन चुकी है, और जब तक हम इसको समझेंगे नहीं, इसके दुरूपयोग का शिकार बनते रहेंगे। इसके लिए कठोर कानून के साथ जागरूकता भी आवश्यक है।

पवन दुग्गल

सरकार डीपफेक को 'लोकतंत्र के लिए' खतरा मान रही है और इससे निपटने के लिए नए नियम-कानून बनाने पर विचार कर रही है। केंद्रीय सूचना प्रौद्यिगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव के मुताबिक, नए नियमों में डीपफेक बनाने वाले और जिस प्लेटफॉर्म पर उसे डाला गया है, दोनों पर जुर्माने का प्रावधान किया जा सकता है। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई की मदद से निर्मित डीपफेक पर नकेल कसना वाकई जरूरी है। देखा जाए, तो तमाम डिजिटल उपभोक्ताओं को इसकी चुनौती से निपटना होगा। यह तकनीक इतनी विकसित हो चुकी है कि हर आम-ओ-खास की जिंदगी को प्रभावित करने की क्षमता रखती है। कुछ साल पहले एक मजाक के रूप में डीपफेक की शुरूआत हुई थी, पर अब इसका दुरूपयोग व्यक्ति-विशेष को निशाना बनाने में किया जाने लगा है। इसको लेकर नए-नए अफसाने सामने आ रहे हैं, जिसके बाद खुद प्रधानमंत्री ने इस पर चिंता जाहिर की है।

डीपफेक के जरिये व्यक्ति-विशेष की तस्वीरों अथवा वीडियो में छेड़छाड़ करके किसी दूसरे की तस्वीर या वीडियो डाल दी जाती है, और यह काम इतनी सफाई से किया जाता है कि आम व्यक्ति के लिए इसे पकड़ पाना लगभग नामुमकिन होता है। यह तकनीक न सिर्फ पीड़ित व्यक्ति के विश्वास को हिला सकती है, बल्कि राष्ट्रों की संप्रभुता, एकता और अखंडता को भी नुकसान पहुंचा सकती है। यह फर्जी इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड बनाने का नया तरीका है, इसलिए इसे लेकर स्वाभाविक तौर पर चिंता जताई जा रही है।

इस तकनीक का मुकाबला करने के लिए जरूरी है कि चौतरफा प्रयास किए जाएं। हकीकत यही है कि आज भी भारत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) या डीपफेक को लेकर कोई स्पष्ट कानून नहीं है। अभी जिस सूचना प्रौद्योगिकी कानून-2000 के तहत ऐसे मामने सुने जाते हैं, उनके प्रावधान इससे निपटने में पूरी तरह सक्षम नहीं हैं। कुछ प्रावधान भारतीय दंड सहिता में भी हैं, पर एआई के संदर्भ में उसे अदालत में साबित कर पाना काफी कठिन हो जाता है। सुखद है कि दुनिया भर के देशों में इस पर काम हो रहा है। चीन ने तो पिछले साल 15 अगस्त को जेनरेटिव एआई पर आधारित दुनिया का पहला कानून लागू किया है। यूरोपीय संघ भी एआई कानून को लेकर एक ड्राफ्ट पारित कर चुका है, जिसे वह जल्द अमल में ला सकता है। यूरोप में एक नया कानून लागू भी हो चुका है। भारत को भी इन तमाम प्रावधानों की मदद से अपने लिए खास कानून बनाना चाहिए, जो एआई को बढ़ाने में मददगार हो, लेकिन इसके दुरूपयोग से पार पाने में पूरी तरह से सक्षम हो। इसमें जाहिर तौर पर कुछ वक्त लगेगा, इसलिए तब तक जितने भी सर्विस प्रोवाइडर हैं, उनके लिए जरूरी दिशा-निर्देश जारी किए जाएं। भारत के सूचना प्रौद्योगिकी कानून की धारा 87 के ताकत ऐसे नियम लागू किए जा सकते हैं। इसमें जरूरी है कि केंद्र सरकार यह परिभाषित करे कि सेवा देने वाले प्रोवाइडर को क्या-क्या कदम उठाने चाहिए, ताकि उनके सोशल मंचों के जरिये डीपफेक का दुरुपयोग प्रभावी रूप से रुक सके।

आवश्यक यह भी है कि जो लोग इसका शिकार बन रहे हैं, उनके लिए शिकायत का कोई समर्पित तंत्र हो। फिलहाल सूचना प्रौद्योगिकी नियम-2021 के तहत शिकायतें दर्ज करने का प्रावधान है, जो न तो पर्याप्त है, न डीपफेक के संदर्भ में ज्यादा प्रभावी। एक और बात। भारत में जितनी भी सेवा प्रदाता कंपनियां हैं, न सिर्फ उनमें, बल्कि उपभोक्ताओं में भी डीपफेक के बारे में जागरूकता फैलानी चाहिए। यह सच है कि डीपफेक अब हमारी जिंदगी का हिस्सा बन चुकी है, और जब तक हम इसे समझेंगे नहीं, इसके दुरुपयोग का शिकार बनते रहेंगे। लिहाजा, जरूरी है कि बहुस्तरीय प्रयास किए जाएं, तभी इससे जुड़ी चुनौतियों से निपटने में हम सक्षम हो सकेंगे। डीपफेक तकनीक को रोकना तो अब काफी मुश्किल है, लेकिन हम उन लोगों को बचाने के विशेष प्रयास जरूर कर सकते हैं, जो इसके दुरुपयोग के आसन्न शिकार बन सकते हैं। इसके लिए बहुत जरूरी है कि केंद्र सरकार द्वारा तैयार किए जा रहे नियम-कानूनों में डीपफेक का नकारात्मक इस्तेमाल करने वालों के लिए सख्त सजा का प्रावधान हो। यह दंड-प्रावधान ही उनमें कानून का खौफ पैदा करेगा, जिससे वे इस अपराध से बचने को प्रयास करेंगे।

(लेखक साइबर कानून विशेषज्ञ हैं।)

पंजीयन संख्या 617 वाई | जय सहकार | स्थापना: 18–02–1959

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

उदयपुर क्रय-विक्रय सहकारी समिति लि.

प्रतापनगर, उदयपुर (राज.)

संस्था के कार्य एक नज़र में...

- रसायनिक खाद, उन्नत बीज, कीटनाशक औषधियों का विपणन एवं वितरण कृषि उपज मण्डी दुकान नं. 36 से।
- आढ़त पर कृषि उपज का क्रय–विक्रय कर उत्पादकों को उचित मूल्य दिलाना, नकद भुगतान की सुविधा देना एवं कृषि उपज की रहन पर ऋण ब्याज उपलब्ध कराना जिसमें सदस्यों को कृषि उपज का उचित मूल्य मिल सके।
- राज्य सरकार की नीति के अनुसार लक्षित वितरण प्रणाली के अंतर्गत वस्तुएं वितरण करना।
- समर्थन मूल्य पर खाद्यान्नों की खरीद करना।
- दैनिक उपयोग की वस्तुओं का उचित मूल्य पर वितरण करना
- पशुपालकों के लिए सस्ती दर पर राजफेड का पशु आहार वितरण।
- मिड–डे मिल (पोषाहार) परिवहन।

आशुतोष भट्ट
प्रशासक

हीरालाल मीणा
मुख्य प्रबंधक

राजस्थान : अदालतों में प्रभावी पैरोकारी की परीक्षा

दुर्गाशंकर मेनारिया

जनता के बाद अब राजस्थान की नई भाजपा नीत भजनलाल शर्मा सरकार की अदालतों में भी परीक्षा शुरू होगी। चुनाव से पहले भाजपा द्वारा उठाए पेपरलीक, लॉकर कांड और जयपुर बम ब्लास्ट जैसे मामलों में दमदार पैरवी करवाकर दोषियों को सलाखों के पीछे पहुंचाना और ऐसे अपराधियों को भविष्य के लिए कड़ा संदेश देना भाजपा की ही सरकार के लिए चुनौती होगी। अदालतों में पैरवी के लिए सरकार द्वारा नई टीम बनाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। नई टीम के सामने बड़ी चुनौती होगी कि ऐसी कोई चूक न हो जाए, जैसी पूर्ववर्ती सरकार के समय जयपुर बम ब्लास्ट मामले पर हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान हुई। इस मामले में सरकार ने अतिरिक्त महाधिवक्ता को हटाया, लेकिन सरकार से पहले भाजपा ने बम ब्लास्ट पीड़ितों के जरिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाकर मुद्दे को गरमा दिया था। पेपरलीक मामले में पूर्ववर्ती सरकार घिरी रही कि असल अपराधियों को बचाने के लिए दिखावटी कार्रवाई की गई। ऐसे में अदालतों में सरकार के सामने चुनौती रहेगी कि दमदार परफॉर्मेंस दिखाकर असल अपराधियों को सलाखों के पीछे पहुंचाया जाए।

खास चुनौतियां

- कमजोर पैरवी के चलते आरोपियों को जमानत
- जल जीवन मिशन में भ्रष्टाचार
- संस्थाओं और व्यक्तियों को भूमि आवंटन
- जयपुर ब्लास्ट मामला
- गणपति प्लाजा लॉकर कांड
- योजना भवन का सोना–नकदी प्रकरण
- पेपर लीक मामला
- पिछली सरकार के अंतिम 6 माह के फैसलों की समीक्षा
- अनावश्यक समितियों–बोर्डों का गठन
- नए जिलों के गठन का औचित्य?
- पिछली सरकार में राजनैतिक नियुक्तियों से लाभ–हानि
- कैप्सटन मीटर भूमि प्रकरण
- शेष क्षेत्रों में महिलाओं को स्मार्टफोन वितरण
- ईआरसीपी प्रोजेक्ट

राजस्थान : नया मंत्रिमंडल

1. भजन लाल शर्मा, मुख्यमंत्री
गृह सूचना एवं जनसम्पर्क, भष्टाचार निरोधक सहित 8 विभाग
2. दिया कुमारी, उप मुख्यमंत्री
वित्त, पर्यटन, सार्वजनिक निर्माण, महिला एवं बाल विकास सहित 6 विभाग
3. डॉ. प्रेमचन्द्र बैरवा, उप मुख्यमंत्री
तकनिकी शिक्षा, उच्च शिक्षा, आयुर्वेद, परिवाहन सहित 4 विभाग
4. किरोडीलाल मीणा, केबीनेट मंत्री
कृषि, ग्रामीण विकास, आपदा प्रबंधन सहित 4 विभाग
5. गजेन्द्र सिंह, केबीनेट मंत्री
चिकित्सा और स्वास्थ्य
6. राज्यवर्धन सिंह राठौड़, केबीनेट मंत्री
उद्योग, युवा मामले, सैनिक कल्याण सहित 5 विभाग
7. मदन दिलावर, केबीनेट मंत्री
स्कूल शिक्षा एवं पंचायती राज
8. कन्हैयालाल, केबीनेट मंत्री
जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भूजल
9. जोगाराम पटेल, केबीनेट मंत्री
संसदीय कार्य, विधि एवं न्याय
10. सुरेश सिंह रावत, केबीनेट मंत्री
जल संसाधन
11. अविनाश गहलोत, केबीनेट मंत्री
सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता
12. सुमित गोदारा, केबीनेट मंत्री
खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति
13. जोराराम कुमावत, केबीनेट मंत्री
देवस्थान एवं पशुपालन
14. बाबूलाल खराड़ी, केबीनेट मंत्री
जनजाति क्षेत्रीय विकास
15. हेमन्त मीणा, केबीनेट मंत्री
राजस्व

राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

कृषि, अल्पसंख्यक मामलात एवं वक्फ
16. संजय शर्मा, वन एवं पर्यावरण
17. गौतम कुमारदक, सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन
18. झाबर सिंह खर्रा, स्वायत्त शासन
19. हीरालाल नागर, ऊर्जा

राज्यमंत्री

20. ओटाराम देवासी, पंचायती राज
21. डॉ. मंजू बाघमार, सार्वजनिक निर्माण, बाल अधिकारिता
22. विजय सिंह, राजस्व
23. के.के बिश्नोई, उद्योग एवं वाणिज्य
24. जवाहर सिंह बेढ़म, गृह, डेयरी, मत्स्य

श्री गंगानगर के करणपुर प्रत्याशी सुरेन्द्रपाल टीटी को भी राज्यमंत्री बनाया गया था, लेकिन कांग्रेस के रूपिंदर की जीत के बाद उन्हें हटाना पड़ा।

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

Royal Fabricators

...a house of metal craft

Ramakant Ajaria: 9414162895
Tushar Ajaria: 9828148574
Raghvendra Ajaria: 9602226582
Rajveer Ajaria: 9799119320

Deal in :

- Redisential and comercial Metal work.
- CNC machine Job Work.
- Authorised Dealer of TATA PRAVESH Door.
- Aluminum and Stainless steel railings.

36 ,kala ji Gora ji Lake Palace Road Udaipur :Office
7,Ekilingpura chouraha Udaipur : Factory
TATA PRAVESH Door Sec.4 Opp Swagat Vatika : Gallery

www.royalimaginations.com | tusharajaria@gmail.com

आनंद बरसाते आए हर्षित ऋतुराज

विष्णु शर्मा हितैषी

शीत की विदाई वेला में पृथ्वी के कई हिस्से वासंती रंग में नज़र आ रहे हैं। खेतों में फूली पीली सरसों और आम्र बौर की गंध हर तन-मन को विभोर कर रही है। दुनिया में भले ही मौसम दो, तीन या चार माने जाते हों, भारत में छः मौसम माने गए हैं। इनमे वसंत को ऋतुओं का राजा कहा गया है। वसंत पंचमी ऋतुराज के आगमन का ही पर्व है। इस ऋतु में न केवल मनुष्य अपितु पशु-पक्षी भी हर्ष और उल्लास में मगन हो जाते हैं। ऋगवेद के अनुसार मानव सहित सृष्टि के सभी जड़, चेतन जीवों की रचना के पश्चात भी सृजनकर्ता परमपिता ब्रम्हा को संतुष्टि नहीं हुई। उन्हें लगा कि इन रचनाओं से ही सृष्टि की गति को सुचारू नहीं रखा जा सकता। अतएव जगतपालक श्री विष्णु की आज्ञा से उन्होंने निःशब्द सृष्टि को स्वर की शक्ति से परिपूर्ण करने के लिए वरमुद्राधारी ऐसी चर्तुभुजी दैवीय शक्ति प्रकट की जो शब्द के माधुर्य और रस से सराबोर होने के कारण सरस्वती कहलाई। इस देवी ने जब अपनी वीणा के तारों को झंकृत किया तो उससे उत्पन्न नाद की अनुगूंज से सृष्टि के समस्त जड़-चेतन को वाणी का वरदान मिल गया। इस वीणापाणि देवी का प्राकट्य माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को हुआ था, अतः इस दिन को वसंत पंचमी के रूप में मनाने की परम्परा सदियों पुरानी हो चली है। वसंत प्रकृति के खिलने की, सौंदर्य की ऋतु है। बाह्य प्रकृति में देखें तो यह रंग और गंध का उत्सव है। इन दिनों हरितिमा अपने पूर्ण यौवन पर होती है, धूप कुछ ज्यादा चमकदार और उजली दिखती है। झूमते, लहलहाते पेड़-पौधों पर चटकी कलियां भी पुष्प बनने लगती हैं और उनके इर्द-गिर्द भौरों की भनभनाहट वातावरण में अलग ही मदहोशी का संचार करते हुए कवियों को प्रकृति सौन्दर्य, श्रृंगार और माधुर्य से परिपूर्ण गीतों की रचना के लिए उत्प्रेरित करती है। वसंत की जब बात होती है तो वह सृजन की, निर्माण की ही बात होती है। वरिष्ठ लेखक सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय लिखते हैं, *पीपल की सूखी डाल स्निग्ध हो चली है / सिरिस ने रेशम की वेणी बांध ली / नीम के बौर में भी मिठास देख / हंस उठी है कचनार की कली / टेसुओं की आरती सजा के / बन गई वधू वनस्थली /* इस तरह यह ऋतु प्रकृति के लिए ही नहीं, मानव के लिए भी प्रेम और मदन प्रेरक बन गई। 'महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला' कहते हैं- *सखि! बसंत आया / भरा हर्ष वन के मन / नव उत्कर्ष छाया /* वसंत के आनंद को परवान चढ़ाती महादेवी वर्मा की ये पंक्तियां भी क्या खूब हैं- *मुखर पिक हौले-हौले बोल / जाग लुटा देंगी मधु कलियां / मधुप चलेंगे मोर /* राजनीति के दलदल में कमलवत अटल बिहारी वाजपेयी का कवि हृदय भी बोल उठा- *टूटे हुए तारों से फूटें बासंती स्वर / पत्थर की छाती में उग आया नव अंकुर / झरे सब पीले पात / कोयल की कुहुक रात / प्राची में अरूणिम की रेख देख पाता हूं / गीत नया गाता हूं /* बसंत के सुहाने मौसम में सर्वोच्च सत्ता के दर्शन करते हुए अमीर खुसरों भी मस्ती में झूमते गा उठे थे। *आज वसंत मना ले सुहागिन / आज वसंत मनाले ××× ऊंची नार के ऊंचे चितवन / ऐसो दियो है बनाय / शाहे अमीर तोहे देखन को / नैनों से नैना मिलाए सुहागन /* महाकवि पद्माकर ने ऋतुराज की मनमोहिनी छवि को यूं अभिव्यक्त किया- *कूलन में केलिन में / कछारन में कुंजरन में / क्यारिन में / कलित बसंत किलकत है / पानन में पीकन में पलाशन पंगत में / बनन में बागन में बगर्‌यो बसंत है /* राम चरित मानस के रचयिता महाकवि तुलसी लिखते हैं - *सबके हृदय मदन अभिलाषा / लता निहारि नवहि तरूशाखा / सदाचार जप जोग बिरागा / समय विवेक कटुक सब भागा /* नज़ीर अकबराबादी भी बसंत की मदमाती पवन में झकोले लेते बोल उठे- *कहां रहेगी चिड़िया / आलम में जब बहार की आकर लांगत हो / फिर आलम में तशरीफ लाई बसंत / जहां में फिर हुई ऐ यारों आश्कार वसंत /* केदारनाथ अग्रवाल की कविता का एक छंद देखिए- *पलास के बूढ़े वृक्षों ने / टेसू की लाल मौर सिर पर धर ली / विकराल वनखंडी / लजवंती दुल्हन बन गई /* ऐसे ही अनेक कवियों ने बसंत का महिमा गान करते अगवानी की है। महाकवि कालिदास की अमर कृतियों में तो वसंत का ऐसा मोहक वर्णन हुआ है, जो अन्यत्र दुर्लभ है। कला, वाणी, लेखनी व ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती मूलतः प्रकृति ही है। वसन्तोत्सव का यह त्योहार भारत सहित सम्पूर्ण विश्व में मनाया जाता है। हालांकि इसके मनाने के ढंग भिन्न हैं। ब्राजील में यह रियो कार्निवाल, इटली में ऑरेंट फेस्टिवल, चीन में डार्बिन आईस-स्नो फेस्टिवल, ताइवान में पिंगरी लैंटर्न के रूप में मनाया जाता है तो जापान में श्वेत कमल पुष्प पर विराजित बीवा (एक वाद्ययंत्र) बजाती हुई बुद्धि की देवी बेनजायतेन की पूजा- आराधना की जाती है।

जे.के.टायर एण्ड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड

जेकेग्राम, कांकरोली (राज.)

गणतंत्र दिवस

के शुभ अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं

MEMBER J.K. ORGANISATION

JK TYRE & INDUSTRIES LTD.

इतिहास को जानें, समझें और सबक लें

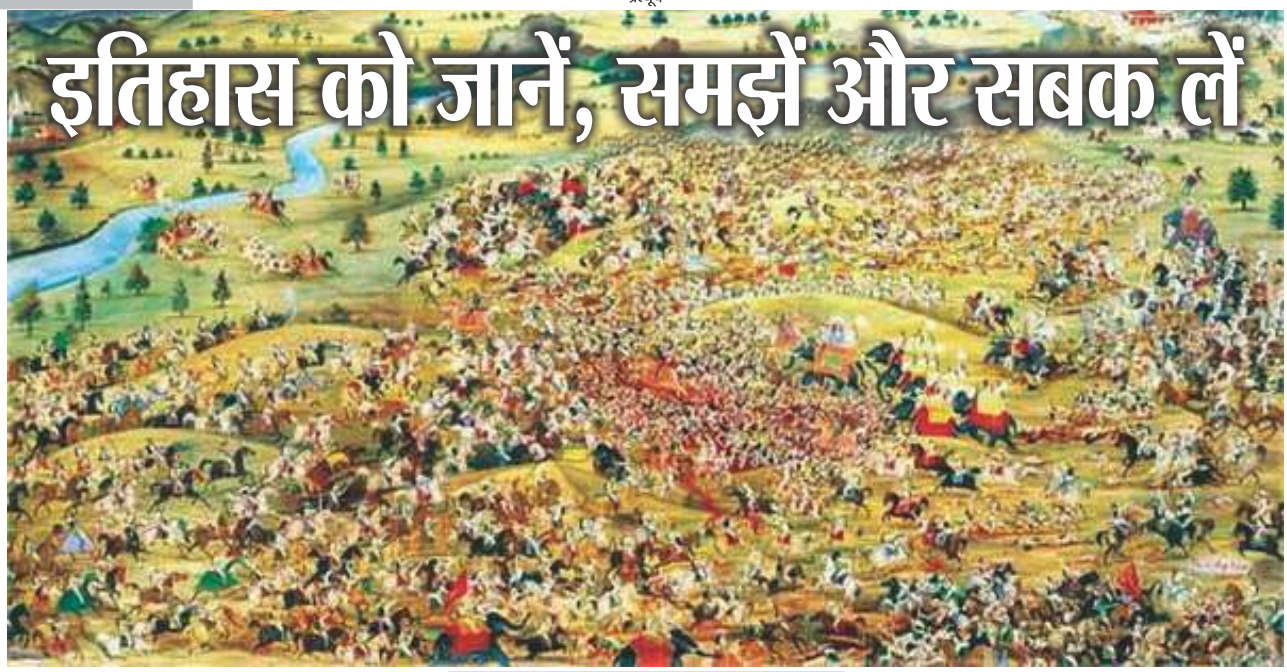

डॉ. अशोककुमार गदिया

कभी-कभी में विचार आता है कि हमारा समाज न तो इतिहास को सही मायने में पढ़ता है, न जानना चाहता है और न उससे कोई सीख लेना चाहता है, चाहे वह खुद इतिहास बनकर रह जाए। विशाल देश भारत एक ओर हिमालय पर्वत और तीन ओर से समुद्र से घिरा हुआ होने की वजह से बाहरी आक्रमणकारियों से पूर्णतया सुरक्षित था। धीरे-धीरे समुद्री यातायात बढ़े और सड़क मार्ग भी खुले। इससे व्यापार, शिक्षा की दृष्टि से, हिमालय एवं समुद्र पार बसे देश के लोग यहाँ आने लगे। चाहे वे चीन से आये हों या अरब से या साइबेरिया के जंगलों के पास से, उन लोगों ने देखा कि भारत तो सोने की चिड़िया है। पूर्णतया विकसित प्राकृतिक संसाधनों से परिपूर्ण, सभी सुख-सुविधाओं से सम्पन्न एक सभ्य राष्ट्र है। जहाँ का मूल मंत्र है -

सर्वे भवन्तु सुखिनःसर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तुमाँ कश्चिद्-दुःख-भाग-भवेत।।

यहाँ के लोगों के लिए यह देश ही विश्व था, जिसे वह अपना एक कुटुम्ब मानते थे और कहते थे-''वसुधैव कुटुम्बकम !''इस देश में हर तरह का मौसम, हर तरह के फल, साग-सब्जी एवं अन्न पैदा होता था। विभिन्न भाषाएं एवं रीति रिवाज थे और सभी लोग एक-दूसरे की पूजा-पद्धति, रहन-सहन, खान-पान, शक्ल-सूरत, रंग-रूप, रहने के तौर-तरीके, विवाह एवं पारिवारिक नियमों का सम्मान करते हुए एक सभ्य समाज के रूप में रहते थे। प्रत्येक व्यक्ति के स्वभाव में सरलता, ईश्वर के प्रति अगाध श्रद्धा थी। लगभग सभी लोग सत्य के पुजारी थे। असत्य और हिंसा को पाप समझते थे। पशु-पक्षियों, जीव-जन्तुओं, वनस्पतियों, नदी-नालों, अग्नि, वायु एवं पानी, पहाड़ एवं धरती सभी का सम्मान करते थे और उनकी पूजा करते थे। इस देश में जो आया उसी ने इसे लूटा-यहाँ जो विदेशी व्यापारी आये उनको लगा कि यहाँ तो थोड़ा छल-कपट, लोभ-लालच एवं थोड़ी ताकत दिखाकर अच्छी-खासी लूट की जा सकती है। क्योंकि उस वक्त यह देश धन-धान्य से लबालब था। उन्होंने लूटपाट की एवं शनै-शनै इस देश के कुछ-कुछ हिस्सों पर अपना शासन भी स्थापित कर लिया। अरब के रेगिस्तान से कुछ भूखे, जाहिल, आततायी लोग आए और उन्होंने भी लूटमार और अत्याचार किए। उन्होंने हमारे मन्दिर तोड़े, हमारी स्त्रियों से बलात्कार किये, लेकिन हमने क्या किया ? हम कुछ भी नहीं कर पाये। वे दिन में विवाह में लूटपाट करते। जवान लड़कियों को उठा ले जाते। लिहाजा कमज़ोर होते भारतीय बचपन में ही लड़कियों की शादियां करने लगे। अगर उसमें ही असुरक्षा हो तो बेटी पैदा होते ही मार देते थे। पढ़ने-लिखने में यह बुरा लगता है। लेकिन यही हमारी सच्चाई थी।

हमने 1000 सालों की दुर्दशा से कुछ नहीं सीखा। उल्टे आज हमारी जनसंख्या का एक हिस्सा उन्हीं अरबी अत्याचारियों को अपना पूर्वज मानने लगी है। कुछ उन इसाइयों को अपना पूर्वज मानने लगी है.... यानि हम स्वाभिमानहीन लोग हैं, स्वतंत्रता मिलने पर भी हम मानसिक गुलाम ही रहे। रुढ़ व्यवस्थाओं का मंथन नहीं करते हम-दूसरी तरफ हमारी व्यवस्थाएं भी सड़ी हुई हैं। हम ऊंच-नीच, छोटे-बड़े, जातिगत एवं सम्प्रदायगत भेदभाव में उलझे हुए हैं। हम छोटी-छोटी बातों पर आपस में लड़ना शुरू कर देते हैं। हमारे लिए हमारे देश की एकता एवं अखंडता प्राथमिकता पर नहीं है। हमारा समाज सिर्फ़ व्यक्तिगत स्वार्थ-साधना पर ही चल रहा था और आज भी चल रहा है। हमने इन सभी नाकामियों का कभी मंथन ही नहीं किया। हमारे ऊपर जब आक्रमण हो रहे थे और हम जब एक युद्धकाल से गुज़र रहे थे, हमारी बहुसंख्यक जनसंख्या इस मानसिकता में थी कि ''कोउ नृप होय हमें का हानि''! मतलब उनको युद्ध से, राज्य से, राजा से कोई मतलब नहीं था। ये सब बस क्षत्रिय के काम थे। उनको करना है तो करें, नहीं करना तो नहीं करें। यही कारण था कि मुस्लिम आक्रमण से राजस्थान क्षेत्र छोड़कर समस्त भारत धराशायी हो गया था, क्योंकि राजस्थान में क्षत्रिय जनसंख्या अधिक थी तो संघर्ष करने में सफल रहे। ऐसे ही कुछ क्षेत्र और थे जो इसमें सफल हुए।

करोड़ों भारतीयों को चंद आतताइयों ने गुलाम बनाया-कभी कभी विचार आता है कि 1500 ई. के बाद के ब्रिटिश कितने साहसी और बुद्धिमान रहे होंगे, जिन्होंने एक ठण्डे प्रदेश से निकलकर, अनजान रास्ते और अनजान जगहों पर जाकर लोगों को गुलाम बनाया। अभी भी देखा जाए तो ब्रिटेन की जनसंख्या और क्षेत्रफल

गुजरात के बराबर है लेकिन उन्होंने दशकों नहीं शताब्दियों तक दुनिया को गुलाम रखा। भारत की करोड़ों की जनसंख्या को मात्र कुछ लाख या हज़ार लोगों ने गुलाम बनाकर रखा और केवल गुलाम ही नहीं बनाया बल्कि खूब हत्याएं और लूटपाट की। उन्हें अपनी कौम पर कितना गर्व होगा कि उनके मुट्ठी भर लोग दुनिया को नाच नचाते रहे। भारत के एक जिले में शायद ही 50 से ज़्यादा अंग्रेज रहे होंगे, लेकिन लाखों लोगों के बीच अपनी धरती से हज़ारों मील दूर आकर अपने से संख्या में कई गुना अधिक लोगों को इस तरह गुलाम रखने के लिए अद्भुत साहस रहा होगा। हमारे लोगों ने हमें ही निशाना बनाया- अगर इतिहास देखते हैं तो पता चलता है कि उनके पास हम पर अत्याचार करने के लिए लोग भी नहीं थे तो उन्होंने हममें से ही कुछ लोगों को भर्ती किया था, हम पर अत्याचार करने के लिए, हमें लूटने के लिए। सोचकर ही अजीब लगता है कि हम लोग अंग्रेजों के सैनिक बनकर, अपने ही लोगों पर अत्याचार करते थे। चंद्रशेखर, बिस्मिल जैसे मात्र कुछ गिनती के लोग थे, जिन्हें हमारा ही समाज हेय दृष्टि से देखता था। आज वही नपुंसक समाज उन चन्द लोगों के नाम के पीछे अपना कायरतापूर्ण इतिहास छुपाकर झूठा दम्भ भरता है। अन्य देशों से नहीं ले पाये सबक- आज इजराइल बुरी तरह शत्रुओं से घिरा हुआ है लेकिन सुरक्षित है क्योंकि वहाँ के प्रत्येक व्यक्ति की देश और धर्म की सुरक्षा की ज़िम्मेदारी है, लेकिन हमने यह कार्य केवल क्षत्रियों पर छोड़ दिया था, जबकि फौज में भी युद्ध के समय माली, नाई, पेंटर, रसोइया आदि सभी लड़ाका बनकर तैयार रहते हैं। हमने युद्धकाल में भी परिस्थितियों को नहीं समझा और अपनी योजनाएं नहीं बनाईं, अपनी व्यवस्थाएँ नहीं बदलीं। डॉ. अम्बेडकर जी का यह कथन सोचने पर मजबूत कर देता है कि यदि समाज के एक बड़े वर्ग को युद्ध से दूर नहीं किया गया होता तो भारत कभी गुलाम नहीं बनता।

दुर्भाग्य पीछा नहीं छोड़ता-ज़रा विचार करके देखिए कि मुस्लिमों एवं अंग्रेजों से जिस तरह क्षत्रिय लड़े, अगर पूरा हिन्दू समाज क्षत्रिय बनकर लड़ा होता तो क्या हम कभी गुलाम हो सकते थे ? सामान्य परिस्थिति में समाज को चलाने के लिए उसको वर्गीकृत किया ही जाता है लेकिन विपत्तिकाल में नीतियों में परिवर्तन भी किया जाता है, लेकिन हम इसमें पूरी तरह नाकाम रहे। इसलिए 1000 सालों से दुर्भाग्य हमारे पीछे

पड़ा है। अटल जी एक भाषण में कहते हैं कि एक युद्ध जीतने के बाद जब 1000 अंग्रेजी सैनिकों ने विजय जुलूस निकाला था, तो सड़क के दोनों तरफ 20000 भारतीय उनको देखने आए थे। अगर ये 20000 लोग उनको घेरकर पत्थर-डण्डे से भी मारते तो 1000 सैनिकों को वहीं मार देते, लेकिन ये 20 हजार लोग केवल युद्ध के मूकदर्शक थे। आज भी कुछ ख़ास नहीं बदला। मुगलों और अंग्रेजों का स्थान एक ख़ास जमात ने ले लिया है जो अपने आपको सेकुलर के रूप में पेश करते हुए ख़तरनाक गद्दारों की फौज पैदा कर रहा है। लेकिन सबसे बड़ी विडंबना यह है कि हम आज भी बंटे हुए हैं। 100 करोड़ होकर भी मूकदर्शक बने हुए हैं। भले ही कुछ लोग कुछ जागृति पैदा करने में सफल हुए हों, परन्तु बिना सम्पूर्ण जागृति इस देश के दुर्भाग्य का अन्त नहीं होगा।युवा शक्ति भारत को बनाएगी विश्वगुरु- वक़्त है सम्भलने का, उठकर खड़े होने का, यह शताब्दी हमारी है। इस समय भारत में लगभग 55 करोड़ युवा हैं। हम विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी का देश हैं।

हमें सिर्फ़ इन युवाओं को ठीक से आज के ज़माने की शिक्षा एवं प्रशिक्षण देकर उनमें अपने देश के प्रति स्वाभिमान, अपने महापुरुषों, अपनी सभ्यता और संस्कृति पर गर्व का भाव, देश एवं समाज के प्रति कुछ कर गुज़रने की उद्दात्त भावना भर देनी है। उसे सम्पूर्ण विश्व में एक कुशल पेशेवर के रूप में फैला देना है, फिर देखिए हमारे देखते-देखते भारत विश्वगुरु का स्थान फिर हासिल कर लेगा। यह बात मैं सिर्फ़ भावनावश नहीं कह रहा हूँ। यह बात में प्रमाणों के साथ कह रहा हूँ। हमारी युवा आबादी का 0.1 प्रतिशत से भी कम युवा विदेश गया। वहां उसने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। आज पूरे विश्व में भारत के पेशेवरों को पूर्ण सम्मान के साथ देखा जाता है। वे जिस कम्पनी में जाते हैं सफल होते हैं, कम्पनी को सफलता के नये आयाम पर पहुँचाते हैं और अपने भारत देश का परचम लहराते हैं। आज भारत का पूर्णतया शिक्षित एवं प्रशिक्षित युवा विश्व में सबसे ज़्यादा पसन्द किया जाता है। हमारे पास तकरीबन 20 वर्ष का समय है, जिसमें हम विश्वभर में छा सकते हैं। अपने भारत को विश्वगुरु के स्थान पर फिर पहुंचा सकते हैं। जब हम एक बार मानसिक, शारीरिक और आर्थिक रूप से एक व्यक्ति, समाज एवं राष्ट्र के रूप में मजबूत होंगे, आत्मनिर्भर होंगे, ऋणमुक्त होंगे तो हमारे साथ ग़ैर हिन्दू ज़ातियां भी स्वत: जुड़ेंगी क्योंकि वह भी अन्ततोगत्वा हमारे भाई ही हैं। कालान्तर में मजबूरी में, लोभ-लालच में या सुरक्षा के डर से उन्होंने अपनी पूजा पद्धति बदली है। उनका और हमारा डी.एन.ए. एक ही है। उन्हें फिर वापस हमारे पास ही आना है, इसलिए हमें अपने इतिहास से सबक लेकर बेकार के झगड़ों में न पड़ते हुए अपने आपको अपने समाज और अपने देश को मजबूत बनाने के काम में लग जाना चाहिए। इसी में सबका भला है।

नहीं है अब समय कोई
गहन निद्रा में सोने का।
समय है एक होने का,
न मतभेदों में खोने का।
समुन्नत एक हो भारत यही उद्देश्य है अपना,
स्वयं अब जागकर
हमको जगाना देश है अपना।

(लेखक मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति हैं।)

राज्यसभा: बहुमत के लिए भाजपा को करना होगा 3 साल इंतजार

भारतीय जनता पार्टी लम्बे समय से राज्यसभा में शतक लगाने का इंतजार कर रही है। हालांकि इसके लिए उसे कम से कम तीन वर्ष तक और प्रतीक्षा करनी पड़ेगी। संसद के इस उच्च सदन में 239 सदस्य हैं। वर्तमान में भाजपा 94 सदस्यों के साथ सदन में सबसे बड़ी पार्टी है।

गौरव शर्मा

मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ विधानसभा के गत नवम्बर-दिसम्बर में सम्पन्न विधानसभा चुनावों में केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की शानदार जीत के बावजूद राज्यसभा में उसके सदस्यों की संख्या इतनी नहीं बढ़ पाएगी कि उच्च सदन में बहुमत मिल सके।

राज्यसभा में इन तीन राज्यों की कुल 26 सीटें हैं। इनमें मध्य प्रदेश से सबसे ज्यादा 11, राजस्थान से 10 और छत्तीसगढ़ से पांच सीटें शामिल हैं। वर्तमान में मध्य प्रदेश से राज्यसभा की आठ सीटों पर भाजपा और तीन पर कांग्रेस का कब्जा है। राजस्थान में छह सदस्य कांग्रेस के और चार भाजपा के हैं। वहीं, छत्तीसगढ़ में चार सीटों पर कांग्रेस और एक सीट पर भाजपा काबिज है। तीनों राज्यों की कुल 26 राज्यसभा सीटों पर भाजपा और कांग्रेस दोनों दलों के पास बराबर 13-13 सांसद हैं।

भाजपा लंबे समय से राज्यसभा में शतक लगाने का इंतजार कर रही है। हालांकि इसके लिए भाजपा को अब भी कम से कम तीन साल इंतजार करना पड़ेगा। राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के चुनावी नतीजे के बाद बने समीकरण के मुताबिक कुल 26 सीटों में कांग्रेस के कब्जे वाली नौ-दस सीटें भाजपा के पास आ जाएंगी। हालांकि, कांग्रेस के कब्जे वाली इन सभी सीटों में 2024 में एक सीट, 2026 में पांच सीटें और साल 2028 में बाकी सीटें खाली होगीं। इन तीनों राज्यों से राज्यसभा की सीटें हासिल कर अपनी ताकत बढ़ाने और शतक लगाने के लिए भाजपा को कम से कम 2026 तक इंतजार करना पड़ेगा।

इस साल राज्यसभा में 69 सीटें खाली होंगी। इनमें से 56 सीटें लोकसभा चुनाव से पहले, अप्रैल में ही रिक्त हो जाएंगी। संसद के उच्च सदन में 239 सदस्य हैं। वर्तमान में भाजपा 94 सदस्यों के साथ उच्च सदन में सबसे बड़ी पार्टी है। भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के पास अभी 108 सांसद हैं। उसके बाद 30 सदस्यों के साथ कांग्रेस और 13 सदस्यों के साथ तृणमूल कांग्रेस क्रमश: दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं।

संविधान के मुताबिक भारत की संसद के ऊपरी सदन राज्यसभा की वास्तविक सदस्यता 245 सदस्यों तक सीमित की गई है। इनमें से 233 सदस्यों को राज्यों और तीन केंद्रशासित प्रदेश की विधानसभा के सदस्यों द्वारा चुना जाता है। राष्ट्रपति द्वारा कला, साहित्य, ज्ञान और सेवाओं में योगदान करने वाले 12 सदस्यों को नामित किया जाता है। सदस्य छह साल के कार्यकाल के लिए मनोनीत होते हैं। इनमें से एक तिहाई सदस्य हर दो साल में सेवानिवृत्त हो जाते हैं और उनकी जगह नए सदस्य मनोनीत किए जाते हैं।

उच्च सदन में भाजपा के 30 सीटें बरकरार रखने की संभावना है, जो अगले साल अप्रैल में खाली हो जाएंगी। कांग्रेस अपनी सीटें बरकरार रखेगी। उसे तेलंगाना से अतिरिक्त दो सीटें मिलेंगी। तेलंगाना में कांग्रेस ने बीआरएस को हराकर विधानसभा चुनाव जीता है। जिन सदस्यों का कार्यकाल अप्रैल में पूरा होगा उनमें पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से, पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव मध्य प्रदेश से धर्मेन्द्र प्रधान और राज्य मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला गुजरात से शामिल हैं।

भाजपा को राजस्थान और छत्तीसगढ़ से अधिक सीटें मिलेंगी, जिन राज्यों में वह विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को हटाकर सत्ता में आई है। पार्टी को अतिरिक्त सीटें बाद के वर्षों में मिलेंगी। राज्यसभा में आम आदमी पार्टी और द्रमुक के 10-10 सदस्य हैं, जबकि बीजू जनता दल और वाईआरएस कांग्रेस पार्टी के नौ-नौ सदस्य हैं। बीआरएस के उच्च सदन में सात सदस्य हैं, राष्ट्रीय जनता दल के छह और जनता दल (एकी) और भाजपा (एम) के पांच-पांच सदस्य हैं। राज्यसभा में जहां उत्तर प्रदेश से सबसे ज्यादा 31 सीटें, तेलंगाना से सात और छत्तीसगढ़ से पांच सीटें हैं।

भीलवाड़ा जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि.
सरस
सरस अपनाओ, सेहत पाओ
Celebrating
51
Years
ANNIVERSARY
100 %
Milk Fat
The Quality
You Can Trust
शुद्ध ताजा
और स्वादिष्ट
KESAR
PISTA
SHRIKHAND
दही
ताजा दही
मावा कुल्फी
पनीर
ताजा छाछ
आईस्क्रीम
फ्लेवर्ड मिल्क
Butter
मावा
राजभोग
pure cow ghee
घी

रामलला की छवि निहार धन्य हुआ संसार

रघुकुल तिलक सुजन सुखदाता, आयउ कुसल देव मुनि त्राता

प्रशांत अग्रवाल

भारत सहित विभिन्न देशों में बसे हिन्दुओं का करीब 500 साल पुराना सपना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सानिध्य में अयोध्या में 22 जनवरी को श्री रामलला प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा के साथ पूरा हो गया। इस सपने की बुनियाद हिंदू समुदाय के इस दावे ने डाली थी कि मुगल आक्रांता बाबर के सिपहसालार मीर बाकी ने 1528 में अयोध्या में जिस स्थल पर मस्जिद का निर्माण करवाया था, वह भगवान राम की जन्मभूमि है। मुस्लिम पक्ष ने इसका विरोध करते हुए अपने पक्ष की पैरोकारी की। विवाद सिविल और हाई कोर्ट से होकर सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों, मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई, जस्टिस अब्दुल नज़ीर, जस्टिस अशोक भूषण, जस्टिस एस.ए.बोवड़े और जस्टिस डीवाई चन्द्रचूड़ ने 9 नवम्बर 2019 को करीब डेढ़ सौ साल से चल रहे इस मामले से जुड़े कई मुद्दों की सुनवाई के बाद निस्तारण करते हुए 6 दिसम्बर 1992 को जिस स्थल पर मस्जिद का ढांचा गिराया गया, उसे साक्ष्यों के आधार पर वहां कभी राम मंदिर होना माना और हिन्दुओं के पक्ष में फैसला दिया। प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में मुख्य यजमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दोनों हाथों में चांदी का छत्र और श्री रामलला के लिए ज़रीदार लालवेष चांदी के थाल में उठाए मंदिर में प्रवेश किया। यजमान के रूप में अनिल मिश्र पहले से मौजूद थे। मुझे अनेक श्रद्धालुओं और संतों से मिलने का मौका मिला। उनके अनुसार उन्होंने अपने जीवन में ऐसा भव्य और अद्भुत महोत्सव आज तक नहीं देखा। प्राण-प्रतिष्ठा के दौरान कई श्रद्धालुओं और साधु-संतों की आंखें छलक रही थीं। समारोह में अतिथि के रूप में आरएसएस के सर संघचालक मोहन भागवत, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ थे । प्राण-प्रतिष्ठा के दिन पौष मास के शुक्ल पक्ष की द्वादशी, अभिजीत मुहूर्त, सर्वार्थ सिद्धि योग, अमृत सिद्धि योग और रवियोग था। जो हर दृष्टि से मंगलकारी है। इस दिन देश के हर कौने में आयोजन हुए। पूरा देश राममय हो गया। दीवाली से भी बढ़कर माहौल था। दोपहर 2:29:08 से 12:30:32 बजे के बीच 84 सेकेंड के महूर्त के दौरान स्वर्ण सिंहासन पर बिराजे श्री रामलला विग्रह के ह्वदय स्थल पर आचार्य सुनील दीक्षित तथा अन्य आचार्यों द्वारा बीज मत्रों के पाठ के बीच यजमान अनिल मिश्र और पेजावर मठ के स्वामी विश्व प्रसन्न तीर्थ ने दो फीट लम्बी सोने की छड़ी रखी। इसके बाद ऋृष्यादि न्यास पाठ के साथ प्राण स्थिरीकरण का अनुष्ठान पूरा हुआ। समारोह में साधु-संत, कारसेवक व उनके परिवार, फिल्म कलाकार, उद्योगपति, राजनेता, व विभिन्न क्षेत्रों के

महत्वपूर्ण व्यक्तियों सहित करीब 8000 श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चम्पतराय ने मंदिर निमार्ण में लगे शिल्पकारों सहयोगियों व उपहार भेट करने वालों के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने शिल्पकारों पर पुष्प बरसा कर उनका आभार व्यक्त किया और आग्रह किया कि शेषकार्य को पूरी गती के साथ शीघ्र पूर्ण करें। प्राण-प्रतिष्ठा के बाद समारोह को सम्बोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया आज की तारीख की हजारों साल बाद भी चर्चा करेगी। काल के चक्र पर धर्म, अध्यात्म और संस्कृति की सर्वकालिक स्मृति रेखाएं अंकित हो चुकी हैं। भारत की आत्मा के कण-कण से जुड़े हैं- राम। वे आग नहीं ऊर्जा है, विवाद नहीं समाधान हैं वे हमारे ही नहीं सबके हैं। वे अनंत हैं। राम भारत का विधान हैं, भारत की चेतना हैं। हम आज उनसे क्षमाप्रार्थी भी हैं, हमारी त्याग, तपस्या और पुरूषार्थ में ही कहीं कोई कमी रह गई, जिसकी वजह से सदियों तक यह काम नहीं हो पाया। लेकिन आज उनके श्री विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद मुझे लगता है, समय ने करवट ली है और आगे के सारे काम शुभ होने वाले हैं। प्रधान मंत्री ने उन कार सेवकों व तपस्वियों को श्रद्धासुमन अर्पित किए जिन्होंने राम के काम को पूरा करने के लिए जीवन की आहुति दे दी। समारोह को मोहन भागवत और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी सम्बोधित किया। समारोह के दौरान मैने रामरस जीवन को निरंतर प्रवाहित होते देखा जो सदियों तक इसी तरह प्रवाहित होता रहेगा।

(लेखक को भी इस उत्सव का हिस्सा बनने का सौभाग्य मिला।)

राम जन्मभूमि मंदिर में खास

- मंदिर परंपरागत नागर शैली में बना है।
- मंदिर की लंबाई (पूर्व से पश्चिम) 38 फुट, चौड़ाई 25 फुट व ऊंचाई 161 फुट है।
- मंदिर तीन मंजिला है। हर मंजिल 2 फुट ऊंची है। कुल 392 खंभे व 44 द्वार हैं।
- मुख्य गर्भगृह में श्रीराम का बालरूप (श्री रामलला सरकार का विग्रह) और प्रथम तल पर श्रीराम दरबार है।
- पांच मंडप-नृत्य, रंग, सभा, प्रार्थना व कीर्तन मंडप है। खंभों व दीवारों पर देवी, देवता व देवांगनाओं की मूर्तियां हैं।
- प्रवेश पूर्व दिशा के सिंहद्वार से वृद्धों व दिव्यांगों के लिए रैंप व लिफ्ट। मंदिर के चारों ओर आयताकार परकोटा। लंबाई 732 मीटर।
- परकोटे के कोनों पर सूर्यदेव, मां भगवती, गणपति व शिव को समर्पित मंदिरों का निर्माण होगा। मां अन्नपूर्णा व हनुमानजी के मंदिर भी होंगे।
- मंदिर के समीप पौराणिक काल का सीताकूप। मंदिर परिसर में महर्षि वाल्मीकि, वशिष्ठ, विश्वमित्र, अगस्त्य, निषादराज, ,माता शबरी व ऋषि पत्नी देवी अहिल्या का मंदिर

राम... यहां कुछ नहीं था, तब भी थे। यहां सबकुछ है तब भी हैं और यहां जब प्रलय हो जाएगा, तब भी रहेंगे। कहते हैं कि मन्वंतरों के बाद जब प्रलय होता है, अंधेरा और जल के सिवा कुछ नहीं बचता, ये जब-जब क्रमानुसार आता है तब भी तो कोई रहेगा तो ये रामतत्व ही रहेगा। ऐसे भगवान राम के मंदिर की पूर्णता पर मैं पुनः एक बार इस सत्य, प्रेम और करूणा के यज्ञ में आहुति देनेवाले जन-जन से लेकर आखिरी व्यक्ति तक सबको साधुवाद देता हूं।

***-मोरारी बापू,** (समारोह में मौजूद आध्यात्मिक गुरू और राम कथाकार)*

रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह का न्योता द्वारा ठुकराए जाने पर पार्टी के ही एक वरिष्ठ नेता ने इन भावों के साथ अपनी प्रतिक्रिया दी।

राम मंदिर और भगवान राम सबके हैं। मंदिर और उसकी प्राण-प्रतिष्ठा के आयोजन को भाजपा, संघ, विहिप अथवा बरजंग दल का मान लेना दुर्भाग्यपूर्ण है। कांग्रेस न राम विरोधी है और न हिंदू विरोधी है। कुछ लोग हैं, जिन्होंने इस तरह का फैसला कराने में भूमिका अदा की। ये बड़ा गंभीर विषय है। इस फैसले से मेरा ही नहीं असंख्य कांग्रेस कार्यकर्ताओं का दिल टूट गया है। निमंत्रण को स्वीकार न करना दुखद, पीड़ादायक है। कांग्रेस नेता राजीव गांधी ने ही मंदिर के ताले खुलवाने का काम किया था।

-आचार्य प्रमोद कृष्णम

उदयपुर (राज.) पीयूष प्रतापसिंह ने सोने की अति सूक्ष्म राम मंदिर प्रतिकृति बनाई है। यह महज 0.3 सेमी (3 एमएम) की है, जिसका वजन मात्र 00.0200 एमएल है। इसे बनाने में 28 दिन लगे। वे इसे अयोध्या के राम मंदिर में समर्पित करेंगे।

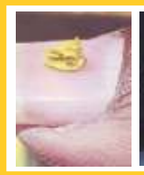

उदयपुर के सूक्ष्म पुस्तिका निर्माता चंद्र प्रकाश चित्तौड़ा ने रामलला मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा पर कुछ सूक्ष्म पुस्तिकाओं का निर्माण किया है। जिनमें श्री राम के जीवन आदर्शों उनके संघर्षों, मर्यादाओं व सिद्धांतों को समाहित किया गया है। 108 राम-नाम सहित- श्री राम सेतु पर भी आकर्षक पुस्तिका तैयार की गई है।

ऑयल एंड सीड्स मर्चेंट कार्यकारिणी ने ली शपथ

उदयपुर। श्री उदयपुर ऑयल एंड सीड्स मर्चेंट्स एसोसिएशन की नव निर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह, वरिष्ठ व्यवसायी सम्मान व कैलेंडर विमोचन समारोह गत दिनों संपन्न हुआ। कार्यक्रम में उप महापौर और अध्यक्ष चेंबर ऑफ कॉमर्स उदयपुर डिवीजन पारस सिंघवी, सचिव कृषि उपज मंडी समिति मदनलाल गुज्जर, प्रवक्ता एवं महासचिव राजस्थान कांग्रेस कमेटी पंकज शर्मा, अध्यक्ष व्यापार मंडल संजय भंडारी, अध्यक्ष श्री दाल चावल व्यापार संघ उदयपुर गणेशलाल अग्रवाल थे। कार्यक्रम की शुरुआत वरिष्ठ व्यवसायियों के सम्मान से हुई। जिसमें शहर के कस्तूरचंद सिंघवी, शिवकुमार बापना, पुष्कर अग्रवाल, जयंतीलाल जैन, प्रतापराय चुघ, पुरुषोत्तम साहू सहित 17 वरिष्ठ व्यापारियों का सम्मान किया गया।

शिवजी बाफना

पुष्कर अग्रवाल

पुरुषोत्तम साहू

कस्तूरचंद सिंघवी

अशोक कोठारी

अनिल कुमार जैन

अर्जुन जैन

हरीश साहू

चिराग बंसल

गुलाब अग्रवाल

प्रतापराय चुघ

सुंदर साहू

रोशनलाल जैन

भोगीलाल भदावत

शांतिलाल गन्ना

तारावंद सिंघवी

रामकृष्ण गुप्ता

गणेशलाल मेहता

बुधरलाल कालरा

कन्हैयालाल साहू

जयंतीलाल जैन

सिंघवी ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को शपथ दिलाई। संगठन के सदस्यों द्वारा वर्ष 2024 के कैलेंडर का विमोचन किया। कार्यक्रम में एसोसिएशन अध्यक्ष अशोक कोठारी, सचिव अनिल जैन, उपाध्यक्ष अर्जुन जैन ने विचार व्यक्त कर व्यापारियों की समस्याओं से अवगत कराया। कोषाध्यक्ष चिराग बंसल ने एसोसिएशन का इतिहास बताया। धन्यवाद सह सचिव हरीश साहू ने जताया।

अर्थ की डॉ. दीपासिंह दिल्ली में सम्मानित

उदयपुर। दिल्ली में केन्द्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री एसपी बघेल ने अर्थ की डायरेक्टर डॉ. दीपा सिंह को एक्सिलेंस इन क्लिनिकल कॉस्मेटोलॉजी एंड मेडिकल लेजर अवार्ड से सम्मानित किया। उन्हें यह अवार्ड क्लिनिकल कॉस्मेटोलॉजी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रदान किया गया। डॉ. दीपासिंह ने विगत दो वर्षों में दस हजार से भी अधिक व्यक्तियों का सफलता पूर्वक मेडिकल लेजर और कॉस्मेटोलॉजी द्वारा इलाज किया। उन्होंने मुख्यतया लेजर हेयर रिमूवल, एंटीएजिंग, पिग्मिेटेशन हटाना, मेलासमा, फेस लिफ्टिंग, मुंहासे और मुंहासे के दाग हटाने इत्यादि में सेवाएं प्रदान की। डॉ. दीपा को पहले भी कॉस्मेटोलॉजी तथा लेजर के क्षेत्र में वर्ल्ड रिकॉर्ड प्राप्त करने का गौरव हासिल हुआ है। महाराष्ट्र के राज्यपाल ने गत वर्ष भी उन्हें लेजर क्वीन की उपाधि से सम्मानित किया था।

माया को मिस फ्रेशर का ताज

उदयपुर। अरिहंत महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में गत दिनों आयोजित फ्रेशर पार्टी में माया रेगर को मिस फ्रेशर चुना गया। जया गमेती व सारिका पाटीदार रनरअप रहीं। जिनकी ताजपोशी संस्थापक संचालक डॉ. देव कोठारी ने की। निदेशक मयंक कोठारी, प्राचार्य डॉ. धर्मेन्द्र नागदा ने भी उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित की। संचालन दीप्ति पालीवाल व आभार ज्ञापन गरिमा नागदा ने किया। छात्राध्यापिकाओं राजनंदिनी भाटी, रूचि पांचाल, ज्योत्सना पटेल, सारिका, चंदा प्रजापत, विभाश्री पाटीदार, ललिता कंवर की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को सराहा गया।

चायल बने उपमुख्यमंत्री बैरवा के विशेष सहायक

उदयपुर। शहर के उदयपुर विकास प्राधिकरण के विशेषाधिकारी पद पर कार्यरत राजस्थान प्रशासनिक सेवा के अधिकारी सावन कुमार चायल को उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा का विशिष्ट सहायक बनाया गया है।

सर्दी में पांच का उपयोग बड़ा मुफीद

डॉ. शिखा शर्मा

सर्दी में अनेक लोगों को कई तरह की समस्याएं होने लगती हैं। किसी को शरीर पर खुजली होती है, तो किसी को सर्दी-जुकाम। कुछ लोगों को अवसाद घेर लेता है। ऐसे में खानपान और अनुशासन की भूमिका अहम हो सकती है। इस मौसम में हमें गर्म और ताजा भोजन तो खाना ही चाहिए, साथ ही इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि हम न तो बहुत ज्यादा सोएं और न ही बहुत कम। औसतन 7 घंटे की नींद होनी चाहिए। यह करने के अलावा अगर हम कुछ खास चीजों का भी सेवन करें तो तमाम तरह की समस्याओं से सुरक्षित हो जाएंगे :

1. हल्दी पाउडर : इसे ठंड के मौसम में लेने से यह इम्युन सिस्टम को मजबूत और पेंक्रियाज की फंक्शनिंग को बेहतर करता है। इससे कफ को कम करने में मदद मिलती है। ठंड के दिनों में जोड़ो में दिक्कत भी काफी बढ़ जाती है। जोड़ों की कोशिकाओं को नरम हल्दी करती है जिससे चलने-फिरने में समस्या काफी कम हो जाती है।

लेने का तरीका : आधा से एक चौथाई टी-स्पून हल्दी पाउडर गुनगुने पानी के साथ दिन में दो बार।

2. अदरक : यह शरीर को अंदर से गर्म कर फेफड़ों से कफ को कम करता है। ऐसे में जिन लोगों को कफ और सर्दी-खांसी की समस्या होती है, उनके लिए यह काफी फायदेमंद होता है। ठंड के दिनों में कुछ लोगों का हाजमा भी खराब रहता है। अदरक हमारी पाचनक्षमता को भी बढ़ाकर हाजमे को दुरूस्त रखता है।

लेने का तरीका : एक कप गुनगुने पानी में एक टी-स्पून कीसा हुआ अदरक मिला लें। इस पानी को छानकर नाश्ते और डिनर से 30 मिनट पहले पिएं।

3. तुलसी : सर्दी के दिनों में श्वास की बीमारियां भी बढ़ जाती हैं। इनके उपचार में तुलसी की पत्तियां काफी उपयोगी साबित हो सकती हैं। यह कफ को दूर कर सांस लेने की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाती है।

लेने का तरीका : एक गिलास पानी में तुलसी की 10 से 12 पत्तियां और गुड़ मिलाकर आधा होने तक उबालें। बाद में गुनगुना होने पर इसमें एक चम्मच शहद मिला लें। इसे रोजाना सुबह या शाम को लें।

4. पिपली पाउडर : ठंड के मौसम में सर्दी-जुकाम बना रहता है तो पिपली पाउडर भी एक विकल्प हो सकता है। यह हमारी श्वास नली से बलगम और अन्य टॉक्सिन्स को हटाता है।

लेने का तरीका : रोजाना रात को सोने से पहले एक चौथाई चम्मच पिपली पाउडर को एक चम्मच शहद के साथ गुनगुने पानी में मिलाकर लें।

5. नीम : ठंड के मौसम में खुजली की समस्या खून में विकार की वजह से होती है। नीम का नियमित सेवन करने से खून साफ होता है और खुजली की समस्या दूर होती है। यह त्वचा को भी स्वस्थ बनाए रखता है। सभी तरह के पित्त और कफ के शमन के लिए भी उपयोगी है।

लेने का तरीका : चूंकि नीम काफी कड़वा होता है। इसलिए इसे ऐसे ही खाना मुश्किल होता है। इसके कैप्सूल मिलते हैं। रोजाना सुबह-शाम गुनगुने पानी से नीम कैप्सूल लिया जा सकता है।

(लेखिका डाइट एंड वेलनेस एक्सपर्ट हैं)

मोबाइल रेडिएशन से करें अपना बचाव

मोबाइल फोन के बढ़ते इस्तेमाल का असर सेहत पर भी पड़ रहा है। विशेषज्ञों की मानें तो मोबाइल फोन से रेडिएशन से डीएनए तक प्रभावित हो रहा है। मौजूदा समय में मोबाइल फोन जरूरत भी है, पर इसके कुप्रभावों से खुद को कैसे बचाएं, बता रही हैं -विनीता झा. ।

आज मोबाइल फोन हमारी बुनियादी जरूरत बन गए हैं। यहां तक किउनसे नुकसान के बारे में जानते हुए भी हम स्वयं को बचा नहीं पा रहे हैं। मोबाइल फोन रेडिएशन हमारे स्वास्थ्य पर तरह-तरह से प्रभाव डालता है, जिसमें से कुछ परेशानियां शारीरिक हैं और कुछ मानसिक। दुनिया भर में मोबाइल रेडिएशन से इंसान ओर पर्यावरण पर होने वाले नुकसान पर कई शोध चल रहे हैं। एक तथ्य जो सामने आया है, उसके मुताबिक सड़क या खुली जगह पर मोबाइल फोन के इस्तेमाल से ज्यादा बुरा असर घर और दफ्तर में मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने से होता है। इसका कारण है कि घर में इस्तेमाल होने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और मोबाइल रेडिएशन मिलकर शरीर पर दोगुना बुरा प्रभाव डाल रहे हैं।

कारण

घरों और दफ्तरों में इस्तेमाल किये जाने वाले कंप्यूटर, टीवी, रेडियो एफएम, हीटिंग-लाइटिंग लैंप, माइक्रोवेव, ओवन और आसपास से गुजर रही बिजली की लाइनें भी कई तरह की तरंगें पैदा करती हैं। जब हम ऐसी जगहों पर मोबाइल से बात करते हैं तो मोबाइल से निकलने वाला रेडिएशन इन तरंगों से मिलकर हमारे शरीर पर दोगुना नकारात्मक प्रभाव डालता है। बात जितनी लंबी होगी, नकारात्मक प्रभाव भी उतना ही ज्यादा होगा। इनसे होने वाले दुष्प्रभावों के कारण शरीर में ऑक्सीडेंट्स की मात्रा बढ़ जाती है। थकावट, सिरदर्द, अनिद्रा, कानों में घंटियां बजने, जोड़ों में दर्द और याददाश्त कमजोर होने जैसी समस्याएं सामने आती हैं और कई मामलों में यह आपके डीएनए पर भी असर करता है। एक अध्ययन से पता चला है कि मोबाइल फोन और उसके टावरों से निकलने वाला रेडिएशन पुरूषों की प्रजनन क्षमता पर असर डालने के अलावा शरीर की कोशिकाओं के डिफेंस मैकेनिज्म को नुकसान पहुंचाता है। जो लोग मोबाइल पर लंबी बातें करते हैं, उनमें ब्रेन टयूमर की आशंका अन्य लोगों के मुकाबले कई गुना बढ़ जाती है। इससे निकलने वाली रेडिएशन मस्तिष्क पर गहरा असर डालती है।

मोबाइल फोन रेडिएशन से बच्चों और किशोरों की याददाश्त पर भी बुरा असर पड़ सकता है। हालिया अध्ययन के अनुसार, एक साल की अवधि तक मस्तिष्क का बहुत अधिक मोबाइल फोन से जुड़े रहना किशोरों में दृश्यों और चित्रों को याद रख सकने की क्षमता पर बुरा असर डालता है। ऐसा रेडियो फ्रिक्वेंसी इलेक्ट्रोमैग्नेटिक फील्ड से अधिक संपर्क रहने के कारण होता है।

रेडिएशन से कैसे बचें ?

- लंबी बातचीत के लिए कभी भी हैंडसेट का इस्तेमाल सीधे ना करें। आप ईयरफोन का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा ब्लू टूथ डिवाइस का इस्तेमाल भी किया जा सकता है। यह सुविधाजनक भी होते हैं। इनका इस्तेमाल करने से रेडिएशन का खतरा कम हो जाता है।
- कभी भी उस समय मोबाइल फोन से बात ना करें, जब नेटवर्क काफी कमजोर हो। इस दौरान आपके मोबाइल से काफी रेडिएशन निकलती है। फोन पर लंबी बातचीत करने से बचें। अगर आपको किसी से लंबी बातचीत करनी भी हो, तो लैंडलाइन का इस्तेमाल करें या फिर आप उनसे मिल लें।
- रात को सोते समय कभी भी फोन को अपने पास ना रखें। इसके अलावा सुबह के समय अलार्म के लिए अलार्म घड़ी का इस्तेमाल करें।
- अगर आप लंबे समय तक व्यस्त हैं तो बीच-बीच में फोन को एरोप्लेन मोड में रख लेते हैं। ऐसा करने से मोबाइल रेडिएशन से बच सकते हैं।
- जेब की बजाय मोबाइल फोन को अपने हैंडबैग में रखें। यह कम हानिकारक होगा।

मैसेज करने से बेहतर है कि आप फोन पर बात कर लें।

हार्दिक श्रद्धांजलि

हमारे पूजनीय

श्री उग्रसिंह जी गोरवाड़ा, एडवोकेट

(पुत्र स्व. श्री चतरसिंह जी गोरवाड़ा)

निधन: 9 जनवरी 2024

आपके आदर्श और मार्गदर्शन ही हमारे प्रेरणा स्रोत हैं,
आपका आशीर्वाद एवं पुण्य स्मरण हमारी शक्ति है,
आपके दिव्य चरणों में शत्-शत् नमन्।

शोकाकुल

राजीव–साधना, संजीव–रक्षा (पुत्र–पुत्रवधु),
मंजू–महेश राठौड़ (पुत्री–दामाद) एवं समस्त गोरवाड़ा परिवार

प्रतिष्ठान : गोरवाड़ा केमिकल इण्डस्ट्रीज, उदयपुर

प्रत्यूष

छोटा-बड़ा पर्दा भी राममय

साल 2024 और 2025 में फिल्मी दुनिया, ओटीटी, और टेलीविजन हर जगह जय श्रीराम का नारा गूंजेगा। टीवी पर जहां कई धारावाहिक रामायण, बजरंगबली, मां सीता पर प्रस्तुत हो रहे हैं। वहीं, 2024 में कई फिल्में ऐसी बन रही हैं जो रामायण व महाभारत पर आधारित हैं। इसके अलावा ओटीटी पर भी रामायण से संबंधित कई वेब श्रृंखला 2024 में आने वाली हैं। सोशल मीडिया के युग में पौराणिक कथाओं में दर्शकों की रूचि आश्चर्यजनक है। ऐसे में कहना गलत न होगा कि भारत का बच्चा-बच्चा, जय-जय श्रीराम बोलेगा।

आरती सक्सेना

अक्षय कुमार की बड़े बजट की फिल्म 'रामसेतु' और प्रभास की 'आदि पुरूष' की अपार असफलता के बावजूद 2024 में कई ऐसी पौराणिक फिल्में बन रही हैं जिनका बजट 500 से 1000 करोड़ के करीब है। इतना ही नहीं छोटे पर्दे पर भी भव्य तरीके से पौराणिक धारावाहिकों का प्रसारण हो रहा है। ओटीटी पर भी पौराणिक कथाओं पर आधारित वेब श्रृंखलाओं का आगमन हो रहा है।

पौराणिक कथाओं का वर्चस्व

यह कहना गलत ना होगा की पौराणिक धारावाहिकों को हमेशा ही पसंद किया गया है। इसी कारण सोनी एंटरटेनमेंट चैनल पर भव्य अंदाज में पिछले माह श्रीमद् रामायण धारावाहिक का आगमन हुआ है। वही कलर्स चैनल पर 'शिव शक्ति तप त्याग तपस्या' जो 2023 में बहुत लोकप्रिय रहा, वही अब 2024 में भी अच्छी रेटिंग के साथ प्रसारित हो रहा है। शेमारू टीवी पर 'कर्म फल शनि' प्रसारित हो रहा है। इसी पर तुलसी धाम के लड्डू गोपाल भी प्रसारित हो रहा है। वहीं डिज्नी प्लस हॉटस्टार 'द लीजेंड आफ हनुमान' के दो संस्करणों की सफलता के बाद अब तीसरा संस्करण भी लेकर आ रहा है। इसके अलावा महाभारत पर एक भव्य श्रृंखला भी चल रही है।

इस नववर्ष (2024) के प्रारंभ से ही अयोध्या में जय श्रीराम के नारे गूंज रहे हैं। वहीं बालीवुड में भी पौराणिक फिल्मों का निर्माण जोर शोर से चल रहा है। जिसमें एसएसएमबी 29 फिल्म का निर्देशन एसएस राजामौली करने जा रहे हैं। फिल्म का बजट 800 करोड़ का है। राजामौली के निर्देशन में बनी इस फिल्म में महेश बाबू बजरंगबली से प्रेरित किरदार में नजर आएंगे। फिल्म की नायिका दीपिका पादुकोण हैं।

निर्देशक नितेश तिवारी रामायण ट्रिलोजी लेकर आ रहे हैं। जिसका बजट 700 से 800 करोड़ के बीच में है। नितेश तिवारी की रामायण श्रीडी होगी जो तीन भागों में बनेगी। इस फिल्म में जहां रणबीर कपूर राम के किरदार में नजर आएंगे वहीं दक्षिण के अभिनेता यश रावण के किरदार में नजर आने वाले हैं। इसके अलावा भक्त कन्नाप्पा पौराणिक फिल्म में प्रभास महादेव के किरदार में नजर आएंगे। यह फिल्म पूरे भारत में प्रदर्शित होगी। विवेक अग्निहोत्री भी नई फिल्म ला रहे हैं। ये फिल्म एसएल भैरप्पा की किताब 'पर्व' पर आधारित होगी। निर्देशक आदित्य धरण अल्लू अर्जुन अभिनीत अश्वत्थामा का निर्माण कर रहे हैं जिसका बजट 500 करोड़ है। निर्देशक मधु मंटेना फिल्म द्रोपदी बना रहे हैं, जिसकी नायिका दीपिका पादुकोण है।

अपराजित अयोध्या राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद पर आधारित फिल्म में कंगना रनौत मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। 'ब्रह्मास्त्र' का अगला भाग भी 2024 में प्रदर्शित होगा। निर्देशक शशांक खेतान, वरुण धवन, सारा अली खान के साथ 'रणभूमि' फिल्म बना रहे हैं जो पौराणिक कथा पर आधारित है। इसके अलावा हजार करोड़ के बजट में बन रही फिल्म महाभारत में रजनीकांत, प्रभास, आमिर खान, दीपिका पादुकोण, रितिक रोशन अभिनय करते नजर आएंगे। वासु भगनानी के पूजा एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन में शुरू हो रही फिल्म महाभारत पर आधारित है।

www.rkivf.com
info@rkivf.com
उम्मीद खो चुकी महिलाओं को आज गर्व है, अपने माँ बनने पर
ब्लास्टोसिस्ट कल्चर जैसी अत्याधुनिक तकनीक से उम्मीद खो चुकी महिलाएं भी माँ बन रही हैं
टेस्ट ट्यूब बेबी
ब्लास्टोसिस्ट
कल्चर
RK IVF
15 फरवरी 2024 से पहले रजिस्ट्रेशन कराने पर
टेस्ट ट्यूब बेबी / IVF प्रक्रिया अब
₹15,000/-
(Medicine Consumables cost Extra. T&C Apply)
HELPLINE NO. 08107099997
07742799997, 0294-6950097
INFINIUM
आर.के. हॉस्पिटल एवं टेस्ट ट्यूब बेबी सेन्टर
5–ए, मधुबन, बिजली विभाग खिड़की के सामने, उदयपुर–313001 (राजस्थान)
बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान में सहयोग करें। भ्रूण लिंग परीक्षण करवाना जघन्य अपराध है, यह कार्य हमारे यहां नहीं किया जाता है।

पोषण देगा पालक

ठंड का मौसम यानी बाजार में हरी पत्तेदार सब्जियों की भरमार। उनमें से ही एक है, हरा-हरा पालक। इसे क्यों अपनी डाइट में शामिल करना है जरूरी, बता रही हैं-रिया शर्मा।

हम जो भी खते हैं, उसका हमारी सेहत से सीधा संबंध होता है। अगर हम खानपान अच्छा और संतुलित रखेंगे। तो सेहतमंद रहेंगे और अगर बुरा खाएंगे, तो हमारी सेहत भी हमारा साथ नहीं देगी। इसलिए भारत में पारंपरिक रूप से सेहतमंद भोजन को बहुत महत्व दिया गया है। ग्रामीण इलाकों में आज भी आपको खानपान से जुड़ी कई कहावतें और दोहे सुनने को मिल जाएंगे। हम आपको एक ऐसी ही सेहतमंद चीज के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसका नाम है, पालक। उत्तर भारत में पालक को साग की श्रेणी में रखा जाता है। इस हरी पत्तेदार सब्जी यानी साग के अद्भुत औषधीय गुण होते हैं। अगर आप इसे अपनी और पूरे परिवार की थाली में नियमित रूप से शामिल करेंगी। तो परिवार में सबकी सेहत पर इसका स्पष्ट सकारात्मक प्रभाव देखने को मिलेगा, क्योंकि यह कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है। आप पालक को साग के रूप में खा सकती हैं तो इसे कई दूसरी सब्जी के साथ भी पका सकती हैं। इसके अलावा इसे सलाद और सूप में भी प्रयोग कर सकती हैं। आप पालक की प्यूरी बनाकर इसे आटे के साथ गूंद सकती हैं। पालक को और भी कई तरीकों से आप अपने परिवार की डाइट का हिस्सा बना सकती हैं। यह विटामिन-ए, विटामिन-सी तथा विटामीन-के और मैग्नीशियम, आयरन तथा मैगनीज जैसे पोषक तत्वों से भरपूर होता है। यह आंखों की सेहत बेहतर करता है, ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करता है और ब्लडप्रेशर को भी कम करता है। अगर आपको या आपके परिवार में किसी को इसका स्वाद बहुत पसंद नहीं है, तो भी इसे खाने की आदत डालिए।

आंख व इम्यून सिस्टम का दोस्त

पालक में बीटा कैरोटिन, जीएक्सोटिन, ल्यूटिन और क्लोरोफिल होते हैं, जो आंखों की रोशनी को बेहतर बनाते हैं और रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत बनाते हैं। ल्युटिन और जीएक्सॉटिन मेकुला में जाकर स्टोर होते हैं, जो रेटिना का एक हिस्सा होता है। रेटिना एक प्राकृतिक सनब्लॉक के रूप में काम करता है यानी आखों को नुकसान पहुंचाने वाले प्रकाश से उनका बचाव करता है। इससे मेकुला के खराब होने का खतरा कम होता है। यही वजह है कि हरी पत्तेदार सब्जियां खाने की सलाह हमें बचपन से दी जाती है। विटामीन-ए सभी प्रकार के शारीरिक ऊतकों, जिसमें बाल और त्वचा भी शामिल हैं, के विकास के लिए बहुत अच्छा होता है। अगर आपको अपने बालों की सेहत को ठीक रखना है, उन्हें गिरने से बचाना है और इन्फेक्शन के जोखिम से बचाना है, तो पालक को नियमित रूप से अपनी डाइट का हिस्सा बनाइए।

बैक्टीरिया व वायरस का दुश्मन: पालक में विटामिन-ए भरपूर मात्रा में होता है। इससे हमारी त्वचा और म्यूकस झिल्ली को असरदार तरीके से विभिन्न प्रकार के बेक्टीरिया और वायरस को दूर भगाने में मदद मिलती है। इसके अलावा विटामीन-ए सीबम के उत्पादन के लिए आवश्यक होता है, जो बालों में नमी बरकरार रखता है।

दील की सेहत का रखवाला : पालक में प्रचुर मात्रा में पाया जाने वाला विटामीन-सी झुरियों को रोकने की अपनी क्षमता के लिए जाना जाता है और नेत्र रोगों, प्रसव-पूर्व स्वास्थ्य समस्याओं और कार्डियोवस्कुलर रोगों से हमारा बचाव करता है। पालक में ल्यूटिन भी मौजूद होता है, जो धमनियों की दीवारों को अधिक मोटा होने से बचाता है, इसके परिणामस्वरूप हार्ट अटैक का खतरा कम होता है। इसके अलावा, पालक में नाइट्राइट भी होता है, जो न केवल दिल के दौरे से बचाव में मददगार होता है, बल्कि वसा जमा हो जाने की वजह से होने वाले हृदय रोगों के उपचार में भी मदद करता है।

ऊर्जा की नहीं होगी कमी : पालक आपके शरीर के लिए आवश्यक मैग्नीशियम के स्तर को बनाए रखने वाले आवश्यक तत्वों की पूर्ति करता है, जिससे आपको दैनिक कार्यों को करने के लिए जरूरी ऊर्जा उत्पन्न करने में मदद मिलती है। पालक फोलेट का भी बेहतरीन स्त्रोत है। फोलेट एक ऐसा पोषक तत्व है, जो भोजन को उपयोगी ऊर्जा में परिवर्तन करने में हमारे शरीर की मदद करता है। साथ ही, अगर आपके शरीर में क्षार (एल्कलाइन) की मात्रा अच्छी व संतुलित हो, तो इससे आप पूरा दिन ऊर्जा से भरपूर रहेंगी। पालक एक ऐसी सब्जी है, जो प्राकृतिक रूप से क्षारीय होती है।

हड्डिया बनेंगी मजबूत : पालक विटामिन-के का बहुत समृद्ध स्त्रोत है। विटामिन-के शरीर में ऑस्टियोकेल्क नाम के प्रोटिन के निर्माण को बढ़ाने में मददगार होता है। ऑस्टियोकेल्क हड्डिया में कैल्शियम के स्थायीकरण यानी टिके रहने के लिए जिम्मेदार होता है। इसके अलावा, इसमें कैल्शियम व विटामिन-डी, डायट्री फाइबर, पोटैशियम, मैग्नीशियम और विटामीन-सी भी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। ये सभी पोषक तत्व हड्डियों की सेहत के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं।

चित्तौड़गढ़ अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लि.

प्रधान कार्यालय-केशव माधव सभागार, तृतीय तल एनसीएम सिटी, चित्तौड़गढ़, 8003590333

डॉ. (सीए) आई.एम. सेठिया
अध्यक्ष

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

शिवनारायण मानधना
उपाध्यक्ष

वन्दना वजीरानी
प्रबंध निदेशक

- Mobile Banking, IMPS & UPI
- Physical to Digital Banking
- Debit Card
- Educational Loan, House Loan, Vehicle Loan, All Business Loan

उपर्युक्त सुविधाओं के साथ त्वरित समस्त बैंकिंग सुविधा

मियादी जमाओं पर अधिकतम ब्याज दरें, ऋणों पर न्यूनतम ब्याज दर के साथ सरलतम प्रक्रिया। एक बार सेवा का मौका अवश्य दे, इन सुविधाओं की जानकारी के लिए अपनी निकटतम शाखा में संपर्क करे। संचालक मण्डल के सदस्य : रणजीत सिंह नाहर, राधेश्याम आमेरिया, बालकिशन धूत, वृद्धिचन्द कोठारी राजेश काबरा, सीए दिप्ती सेठिया, कल्याणी दीक्षित, बाबरमल मीणा, हरिश चन्द्र आहूजा, हेमन्त कुमार शर्मा, सीए नीतेश सेठिया एवं समस्त अरबन बैंक परिवार। प्रबंधन मण्डल : सीए दिनेश कुमार सिसोदिया, प्रबंधन मण्डल अध्यक्ष एवं निदेशक आदित्येन्द्र सेठिया, शान्तिलाल पुंगलिया, नरेन्द्र चोरड़िया एवं अंकिता जैन, सदस्य। शाखाएं : चित्तौड़गढ़, चन्देरिया, बेगूं, निम्बाहेड़ा, कपासन, बडीसादड़ी, प्रतापगढ़।

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

तारा संस्थान के निःशुल्क आँखों के अस्पताल

उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई, फरीदाबाद, लोनी (गाजियाबाद)

निःशुल्क नेत्र जाँच व निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन फेको पद्धति द्वारा

तारा नेत्रालय के ओ.पी.डी. (आउटडोर पेशेंट युनिट) का दृश्य

अन्तर्गत : तारा संस्थान, उदयपुर

236, हिरण मगरी, सेक्टर 6 (जे.बी. हॉस्पीटल के पास वाली गली), उदयपुर 313002 (राज.)
मो. +91 9549399993, 9649399993, Website : www.tarasansthan.org

ढोकले तरह-तरह के

सर्दी के मौसम में बनने वाले ढोकले स्वादिष्ट होने के साथ-साथ पौष्टिक भी होते हैं। प्रस्तुत है झटपट बनने वाले ढोकलों की विधि।

कला केडिया

फ्राइड ढोकला

सामग्री: बेसन–200 ग्राम, नमक–एक छोटा चम्मच, हल्दी–1/2 छोटा चम्मच, हरी मिर्च और अदरक का पेस्ट–एक छोटा चम्मच, फ्रूट सॉल्ट–एक छोटा चम्मच ।

फ्राई करने के लिए: टमेटो सॉस–एक कप, लाल मिर्च– 1/2 छोटा चम्मच, आमचूर–एक छोटा चम्मच, राई–1/2 छोटा चम्मच, तेल–एक बड़ा चम्मच, नमक– 1/2 छोटा चम्मच, गरम मसाला–1/2 छोटा चम्मच ।

यूं बनाएं : बेसन को गाढ़ा घोल कर 20 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर इसमें सारी सामग्री मिलाकर फ्रूट सॉल्ट डालकर तुरंत खमण के सांचे में डालकर 15 मिनट के लिए पकाएं। ठंडा होने पर पीस काट लें।

फ्राई करना: कड़ाई में तेल डालें। इसमें राई डालें, राई चटकने पर फ्राई करने वाली सारी चीजें डाल दें। अब ढोकले के पीस मिला दें। चाट मसाला डालकर सर्व करें।

मिक्स दाल-ढोकला

सामग्री: चने की दाल–1/2 कप, मूंग की धुली दाल–1/2 कप, उड़द की दाल–1/2 कप, लाल मसूर की दाल–1/2 कप, हल्दी– 1/2 छोटा चम्मच, नमक–एक छोटा चम्मच, हरी मिर्च और अदरक का पेस्ट–एक छोटा चम्मच, नींबू का रस–2 छोटा चम्मच, फ्रूट सॉल्ट–एक छोटा चम्मच ।

तड़का लगाने के लिए: तेल– एक बड़ा चम्मच, राई–1/2 छोटा चम्मच, हरी मिर्च के टुकड़े–3 से 4, चीनी–एक छोटा चम्मच, नींबू का रस– एक छोटा चम्मच, नमक– 1/2 छोटा चम्मच, हरा धनिया– थोड़ा सा पानी आवश्यकतानुसार ।

यूं बनाएं: दालों को भिगोकर पीस लें। फिर इन्हें दो घंटे के लिए छोड़ दें। उसके बाद उसमें फ्रूट सॉल्ट डालकर तुरंत ढोकले बनाएं। बीस मिनट तक पकाएं।

तड़का बनाना: एक बरतन में तेल डालें। हरी मिर्च और राई डालें। जैसे ही राई चटकने लगे, उसमें दो कप पानी डालें और फिर चीनी, नींबू, नमक डालकर उबाल लें। ढोकले को थाली में डालें। ऊपर से तड़का डालें ।

राजमा ढोकला

सामग्री: बेसन–200 ग्राम, राजमा पिसा हुआ–एक कप, नमक–एक छोटा चम्मच, हरी मिर्च और अदरक का पेस्ट–एक छोटा चम्मच, फ्रूट सॉल्ट–एक छोटा चम्मच ।

तड़का लगाने के लिए: तेल–एक बड़ा चम्मच, राई–1/2 छोटा चम्मच, हरी मिर्च के टुकड़े–3 से 4, चीनी– एक छोटा चम्मच, नींबू का रस–एक छोटा चम्मच, नमक– 1/2 छोटा चम्मच, हरा धनिया, पानी–आवश्यकतानुसार ।

यूं बनाएं: बेसन को गाढ़ा घोलकर 20 मिनट के लिए छोड़ दें और फिर बाकी सामग्री डालकर फ्रूट सॉल्ट डालकर तुरंत पकाने रखें। ठंडा होने पर पीस काट लें ।

तड़का बनाना: एक बरतन में तेल डालें। हरी मिर्च और राई डालें। जैसे ही राई चटकने लगे, उसमें दो कप पानी डालें और फिर चीनी, नींबू, नमक डालकर उबाल लें। ढोकले को थाली में डालें। ऊपर से तड़का डालें ।

गाजर ढोकला

सामग्री: सूजी–एक कप, चावल का आटा–एक कप, गाजर कद्दूकस की हुई–एक कप, नमक– एक छोटा चम्मच, चीनी– 1/2 छोटा चम्मच, नींबू का रस–एक छोटा चम्मच, हरी मिर्च और अदरक का पेस्ट–एक छोटा चम्मच, फ्रूट सॉल्ट–एक छोटा चम्मच, हरा धनिया ।

यूं बनाएं: सूजी और चावल के आटे का गाढ़ा घोल बनाकर आधा घंटे के लिए छोड़ दें। उसके 9 बाद उसमें फ्रूट सॉल्ट छोड़कर बाकी सारी सामग्री डालकर पांच मिनट के लिए रख दें। फिर फ्रूट सॉल्ट डालकर ढोकले बनाएं।

तड़का लगाने के लिए: तेल– एक बड़ा चम्मच, राई– 1/2 छोटा चम्मच, हरी मिर्च के टुकड़े 3 से 4, चीनी– एक छोटा चम्मच, नींबू का रस– एक छोटा चम्मच, नमक– 1/2 छोटा चम्मच, हरा धनिया – थोड़ा सा बारीक कटा हुआ, पानी–आवश्यकतानुसार ।

तड़का बनाना: एक बरतन में तेल डालें। हरी मिर्च और राई डालें। जैसे ही राई चटकने लगे, उसमें दो कप पानी डालें और फिर चीनी, नींबू, नमक डालकर उबाल लें। ढोकले को थाली में डालें। ऊपर से तड़का डालें।

पालक-खमण ढोकला

सामग्री: सूजी–200 ग्राम, पालक का पेस्ट–एक कप, नमक–एक छोटा चम्मच, हरी मिर्च और अदरक का पेस्ट–एक छोटा चम्मच, फ्रूट सॉल्ट–एक छोटा चम्मच ।

तड़का लगाने के लिए: तेल–एक बड़ा चम्मच, राई– 1/2 छोटा चम्मच, हरी मिर्च के टुकड़े–3 से 4, चीनी–एक छोटा चम्मच, नींबू का रस–एक छोटा चम्मच, नमक–1/2 छोटा चम्मच, हरा धनिया–थोड़ा सा, पानी–आवश्यकतानुसार ।

यूं बनाएं: सूजी को घोलकर 20 मिनट के लिए छोड़ दें। मिश्रण की सारी सामग्री मिलाएं। बाद में फ्रूट सॉल्ट मिलाकर खमण के सांचों में डालकर 15 मिनट तक पकाएं।

तड़का बनाना: एक बरतन में तेल डालें । हरी मिर्च और राई डालें। जैसे ही राई चटकने लगे, उसमें दो कप पानी डालें और फिर चीनी, नींबू, नमक डालकर उबाल लें। ढोकले को थाली में डालें। ऊपर से तड़का डालें ।

दी डूंगरपुर सेन्ट्रल को-ऑपरेटिव बैंक लि., डूंगरपुर

प्रधान कार्यालय : न्यू कॉलोनी, डूंगरपुर– 314001

स्थापना: 1958 रजिस्ट्रेशन नं. 121 जे

गणतंत्र दिवस पर बैंक की ओर से समस्त सम्मानित ग्राहकों व प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

- समस्त शाखाएं कोर बैंकिंग सुविधायुक्त
- आरटीजीएस/एनईएफटी/एसएमएस अलर्ट/लॉकर्स सुविधाएं उपलब्ध
- मुख्यमंत्री ब्याज मुक्त फसली ऋण योजना/राजस्थान ग्रामीण परिवार आजीविका ऋण योजना (2 लाख तक शून्य प्रतिशत ब्याज)/विभिन्न ऋण योजनाएं
- 5 लाख तक की जमाएं DICGC द्वारा बीमित

बैंक के समस्त खाताधारक खातों के निर्बाध संचालन हेतु नजदीकी शाखा से सम्पर्क कर आरबीआई नियमानुसार केवायसी पूर्ण करावें।

हमारी शाखाएं: सिटी शाखा डूंगरपुर, सायंकालीन डूंगरपुर, सागवाड़ा, खड़गदा, सीमलवाड़ा, धम्बोला, आसपुर, साबला एवं कनबा

प्रबंधन निदेशक *अध्यक्ष*

VIJETA NAMKEEN PRODUCTS

Main Road Bhupalpura, Udaipur-313001, Rajasthan INDIA, Contact No. : 0294-2415817, Mob. : 09828555227
E-mail ID. : vijetanamkeen@gmail.com

प्रत्यूष

माहेश्वरी युवा संगठन

शपथ ग्रहण एवं संक्रांति उत्सव

उदयपुर। माहेश्वरी युवा संगठन की नव गठित कार्यकारिणी ने पिछले दिनों आयोजित समारोह में शपथ ग्रहण की। इस अवसर पर मकर संक्रान्ति खेल उत्सव भी मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि समाजसेवी निर्मला देवी व गोपाल काबरा थे।

अध्यक्षता अखिल भारतीय माहेश्वरी युवा संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री प्रदीप लड्ढा ने की। विशिष्ट अतिथि उपखण्ड अधिकारी रमेश बहेड़िया, विधायक ताराचंद जैन एवं नगर निगम निर्माण समिति के अध्यक्ष आशीष कोठारी थे। संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री प्रदीप लड्ढा ने बच्चों को सामाजिक परम्पराओं में संस्कारित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि समाज की ओर से वर्ष 2030 तक सिविल सर्विसेज में समाज की 100 प्रतिभाओं के चयन के अभियान में अपना योगदान सुनिश्चित करें। उन्होंने बच्चों के विवाह सही समय पर कराने का आग्रह किया। अतिथियों ने नगर माहेश्वरी युवा संगठन की नवगठित कार्यकारिणी को शपथ दिलाई। अध्यक्ष मंयक मुन्दड़ा, महामंत्री सौरभ कचौरिया, कोषाध्यक्ष अर्चित पलोड़, संगठन मंत्री आशीष मुन्दड़ा, उपाध्यक्ष दर्शन असावा, धीरज धुप्पड़, सुदर्शन लड्ढा, मयंक दिलीप मुन्दड़ा, दीपक लड्डा, संयुक्त महामंत्री पुनीत हेड़ा, मंत्री अभिषेक तोषनीवाल, यश असावा, लक्षित मुन्दड़ा, विपुल मालपानी, सांस्कृतिक मंत्री अर्पित कालानी, संयुक्त सांस्कृतिक मंत्री हिमांशु न्याती, आई.टी.प्रभारी दौनित मुत्था एवं मीडिया प्रभारी पद पर राघव मंडोवरा ने शपथ ली।

इनका हुआ सम्मान

समारोह में संरक्षक रमेश असावा, जानकीलाल मुन्दड़ा, देवेन्द्र मालीवाल, डॉ. धनश्याम राठी, मोहनलाल देवपुरा, अशोक बाहेती, बी.एल.बाहेती, नारायण असावा, पियुष मुन्दड़ा, मनीष बाहेती, जमनेश धुप्पड़, अश्विनी बहेड़िया, राजेश मुन्दड़ा, दिनेश देवपुरा, राजेश तोषनीवाल, प्रदीप कचौरिया, सुशीला जागेटिया का अभिनन्दन किया गया।

खेलकूद

मकर संक्रान्ति उत्सव के तहत बालीवाल, सतौलिया, रिले रेस, 100 मीटर दौड़ सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। दस वर्षीय भूमिका ईनाणी, सालेरा ने विभिन्न योगासनों का प्रदर्शन किया।

रिपोर्ट: सौरभ कचौरिया

MIRANDA SR. SEC. SCHOOL

An English Medium Co-educational School

ADMISSIONS OPEN

FOR PLAYGROUP TO IX & XI

2024-25

Honorable Education Minister Of Rajasthan - MR. B.D. KALLA
Felicitated MR. DILIP SINGH YADAV (Director - Miranda Sr. Sec. School)

- Experienced & Quality Teachers
- Focus On Communication Skills
- 24x7 CCTV Surveillance
- Safe Drinking Water
- Holistic Development of Students
- Scholarship To Meritorious Students

Enroll Now

www.mirandaschool.org Hiran Magri, Sec.-5, Udaipur (Raj.) 9414546333

बारह भावों में बुध के अलग-अलग फल

डॉ. संजीव कुमार शर्मा

ग्रहों के युवाराज बुध ग्रह के बारह भावों में अलग-अलग फल होते हैं-

प्रथम भाव : कारक या उच्च का हो तो व्यक्ति विद्वान, मधुर वचन बोलने वाला होगा। मारक हो तो शिक्षा अधूरी रह सकती है। व्यापार में कम लाभ।

द्वितीय भाव : कारक हो तो व्यक्ति धनवान, बुद्धिमान और कुशल वक्ता होगा। बैंक कर्मचारियों के लिए अच्छा। गुरू के साथ हो तो व्यक्ति कथा वाचक हो सकता है।

तीसरा भाव : कारक हो तो व्यक्ति शूरवीर, सामुद्रिक शास्त्र का ज्ञाता और बहुत यात्रा करता है। मारक हो तो भाई-बहनों से झगड़ा और भागदौड़ भरा जीवन।

चतुर्थ भाव : माता, वाहन प्रेमी और ज्योतिष का ज्ञान रखने वाला। नीच अथवा मारक हो तो माता को कष्ट या माता से झगड़ा। मकान खरीदने में कठिनाई होगी।

पंचम भाव : बहुत प्रतापी और विद्वानों द्वारा प्रशंसित। मधुरभाषी और कुशाग्र बुद्धि। मारक हो तो पेट का रोगी, क्रोधी स्वभाव। स्वास्थ्य की दिक्कत बनी रहेगी।

छठा भाव : क्रोधी, अभिमानी, आलसी, नीच हो तो पागल हो सकता है। वायु रोग या कब्ज से संबंधित बीमारियां होंगी।

सप्तम भाव : कारक हो तो बुद्धिमान, सुंदर, धनवान। पत्नी सुंदर। नीच या मारक हो तो झगड़ालू होगा। पति-पत्नी का विलासी स्वभाव होगा।

अष्टम भाव : कार्यों में अड़चन। ससुराल पक्ष से दिक्कत। व्यक्ति पराविद्या का शौकीन होगा। ऐसे व्यक्ति मनोरोगी होते हैं।

नवम भाव : कारक हो तो व्यक्ति भाग्यवान, विद्वान, तांत्रिक व धनवान होगा। मारक या नीच हो तो भाग्य में कमी। पिता बीमार-रहेंगे या पिता से झगड़ा रहेगा।

दशम भाव : कारक हो तो व्यक्ति विद्वान, बैंक का अधिकारी हो सकता है। मातृ-पितृ भक्त। तीव्र स्मरण शक्ति। नीच या मारक हो तो गलत तरीके से पैसा कमाए।

एकादश भाव : कारक हो तो स्वाभिमानी, उदार ह्रदय, शास्त्रों का ज्ञाता तथा दीर्घायु। मारक हो तो व्यक्ति झगड़ालू और कपटी होगा।

द्वादश भाव : व्यक्ति आलसी, क्रूर, विद्याहीन होगा। दूसरों का अपमान करेगा। असाध्य रोगों से परेशान रहेगा।

पाठक पीठ

प्रत्यूष के नए वर्ष का प्रथम अंक देश के पांच राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव परिणामों का विश्लेषण लेकर आया, अच्छा लगा। उम्मीद करनी चाहिए कि नई सरकारें पूर्ववर्ती सरकारों के निर्णय–नीतियों की समीक्षा कर जनता के हित में और अधिक चिंतन कर विकसित भारत के लक्ष्य में अपना योगदान सुनिश्चित करेंगी।

–कर्नल प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत, कुलपति, राजस्थान विद्यापीठ

महात्मा गांधी के निर्वाण पर धरमजीत जिज्ञासु का, मकर संक्रांति की परम्पराओं पर केन्द्रित, रेणु शर्मा का व भगवान पार्श्वनाथ के जन्म कल्याणक पर राकेश सिन्हा के आलेख के साथ विधानसभा चुनावों संबंधी जानकारी नए वर्ष के प्रथमांक की विशेषताएं रहीं।

– डॉ. प्रशांत अग्रवाल, डर्मोडेंट क्लिनिक, डायरेक्टर

अमित शर्मा का राजस्थान विधानसभा चुनाव के बाद नई सरकार के गठन और नए मुख्यमंत्री के शपथ समारोह का कवरेज अच्छा लगा। उम्मीद है कि नई सरकार अपने वादे जल्दी से जल्दी पूरा करेगी। महंगाई कम करना और कानून व्यवस्था में सुधार प्राथमिकता होनी चाहिए।

– सुनील पंचोरिया, नवनीत मोटर्स

प्रत्यूष के जनवरी 2024 के अंक में समाहित सामग्री को आद्योपांत पढ़ा। विधानसभा चुनावों की विश्लेषणात्मक जानकारी के साथ दुर्गाशंकर मेनारिया का सिलक्यारा (उत्तराखंड) सुरंग त्रासदी पर फोकस आलेख 'जीत ली जिंदगी की जंग' प्रेरक था।

– श्रवण सिंह राठौड़, सीईओ खनिज

'देवआनंद की फिल्मों के गीतों में जीवन दर्शन' एवं 'स्ट्रगलिंग एंड विनिंग इन लाइफ'

रमेशचन्द्र भट्ट द्वारा रचित 'देवआनंद की फिल्मों के गीतों में जीवन दर्शन' एवं दूसरी पुस्तक 'स्ट्रगलिंग एंड विनिंग' इन लाइफ को पढ़ा। देवआनंद जैसे बहुआयामी व प्रतिभाशाली कलाकार कभी मरते नहीं। उन्होंने सौ से अधिक फिल्मों में काम किया। जिनके माध्यम से वे 85 नायिकाओं के सम्पर्क में आए। उनके पांच सौ से अधिक गीत हैं, परंतु लेखक ने उनके सौ के लगभग गीतों की समीक्षा की है। उनके गीतों में प्रेम वेदना, आशा, रुठना, मनाना, वात्सल्य भक्ति आदि अनेक गुणों का समावेश है। अभिनेत्री सुरैया के साथ आकर्षण को प्रेम, प्रणय के अंजाम तक पहुंचाने के बावजूद भी वे इसे वैवाहिक जीवन में परिवर्तित नहीं कर सके। परंतु उन्होंने रोमांसिंग विद लाइफ में बहुत कुछ संदेश दिया है। अनेक गीतों के माध्यम से जैसे तुम मन की पीड़ा क्या

समझो, मेरी किस्मत ही सो गई, बर्बाद मेरी दुनिया, हाय री जुदाई की चोट बुरी, दिल चैन न पाए। ऐसी अनेक पंक्तियों में प्रगाढ़ प्रेम की आग प्रकट होती दिखाई देती है। लेखक ने मैं जिंदगी का साथ निभाता चला गया जैसे गीतों के माध्यम से देव आनंद के प्रेम प्रसंग को बहुत खुबसूरती से प्रस्तुत किया है। इनकी दूसरी पुस्तक में जीवन में संघर्षों से मुक्ति का समाधान है। इसके लिए व्यक्ति को स्वयं ही आगे आना होगा। उसका पॉजिटिव एट्टियूड ही उसे मंजिल तक पहुंचाएगा। मनुष्य के पास असीमित शक्तियां हैं जो उसकी कुछ करने की प्रतिबद्धता प्रकट करती है। वो क्या सोचता है, क्या करता है, उसकी अनेक अपेक्षाएं हैं। उनके लिए, शरीर को स्वस्थ रखने के लिए मन को प्रसन्न रखने के लिए उसका कैसा व्यवहार है। लेखक कहता है कि यदि मनुष्य गतिमान है तो उसका जीवन है। प्रतिदिन उसकी दिनचर्या, उसकी मनोवृत्ति उसके संबंध, उसमें बंधुत्व की भावना, संबंधों का विस्तार, तनाव से मुक्ति, अन्यों की सहायता के लिए तत्परता, शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सजगता एवं मधुर स्वभाव के साथ पढ़ने की प्रवृत्ति आदि ऐसे गुणों का समावेश हो जाए तो जीवन की सार्थक है। मैं भट्ट जी का इस लेखन के लिए अभिनंदन करता हूं। -***भंवर सेठ***

भगवान ने स्वीकारा दंड

भगवान श्रीवेंकटेश्वर को उत्तर भारतीय श्रद्धालु बालाजी कहते हैं। उनका मंदिर आंध्र प्रदेश में हैं। भगवान के मुख्य दर्शन तीन बार होते हैं। पहला दर्शन विश्वरूप दर्शन कहलाता है। यह प्रात: काल में होता है। दूसरा दर्शन मध्याह्न में तथा तीसरा दर्शन रात्रि में होता है। इन सामूहिक दर्शनों के अतिरिक्त अन्य दर्शन हैं। श्री बालाजी का मंदिर तीन परकोटों से घिरा है। इनमें गोपुर बने हैं, जिन पर स्वर्ण कलश स्थापित हैं। स्वर्णद्वार के सामने तिरूमहामंडपम् नामक मंडप है। एक सहस्त्रस्तंभ मंडप भी है। मंदिर के सिंह द्वार नामक प्रथम द्वार को पडिकावलि कहते हैं। इस द्वार के भीतर बालाजी के भक्त नरेशों एवं रानियों की मूर्तियां हैं। प्रथम द्वार तथा द्वितीय द्वार के मध्य की प्रदक्षिणा को सम्पडि-प्रदक्षिणा कहते हैं। इसमें 'विरज' नामक एक कुआं है। श्रीबालाजी की पूर्वाभिमुख मूर्ति है। भगवान की श्रीमूर्ति श्यामवर्ण की है। वे

शंख, चक्र, गदा, पद्म लिए खड़े हैं। यह मूर्ति लगभग सात फुट ऊंची है। भगवान के दोनों ओर श्रीदेवी तथा भूदेवी की मूर्तियां हैं। भगवान को चंदन और भीमसेनी कपूर का तिलक लगता है। भगवान के तिलक से उतरा यह चंदन यहां प्रसाद रूप में बिकता है। श्रद्धालु उसको अंजन के लिए ले जाते हैं। श्रीबालाजी की मूर्ति में एक स्थान पर चोट का चिह्न है। उस स्थान पर दवा लगाई जाती है। इस संबंध में एक कथा है। कहते हैं, एक भक्त प्रतिदिन नीचे से भगवान के लिए दूध ले आता था। वृद्ध होने पर, जब उसे आने में कष्ट होने लगा, तब भगवान स्वयं जाकर चुपचाप उसकी गाय का दूध पी आते थे। गाय को दूध न देते देखने का निश्चय किया और जब सामान्य मानव वेश में आकर भगवान दूध पीने लगे, तब उन्हें चोर समझ कर उसने डंडा मारा। उसी समय भगवान ने प्रकट होकर उसे दर्शन दिए और आशीर्वाद दिया। वही डंडा लगने का चिह्न मूर्ति में है।

डॉ. रवीन्द्र नागर

रामराज्य का स्वप्न करें साकार

स्वार्थ भरा जीवन क्या जीना, हँसकर समय बिताएँ।
नई उमंगे नये तराने, सीखें और सिखाएँ।।
छोड़ो कल की तुम बातों को, ये तो हुई पुरानी।
अब इतिहास रचें मिल करके, हो ये अमर कहानी।।

फूल खिले हर आँगन, मिले दो वक्त की रोटी।
मानवता को समझो भाई, रखो सोच मत छोटी।।
द्वेष भावना और हिंसा, तज दो ये दो राहें।
धर्म सनातन दीप जलाकर, फैलाओ तुम बाँहें।।

तप्त हृदय लेकर क्यों बैठे, जलते हैं अंगारे।
अपनेपन का मोल नहीं क्यों, हैं रिश्तों से हारे।।
करें माफ हम इक दूजे को, आओ गले लगाएँ।
मानव मन की इस बगिया को, मिल के हम महकाएँ।।

नहीं गाँठ पड़ने तुम देना, चलना सीधी रेखा।
रक्त रगों में इक सा बहता, ना करना अनदेखा।।
हम चौरासी भोग लिए अब, मानव तन है पाया।
रामराज्य फिर से लाना है, हमने स्वप्न सजाया ।।

प्रिया देवांगन 'प्रियू'
छत्तीसगढ़

प्रत्यूष

इस माह आपके सितारे

पं. शोभालाल शर्मा

मेष

आर्थिक दृष्टि से यह माह लाभदायक है, दूर की यात्रा संभव है। माह के मध्य में गले संबंधित समस्या हो सकती है, स्वास्थ्य ठीक रहेगा। संतान पक्ष से खुशी मिलें। जीवन साथ से आश्चर्यजनक लाभ मिलेगा। वरिष्ठजन के अनुभव से प्रगति की ओर कदम बढ़ाएंगे

वृषभ

स्थान परिवर्तन के योग हैं, जिससे लाभ भी मिलेगा। पारिवारिक माहौल खुशनुमा रहेगा, परिवार में कड़वाहट घोलने की नाकाम कोशिश के प्रति भी सचेत रहे। धैर्य से काम लेंवे। घर के वरिष्ठजनों की बात दिल को चुभेगी, लेकिन वह आपके हित में होगी। भाई–बहिनों से शुभ समाचार मिलेंगे।

मिथुन

राजकीय एवं शासकीय कार्यों में सफलता मिलेगी। कार्यालय में सकारात्मक वातावरण रहेगा, मान–सम्मान में वृद्धि होगी। व्यापार बढ़ाने कीओर बढ़ेंगे और यह सफल रहेगा। सुसमाचारों से पारिवारिक वातावरण खुशनुमा बनेगा।

कर्क

व्यापारिक गतिविधियां सामान्य रहेंगी, सेवारत जातकों को प्रतिभा दिखाने का अवसर प्राप्त होगा व आगे चलकर उनके अनुभव में नए आयाम जुड़ेंगे। दांतों से जुड़ी समस्या परेशान कर सकती है, यह माह स्वास्थ्य की दृष्टि से अनुकूल नहीं है। पुराने अटके कार्य बन सकते हैं।

सिंह

आर्थिक खर्चों में अचानक से वृद्धि तो होगी परंतु आय इसके अनुरूप नहीं होगी। कर्ज लेना पड़ सकता है। मानसिक तनाव से ग्रसित रहेंगे। नया काम मिल सकता है। इसमें पूर्ण मनोयोग से लगें, परंतु अचानक यात्रा का योग बनने से मन प्रसन्नचित रहेगा, सेहत अच्छी रहेगी।

कन्या

यह माह प्रेम प्रसंग की दृष्टि से उत्तम सिद्ध होगा, भाई एवं बहिन के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखे, नौकरी में पदोन्नति की संभावनाएं हैं या चर्चा चल सकती हैं। व्यापारी वर्ग को लाभ, व्यर्थ के खर्चों पर नियंत्रण आवश्यक है। बचत पर विशेष रूप से ध्यान देंवे।

तुला

पारिवारिक संबंधियों के साथ किसी निवेश में हाथ बढ़ा सकते हैं, किसी सहकर्मी के साथ विवाद संभव तथा साजिश के शिकार हो सकते है। कोई पुराना पारिवारिक विवाद खत्म होगा। ससुराल पक्ष से भी सहयोग मिलेगा। नई जिम्मेदारियों को वहन करने के लिए तैयार रहें।

इस माह के पर्व/त्योहार

2 फरवरी	माघ कृष्णा सप्तमी	श्री रामानंदाचार्य जयंती
9 फरवरी	माघ कृष्णा चतुर्दशी/अमावस्या	प्रयागराज स्नान मेला (मौनी अमावस्या)
14 फरवरी	माघ शुक्ल पंचमी	वसंत पंचमी/सरस्वती पूजन
16 फरवरी	माघ शुक्ल सप्तमी	श्री देव नारायण जयंती
19 फरवरी	माघ शुक्ल दशमी	छत्रपति शिवाजी जयंती
20 फरवरी	माघ शुक्ल एकादशी	बेणेश्वर मेला (आसपुर)
22 फरवरी	माघ शुक्ल त्रयोदशी	विश्वकर्मा जयंती/ गुरु गोरखनाथ जयंती
24 फरवरी	माघ शुक्ल पूर्णिमा	संत रविदास जयंती/ होलिका रोपण

वृश्चिक

व्यापारी वर्ग को हानि की संभावनाएं रहेगी। नौकरी पेशा जातक अपने वरिष्ठजनों को प्रसन्न रख पाएंगे एवं कुछ नया भी करेंगे। अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। घर वालों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। आपको झुठलाने की कोशिश होगी, लेकिन घबराएं नहीं।

धनु

यह माह आपको त्वचा संक्रमण एवं आंखों सं संबंधित तकलीफे दे सकता है। व्यापार के क्षेत्र में लाभ मिलेगा। ऋण से मुक्ति मिलेगी। घर–परिवार में धार्मिक अनुष्ठान भी संभव, राजकीय एवं शासकीय कार्यों में बाधाएं संभव, खर्चों पर नियंत्रण आवश्यक।

मकर

परिवार का वातावरण अधिक आनंददायक रहने वाला है। आपसी प्रेम बढ़ेगा एवं यात्रा पर जाने की योजना भी बन सकती है। विद्यार्थी वर्ग को अपना पुरुषार्थ दिखाना होगा। आज का निवेश दीर्घकालिक लाभ दिलाएगा। विरोध पक्ष प्रभाव डालने का यत्न करेगा।

कुम्भ

परिवार में वरिष्ठजनों का पूर्ण ध्यान रखें, बाहर न भेंजे। राजकीय कर्मियों का अपने सहकर्मियों से विवाद बढ़ सकता है। धैर्य रखें। राजनीति के क्षेत्र से अच्छे प्रस्ताव आएंगे, सावधानी रखे। यदि आप नौकरीपेशा हैं तो पूर्व योजना बनाकर कार्य सम्पादित करे।

मीन

अपने अहंकार को अपने पर हावी न होने देंवे, जिससे संबंधों में दूरियां आ जाए। हानि उठानी पड़ेगी। नौकरी में परेशानियां आ सकती हैं, परंतु धैर्य रखे। कार्यालय में आपके कार्य की प्रशंसा होगी एवं भरपूर सहयोग भी मिलेगा। परिस्थिति को देखते हुए व्यवहार करें लाभ में रहेंगे।

प्रत्यूष समाचार

ओसवाल सभा: नई कार्यकारिणी ने ली शपथ

उदयपुर। ओसवाल सभा उदयपुर की नव निर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण शुभ केसर गार्डन में हुआ। मुख्य अतिथि असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया सहित अन्य अतिथियों ने कार्यकारिणी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। समारोह में बतौर अतिथि राज्यसभा सांसद लहर सिंह सिरोहिया, राजसमंद विधायक दीप्ति किरण माहेश्वरी, बडी सादड़ी विधायक गौतम दक, सहाड़ा विधायक लादूलाल पितलिया, शहर विधायक ताराचंद जैन, उप महापौर पारस सिंघवी, कोटा रेंज के आईजी प्रसन्न खमेसरा, पाली कलेक्टर नमित मेहता, मुख्य वन संरक्षक आरके जैन, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष शांतिलाल चपलोत शामिल हुए। राज्यपाल कटारिया ने नव निर्वाचित अध्यक्ष प्रकाश कोठारी, सचिव आनंदीलाल बंबोरिया, उपाध्यक्ष डॉ. तुक्तक भाणावत, सहमंत्री मनीष नागौरी, कोषाध्यक्ष

फतहसिंह मेहता आदि को शपथ दिलाई। नव निर्वाचित अध्यक्ष कोठारी ने कहा कि समाज के प्रत्येक सदस्य को मुख्यधारा में जोड़ने के साथ त्रैमासिक बुलेटिन के माध्यम से समाज की गतिविधियां प्रकाशित की जाएंगी। उन्होंने सभी को समाज की मुख्य धारा से जुड़ने का आह्वान किया।

बड़ाला महोत्सव: कॉमर्स के टॉपर्स का सम्मान

उदयपुर। बड़ाला महोत्सव-2024 में वर्ष 2022-23 में कॉमर्स की विभिन्न परीक्षाओं में शीर्ष विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। निदेशक सीए राहुल बड़ाला ने बताया कि फाउंडर हिम्मत बड़ाला व चतर बड़ाला ने कार्यक्रम के अतिथियों विधायक तारांचद जैन, उपमहापौर पारस सिंघवी, यशवंत आंचलिया का स्वागत किया। कार्यक्रम में सीडलिंग स्कूल के चेयरमैन हरदीप बक्षी, रॉकवुड्स हाई स्कूल के निदेशक दीपक शर्मा, द स्कालर्स एरिना के निदेशक लोकेश जैन, सेंट एंथोनी स्कूल के प्राचार्य विलियम डिसूज़ा व सेंट मेरिज कानवेंट स्कूल की प्राचार्या सिस्टर अमिथा को शिक्षक शिरोमणि सम्मान दिया गया।

12 पुस्तकों का विमोचन

उदयपुर। विज्ञान समिति उदयपुर के डॉ. दौलतसिंह कोठारी सभागार में राष्ट्रीय साहित्यिक संस्था साहित्य सागर के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. ऋषि अग्रवाल सागर, झुंझुनूं द्वारा आठवें साहित्यिक महोत्सव का आयोजन हुआ। ऋषि अग्रवाल सागर ने 7 एकल संग्रह एवं 5 साझा संग्रह पुस्तकों का विमोचन किया। संचालन दीपा पंत शीतल ने किया।

राजानी बने पूज्य जैकबआबाद सिंधी पंचायत के अध्यक्ष

उदयपुर। पूज्य जैकबआबाद सिंधी पंचायत की बैठक में पंचायत के नए अध्यक्ष के रूप में सिंधी अकादमी के पूर्व अध्यक्ष हरीश राजानी को चुना गया। समाजजनों ने उनका माल्यार्पण कर अभिनंदन किया। झूलेलाल भगवान के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुई पंचायत बैठक में निवर्तमान अध्यक्ष प्रतापराय चुग ने सभी कार्यकारिणी सदस्य और समाजजनों का स्वागत किया। राजानी का कार्यकाल 2026 तक रहेगा। नवनियुक्त अध्यक्ष राजानी ने कहा कि नए आयाम तय करने का प्रयास किया जाएगा। समाज के नए भवन का निर्माण और युवाओं एवं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर समाज के मुरली राजानी, उमेश नारा, घनश्याम नाचानी, राजेश गोकलानी, कैलाश डेम्बला, भारत खत्री, गिरीश राजानी, सुरेश असनानी, मुकेश खिलवानी, भगवान दास छाबड़ा, राजेश चुग, हरीश सिधवानी, अभिषेक कालरा, मुकेश माधवानी, अमन असनानी, शैलेश कटारिया, रूपेश मेहता आदि उपस्थित रहे।

उदय अकादमी की राजस्थान इकाई का पुनर्गठन

उदयपुर। उदय अकादमी काउंसिल नागपुर द्वारा राजस्थान इकाई का पुनर्गठन किया गया। कार्यकारिणी में वीरभान अजवानी व हरीश राजानी प्रदेश सरंक्षक, रमेश दतवानी प्रदेशाध्यक्ष, रमेश लालवानी महासचिव व कमलेश राजानी को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया।

सावित्री बा फूले जयंती पर प्रतिभाओं का सम्मान

उदयपुर। ज्योति बा फूले टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज में ज्योति क्रांति सावित्री बा फूले की जन्मजयंती मनाई गई। मुख्य अतिथि रेणु पालीवाल थी। अध्यक्ष कमलेश मेहता ने की। विशिष्ट अतिथि रेखा वाधवानी थी। अतिथियों का स्वागत संस्थान के निदेशक दिवाकर माली एवं जयोति बा फूले पब्लिक स्कूल की प्रधानाध्यापिका अंजना सेठ ने किया। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मनीष शर्मा, छात्राध्यापक अमरजीत मीणा, सुनिधि जायसवाल ने भी विचार व्यक्त किए। संस्थान द्वारा गांव एवं ढाणी में कार्य करने वाली 30 आंगनवाडी कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया। संचालन कौशल्या कंवर व डॉ. चेतना भारद्वाज ने किया। शैली जैन द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इधर गुरुकुल कॉलेज बुढल के परिसर में आयोजित समारोह में शिक्षिकाओं का सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा शिवजी गौड़ थे। अतिथियों का स्वागत संस्थापक दिनेश माली ने किया। कार्यक्रम में मेवाड़ क्षेत्र की राजकीय विद्यालय की प्रधानाध्यापिकाओं एवं महाविद्यालय प्राचार्य को सम्मानित किया गया।

एयरपोर्ट अॅथोरिटी बेडमिंटन स्पर्द्धा

उदयपुर। भारतीय विमान पत्तन प्राधिकरण की पांच दिवसीय अंतर क्षेत्र बेडमिंटन स्पर्द्धा 14 जनवरी को संपन्न हुई। इसका उद्घाटन डॉ. लक्ष्यराजसिंह मेवाड़ ने किया। प्राधिकरण के उत्तर क्षेत्र महाप्रबंधक (मानव संसाधन) राजीव कपूर ने बताया कि इसमें उत्तरी, दक्षिणी, पूर्वी, पश्चिमी, उत्तर पूर्वी तथा मध्य (सेंट्रल) जोन की टीमों ने भाग लिया।

उदयपुर एयरपोर्ट के डायरेक्टर योगेश नगाइच ने अतिथियों व टीमों का स्वागत किया। समापन पर विजेताओं को निवृत्तिकुमारी मेवाड़, संभागीय आयुक्त राजेन्द्र भट्ट, कलक्टर अरविंद पोसवाल, एसपी भुवन भूषण यादव, एयरपोर्ट अॅथोरिटी के उत्तरी क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक जेएस बल्हारा, सुनील दत्त, कार्यपालक निदेशक (संचार), महाप्रबंधक नंदिता भट्ट, एयरपोर्ट डायरेक्टर योगेश नगाइच ने पुरस्कार वितरित किए।

बार एसोसिएशन कार्यकारिणी का सम्मान

उदयपुर। टैक्स एडवोकेट एसोसिएशन उदयपुर की 70वीं स्टडी सर्किल बैठक में मुख्य वक्ता एडवोकेट गगनदीप कुमावत ने साझेदारी का गठन, पुनर्गठन और संशोधन के विषय पर विस्तृत चर्चा की। साथ ही एडवोकेट दीपक प्रजापत ने जीएसटी के वार्षिक रिटर्न जीएसटीआर 9 और जीएसटीआर 9 सी के विषय पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में उदयपुर बार एसोसिएशन की नव निर्वाचित कार्यकारिणी का सम्मान किया गया। इस दौरान एडवोकेट प्रफुल ओर्डिया, कीर्ति जावरिया, प्रेम प्रकाश दया, विनोद चित्तौड़ा, राजकुमार चौबीसा, आरसी मेहता, अरुण बोर्दिया सहित 50 से अधिक सदस्य उपस्थित रहे।

कैनो स्प्रिंट स्पर्द्धा में जीते दो स्वर्ण व दो कांस्य पदक

उदयपुर। भोपाल में 34वीं राष्ट्रीय कैनो स्प्रिंट सीनियर महिला व पुरुष प्रतियोगिता में राजस्थान की टीम शामिल उदयपुर के हर्षवर्धन सिंह शक्तावत, तनिष्क पटवा व जालोर के वागाराम

विश्नोई ने 2 स्वर्ण और 2 कांस्य पदक जीते। हर्षवर्धन ने कयाक-1 की 500 मीटर रेस में स्वर्ण पदक जीता। तनिष्क व हर्षवर्धन की कयाक-2 की मिश्रिम जोड़ी ने के 2500 मीटर स्पर्द्धा में कांस्य पदक हासिल किया। मास्टर वर्ग में वागाराम ने कैना-1 इवेंट की 200 मीटर प्रतियोगिता में स्वर्णपदक जीता। राजस्थान ड्रेगन बोट चेयरपर्सन अजय अग्रवाल, राजस्थान कैनो स्प्रिंट चेयरपर्सन पीयूष कच्छावा, सालूलूम चेयरमैन नवलसिंह चूण्डावत, कोच निश्चयसिंह, तकनीकी अधिकारी दीपक गुप्ता, त्रिलोक वैष्णव, किशन गायरी ने इन खिलाड़ियों की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की।

कॉमन सेंस विषय पर राष्ट्रीय सेमीनार

भीलवाड़ा। संगम विश्वविद्यालय में गत दिनों कॉमन सेंस विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर की कुलपति प्रो. अल्पना कटेजा थी। अध्यक्षता मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुनीता मिश्रा ने की। संगम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. करुणेश सक्सेना ने कुलपति द्वय का स्वागत करते हुए विषय पर अपने विचार साझा किए। इसमें प्रो. सुरेन्द्र कटारिया, प्रो. अरविंद महला, प्रो. राजेन्द्र मिश्रा, दिल्ली की मनोचिकित्सा विशेषज्ञ प्रियंवदा श्रीवास्तव, प्रो. रश्मि सक्सेना, प्रो. सीआर सुथार, प्रो. मानस रंजन पाणिग्रही, रजिस्ट्रार प्रो. राजीव मेहता ने अपने विचार व्यक्त किए। आईक्यूएसी हेड प्रो. प्रीति मेहता ने आभार व्यक्त किया।

श्रीमाली मैसूर यूनिवर्सिटी के बोर्ड मेंबर नियुक्त

उदयपुर। सेवानिवृत्त अतिरिक्त मुख्य नगर नियोजक सतीश श्रीमाली को मैसूर यूनिवर्सिटी ने तीन वर्ष के लिए बोर्ड मैंबर नियुक्त किया है। डॉ. श्रीमाली उदयपुर के रहने वाले हैं।

बार एसोसिएशन ने ली शपथ

उदयपुर। बार एसोसिएशन का शपथ समारोह मुख्य अतिथि मानवाधिकार आयोग के सदस्य रामचन्द्र सिंह झाला, जिला न्यायाधीश चंचल मिश्रा, विशिष्ट अतिथि महापौर गोविंदसिंह टांक, उपमहापौर पारस सिंघवी व पूर्व विधायक धर्म नारायण जोशी के सानिध्य में हुआ। बार एसोसिएशन के कार्यवाक अध्यक्ष योगेन्द्र दशोरा ने स्वागत उद्बोधन दिया। निवर्तमान महासचिव शिवकुमार उपाध्याय ने अपनी कार्यकारिणी का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष भरत कुमार जोशी को शपथ दिलवाई। भरत जोशी ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को शपथ दिलवाई, जिसमें उपाध्यक्ष पद पर बंशीलाल

गवारिया, महासचिव राजेश शर्मा, सचिव अक्षय शर्मा, वित्त सचिव पंकज तंबोली, पुस्तकालय सचिव गोपाल जोशी तथा सहवर्त सदस्य के पद पर अनिल आसोलिया, गिरीश माथुर, लोकेश जैन, ऋतु मेहता, निशांत बागड़ी, मनमीतसिंह वाधवा, मोहम्मद शाहिद शेख ने शपथ ग्रहण की।

अपनी पहचान बनाएं: सुथार

उदयपुर। फोर्टी और एमएसएमई विकास जयपुर द्वारा जिला उद्योग केन्द्र व नाबार्ड के सहयोग से एससी और एसटी विद्यार्थियों के लिए एक दिवसीय उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम की महत्ता बताते हुए फोर्टी उदयपुर के सचिव चर्चिल जैन व जिला उद्योग केन्द्र के जनरल मैनेजर शैलेन्द्र शर्मा ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों के जरिये युवाओं को स्वरोजगार की प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए फोर्टी राजस्थान ब्रांचेज चेयरमैन प्रवीण सुथार ने कहा कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में केन्द्र सरकार एमएसएमई सेक्टर को बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं इससे न केवल देश में अधिकाधिक रोजगार उत्पन्न होंगे बल्कि भारत की अर्थव्यवस्था भी सुदृढ़ होगी। एमएसएमई (डीएफओ) जयपुर से सहायक निदेशक तरूण भटनागर ने युवाओं को कहा कि वे सर्विस प्रोवाइडर बने तभी देश आगे बढ़ेगा।

संत रामप्रकाश का अभिनंदन

बांसवाड़ा। बड़ा रामद्वारा बांसवाड़ा के प्रमुख संत एवं आध्यात्मिक चिंतक रामप्रकाश महाराज ने गायत्री मंडल द्वारा वैदिक संस्कृति एवं संस्कारों तथा धार्मिक आध्यात्मिक परम्पराओं के संरक्षण संवर्धन की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को समय की महती आवश्यकता बताते हुए इन्हें और अधिक विस्तार दिए जाने पर बल दिया है। गायत्री मंडल द्वारा संचालित पीताम्बरा आश्रम के अवलोकन के दौरान उन्होंने यह उदगार प्रकट किए। उन्होंने आश्रम में हनुमत्पीठ परिसर में पूजा-अर्चना भी की। गायत्री मण्डल की ओर से वास्तुविद चन्द्रशेखर जोशी, सचिव विनोद शुक्ल एवं पीताम्बरा परिषद के सह संयोजक पं. मधुसूदन व्यास ने शॉल ओढाकर उनका अभिनदंन किया। इस दौरान गायत्री मण्डल के उपाध्यक्ष अनिमेष पुरोहित, कार्यकारिणी सदस्य कमलकांत भट्ट, पं. सुशील त्रिवेदी, चन्द्रेश व्यास, आश्रम के कार्यक्रम समन्वयक पं. मनोज नरहरि भट्ट, पं. जय रणा, राजेश शर्मा आदि साधक उपस्थित थे।

डॉ. कंचन को अंतरराष्ट्रीय कला सम्मान

उदयपुर। नई दिल्ली में तीन दिवसीय चित्रकला प्रदर्शनी कलरफुल सागा लोकायत आर्ट गैलेरी में आयोजित हुई। इसमें देश-विदेश के चालीस कलाकारों ने भाग लिया। जिसमें भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय के चित्रकला विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. कंचन राठौड़ को विशिष्ट श्रेणी में अंतरराष्ट्रीय कला सम्मान और कला विभूति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

गुरुकुल शिक्षा पद्धति होगी लागू: प्रो. सारंगदेवोत

उदयपुर। राजस्थान विद्यापीठ डीम्ड टू बी विवि की एकेडमिक कौंसिल की बैठक गत दिनों कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत की अध्यक्षता में हुई। प्रो. सारंगदेवोत ने बताया कि ध्वस्त हुई प्राचीन ज्ञान शिक्षा प्रणाली को पुनर्जीवित करने के लिए विद्यापीठ आगामी सत्र से गुरुकुल शिक्षा केन्द्र की स्थापना करेगा। उन्होंने कहा कि एग्रीकल्चर महाविद्यालय में आगामी सत्र से पीएचडी शुरू करने के साथ 50 से अधिक शॉर्ट टर्म पाठ्यक्रम शुरू करने, जिसमें डिजिटल मार्केटिंग, हेल्थ एंड वेलनेस, फाइनेंस टेक्नोलॉजी, फैशन टेक्नोलॉजी, सॉफ्ट स्किल, क्रिटिकल स्किल व विदेश जाने वाले विद्यार्थियों को दो डिग्री एक साथ करने, प्राचीन ज्ञापन पाठ्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया गया।

जैविक खेती उत्पाद का मेला

उदयपुर। वनवासी कल्याण परिषद महानगर समिति द्वारा जैविक उत्पाद मेला प्रथम बार सेक्टर 13 स्थित परिषद कार्यालय में आयोजित हुआ। मेले का शुभारंभ अखिल भारतीय पूर्व संगठन मंत्री सौम्मया जुलू व उपमहापौर पारस सिंघवी ने किया। मेले में जैविक खाद उत्पाद का विक्रय किया गया। शहरवासियों की मांग एवं अति उत्साह को देखते हुए प्रत्येक माह यह जैविक मेला आयोजित करने का निर्णय लिया गया। अतिथियों का स्वागत अध्यक्ष चन्द्रेश बापना ने व धन्यवाद ज्ञापन संदीप पानेरी ने किया।

चंदनदास को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड

उदयपुर। संगीत एवं कला के क्षेत्र में अग्रणी अंतरराष्ट्रीय संस्था सृजन द स्पार्क के उदयपुर चेप्टर की ओर से लोककला मंडल में बॉलीवुड गायिका प्रतिभासिंह बघेल की संगीतमयी शाम को आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रसिद्ध गजल गायक चंदनदास को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। वीडी पलुस्कर अवार्ड महाभारत सीरियल के एंकर हरीश भिमानी, ओंकारनाथ ठाकुर अवार्ड फिल्म एवं टीवी एक्टर राजेश जैश, नंदलाल बोस अवार्ड वीणा कैसेट के चेयरमैन केसी मालू, अमीर खुसरो अवार्ड गजल गायक, उदयपुर निवासी डॉ. प्रेम भंडारी, मास्टर मदन अवार्ड मंजू शर्मा तथा खेमचंद प्रकाश अवार्ड से

सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. विजय सक्सेना को सम्मानित किया गया। इस दौरान संस्था के मुख्य संरक्षक आईजी कोटा रेंज प्रसन्न कुमार खमेसरा, संभागीय आयुक्त राजेन्द्र भट्ट, हिजिली के मुनीष वासुदेव, अनुपम निधि, एपेक्स अध्यक्ष राजेश खमेसरा सचिव बृजेन्द्र सेठ आदि मौजूद रहे।

जैक मेहमूदी का उदयपुर में स्वागत

उदयपुर। अंतरराष्ट्रीय कैनो फैडरेशन के एक्सपर्ट जैक मेहमूदी, कनाडा ने गत दिनों राजस्थान के कयाकिंग व कैनोइंग संघ के फतहसागर स्थित रिजनल प्रशिक्षण केन्द्र का अवलोकन किया। यहां उनका संघ पदाधिकारियों ने भव्य स्वागत किया। उन्होंने यहां उपलब्ध प्रशिक्षण व्यवस्थाओं के प्रति संतोष और खुशी व्यक्त की। संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष चन्द्रगुप्त सिंह चौहान ने बताया कि इस मौके पर भारतीय ड्रेगन बोट चेयरमैन दिलीपसिंह चौहान, कैनोस्प्रिट चेयरमैन पियूष कच्छावा, राजस्थान ड्रेगन बोट चेयरमैन अजय अग्रवाल व अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

पत्रकारों ने किया 33 यूनिट रक्तदान

उदयपुर। लेकसिटी प्रेस क्लब द्वारा गत दिनों रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। सुबह 9 से दोपहर 1 बजे तक आयोजित रक्तदान शिविर में 33 यूनिट रक्तदान हुआ। लेकसिटी प्रेस क्लब अध्यक्ष कपिल श्रीमाली ने बताया कि क्लब के 25 साल के इतिहास में पहली बार रक्तदान शिविर लगाया गया। पत्रकारों ने रक्तदान कर मानवता की सेवा में अपना जो योगदान दिया है वह अनुकरणीय है।

सोलर पावर सिस्टम हुआ स्थापित

उदयपुर। बड़ोला हुंडई सर्विस वर्कशॉप पर सोलर पावर सिस्टम का अनावरण अजमेर विद्युत वितरण निगम के पूर्व एमडी बीएल खमेसरा ने किया। डायरेक्टर नक्षत्र तलेसरा ने कहा कि रिन्युएबल एनर्जी और सौर ऊर्जा अपना कर हम पर्यावरण संतुलन में बड़ा योगदान कर सकते हैं।

गवारिया को अभिनंदन पुरस्कार

इंदौर। श्रीफल फाउंडेशन परिवार ट्रस्ट की ओर से दैनिक भास्कर के फोटोग्राफर ताराचंद गवारिया को आचार्य अभिनंदन स्मृति श्रीफल पत्रकारिता

पुरस्कार से सम्मानित किया गया। ट्रस्ट की ओर से हर साल जाने-माने पत्रकारों व फोटोग्राफरों को यह अवार्ड दिए जाते हैं। मुनि सागर महाराज के सानिध्य में अतिशयकारी नवग्रह जिनालय ग्रेटर बाबा परिसर में आयोजित समारोह में सम्मानित लोगों को 21,000 रुपए नकद, प्रशस्ति पत्र, श्रीफल-माला-शॉल व शील्ड दी गई।

प्रकाश वर्डिया बने मानव सेवा संस्थान के अध्यक्ष

उदयपुर। मानव सेवा समिति के द्वि-वार्षिक चुनाव में पूर्व डायरेक्टर जनरल माइंस प्रकाश वर्डिया अध्यक्ष, शिवरतन तिवारी सचिव, संयुक्त निदेशक कृषि भोपाल सिंह कोठारी व आईसीडीएस की अकाउंट ऑफिसर रजिया जबीन को उपाध्यक्ष चुना गया।

रामप्रकाश निगम आयुक्त

उदयपुर। आईएएस रामप्रकाश ने उदयपुर नगर निगम में आयुक्त का पदभार ग्रहण किया। रामप्रकाश की बतौर ट्रेनी पहली नियुक्ति भी उदयपुर संभाग में ही हुई थी। तब उन्हें बांसवाड़ा जिले में लगाया गया था। इसके बाद उन्होंने झालावाड़ और ब्यावर में एसडीएम, पाली जिला परिषद सीईओ और जयपुर में पीएचईडी संयुक्त सचिव के तौर पर सेवाएं दी। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने कहा कि वे सरकारी योजनाओं से पात्र व्यक्तियों को जोड़ने और लाभान्वित करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

जाखड़ बने एनएसयूआई प्रदेशाध्यक्ष

जयपुर। एआईसीसी ने राजस्थान यूनिवर्सिटी के छात्रसंघ अध्यक्ष रहे विनोद जाखड़ को एनएसयूआई का प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त किया है। पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने इस संबंध में नियुक्ति पत्र जारी किया है। विनोद जाखड़ लंबे समय से एनएसयूआई के राष्ट्रीय सचिव के रूप में कार्य कर रहे थे। इस दौरान वे दिल्ली,गुजरात, उत्तरप्रदेश सहित विभिन्न राज्यों के प्रभारी भी रहे।

सनातन संस्कृति व्याख्यान

उदयपुर। आलोक संस्थान के निदेशक डॉ. प्रदीप कुमावत ने सवाईमाधोपुर में शिक्षा और सनातन पर व्याख्यान देते हुए बताया कि किस प्रकार शिक्षा से समाज को परिवर्तित किया जा सकता है तथा सनातन संस्कृति के मूल्यों को स्थापित करने में शिक्षा कैसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इस अवसर पर उनका सम्मान किया गया।

आबिद संरक्षक और कमांडर बोहरा चेयरमैन

उदयपुर। सेंट्रल बोर्ड ऑफ दाऊदी बोहरा कम्युनिटी के चुनाव में समाज के वरिष्ठ नेता आबिद हुसैन अदीब को संरक्षक चुना गया। इसके अलावा चेयरमैन कमांडर मंसूर अली बोहरा (उदयपुर, राजस्थान) जनरल सैक्रेटरी डॉ. इरफान अली इंजीनियर (मुंबई, महाराष्ट्र), वाइस चेयरमैन अल्ताफ हुसैन गुरावाला (कैलिफोर्निया, संयुक्त राज्य अमेरिका), हिब्तुल्लाह अत्तारी (उदयपुर, राजस्थान) और जेहरा बेन साइकिल वाला (सूरत, गुजरात) एवं कोषाध्यक्ष युनूस बालूवाला (मुंबई, महाराष्ट्र) को चुना गया।

हरमन बने टीम कप्तान

उदयपुर। सीपीएस स्कूल में कक्षा 9वीं में अध्ययनरत छात्र हरमन पंडित राजस्थान की बैडमिंटन टीम (14 वर्ष आयु) के कप्तान बनाए गए हैं। इन्होंने अजमेर में संपन्न राष्ट्र स्तरीय प्रशिक्षण में अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था। उनके मनोनयन पर संस्थान की चेयरपर्सन अलका शर्मा, निदेशक अनिल शर्मा, दीपक शर्मा, विक्रमजीत शेखावत, सुनील बाबेल, पूनम राठौड़, कृष्णा शक्तावत ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी।

डा. विक्रम संयोजक मनोनीत

उदयपुर। भाजपा उदयपुर देहात ने योग, प्राकृतिक व आयुर्वेद चिकित्सा अभियान एवं कार्यक्रमों को लेकर डॉ. विक्रम मेनारिया को जिला संयोजक मनोनीत किया है। भाजपा देहात जिलाध्यक्ष डॉ. चन्द्रगुप्तसिंह चौहान ने बताया कि डॉ. मेनारिया पीएम नरेन्द्र मोदी की ओर से देश में चलाए जा रहे चिकित्सा योजनाओं का प्रचार-प्रसार करेंगे।

इंदिरा आईवीएफ अब काठमांडू में भी

उदयपुर। इंदिरा आइवीएफ ग्रुप ने नेपाल के काठमांडू में अपने नए आइवीएफ हॉस्पिटल का उद्घाटन किया है। इसके बाद बांग्लादेश के ढाका में हॉस्पिटल शुरू किया जाएगा। उद्घाटन के अवसर पर ग्रुप संस्थापक और चेयरमैन डॉ. अजय मुर्डिया, नेपाली अभिनेत्री प्रियंका कारकी, सेंटर हेड डॉ. नेहा, डॉ. मनीषा सहित कई शहरवासी और नि:संतान दंपती उपस्थित रहे।

वृद्धजन सम्मान समारोह

उदयपुर। तारा संस्थान उदयपुर द्वारा संचालित मां द्रोपदी देवी आनंद वृद्धाश्रम एवं पुरस्कृत शिक्षक परिषद उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान में गत दिनों वृद्धजन सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि पुरस्कृत शिक्षक परिषद के अध्यक्ष चोसरलाल कच्छारा थे। परिषद के उपाध्यक्ष भरत मेहता, सज्जन परिहार ने भी विचार व्यक्त किए। तारा संस्थान के निदेशक (जनसम्पर्क) विजय चौहान ने संस्थान की गतिविधियों को विस्तार से बताया तथा परिषद के पदाधिकारियों एवं सदस्यों का सम्मान किया। संचालन संगीता देवड़ा ने किया।

एएसपी अनंत कुमार को उत्कृष्ट सेवा पदक

उदयपुर। राजस्थान पुलिस डीजीपी कार्यालय की ओर से वर्ष 2022 के लिए उत्कृष्ट और अतिउत्कृष्ट सेवा पदक के लिए 136 और उत्कृष्ट सेवा के लिए 256 नामों की सूचियां जारी की गई हैं। जिमनें उत्कृष्ट सेवा पदक के लिए उदयपुर रेंज से एक मात्र नाम एडिशनल एसपी अनंतकुमार का है। अनंत कुमार वर्तमान में राजसमंद जिले में तैनात हैं।

प्रदेश कांग्रेस सचिव बने पंडित

उदयपुर। ग्राम पंचायत बड़ी के ससपंच एवं राष्ट्रीय सरपंच संघ राजस्थान के उपाध्यक्ष मदन पंडित को राजस्थान कांग्रेस कमेटी का सचिव नियुक्त किया गया। मदन पंडित राजस्थान पंचायती राज परिषद के उपाध्यक्ष, पेराफेरी पंचायत जिला संघर्ष समिति के जिलाध्यक्ष, राजस्थान कांग्रेस सेवादल के सचिव एवं राजस्थान ब्राह्मण महासभा के जिलाध्यक्ष भी रहे।

सुधांश पंत नए मुख्य सचिव

जयपुर। प्रदेश के नए मुख्य सचिव सुधांश पंत ने 1 जनवरी को पदभार ग्रहण किया। उन्होंने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि प्रदेश के हित में ऐसे फैसले लिए जाएंगे, जिससे लोगों को राहत मिल सके। जनहित के कामों को पूरी निष्ठा और लगन के साथ किया जाएगा। राजस्थान में विकसित भारत की कल्पना साकार करने का प्रयास होगा।

संवेदना/श्रद्धांजलि

उदयपुर। वरिष्ठ सर्जन डॉ. आनंद स्वरूप गुप्ता का 1 जनवरी को स्वर्गवास हो गया। वे अपने शोकाकुल पुत्र प्रवीण व कर्नल जयंत गुप्ता तथा पुत्री डॉ. सुनीता सहित पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती प्रेमलता जी नाहर धर्मपत्नी श्री सौभाग्यमल जी नाहर का 1 जनवरी को आकस्मिक स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय पति, पुत्र अरुण व कमल नाहर व भाई-भतीजों तथा पौत्र-पौत्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री राजशेखर जी आचार्य का 20 दिसम्बर को आकस्मिक देहावसान हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय धर्मपत्नी श्रीमती जयश्री, पुत्र संजयराज, पुत्री सुहानी सहित भाई-भतीजों एवं पौत्री, दोहित्र-दोहित्री का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

भीलवाड़ा। श्रीमती नारायण देवी जी धर्मपत्नी श्री कन्हैयालाल जी राव का गांव गोवलिया (भीलवाड़ा) में 9 नवम्बर को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे पुत्र परसराम व अशोक राव सहित भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री माणकलाल जी मेहता (मिर्ची वाला) का 12 जनवरी को आकस्मिक स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त पुत्र दीपक मेहता, पुत्रियां श्रीमती निर्मल मेहता, ज्योति सिंघवी, पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों व भाई-भतीजों का वृहद परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री संतोष जी शर्मा पुत्र स्व. भगवानलाल जी शर्मा निवासी सज्जननगर का 19 दिसम्बर को देहावसान हो गया। वे पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थे। वे अपने पीछे शोक संतप्त धर्मपत्नी श्रीमती प्रमिला देवी, पुत्र सतीश शर्मा, पुत्रियां शिल्पा व स्नेहलता, पौत्र-पौत्री व दोहित्री तथा भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती पन्नीबाई धर्मपत्नी स्व. श्री जालमचंद जी कोठीफोड़ा, कठारवाला का 1 जनवरी को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त पुत्र शांतिलाल, बसंतीलाल, हिम्मत कोठीफोड़ा, पुत्रियां श्रीमती शांता पामेचा, सुमित्रा जोधावत व मीरा बदामिया तथा पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों सहित भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। एडवोकेट श्री भंवरलाल जी बंदवाल (साहू) का 30 दिसम्बर को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त धर्मपत्नी श्रीमती नर्मदा देवी, पुत्र भरत, डॉ. ओमप्रकाश, रामकृष्ण, लक्ष्मण व शत्रुघ्न, पुत्री भारती पंडियार सहित भाई-भतीजों, पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती संतोष जी यादव धर्मपत्नी स्व. श्री करणसिंह जी यादव का 26 दिसम्बर को निधन हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्र कुणाल सिंह, पुत्रियां तरंग यादव, उमंग यादव व पौत्र, दोहित्र-दोहित्री का संपन्न परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्रीमती माणकबाई धर्मपत्नी स्व. केशुलालजी (सेन) राठौड़ का 18 दिसम्बर को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे पुत्र गोविंदलाल शर्मा व राधाकृष्ण सेन, पुत्रियां भगवती देवी, गुणसागर देवी, पुष्पा देवी, ललिता देवी व शांतादेवी सहित पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों का संपन्न व समृद्ध परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री सोहनलाल जी चेचाणी का स्वर्गवास 6 जनवरी को हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय धर्मपत्नी श्रीमती भगवतीदेवी जी, पुत्र राजेन्द्र व विनोद, पुत्रियां श्रीमती राजकुमारी धुप्पड़ व ललिता मूंदड़ा, भाई-भतीजों एवं पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों का संपन्न एवं समृद्ध परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। डॉ. तारा दीक्षित का 3 जनवरी को आकस्मिक निधन हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्र भूपेश दीक्षित, पुत्र डॉ. सुषमा जोशी व पौत्र, दोहित्र-दोहित्री का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

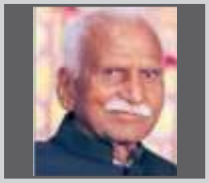

उदयपुर। सुप्रसिद्ध इतिहासकार डॉ. बृजमोहन जी जावलिया (97) (शाहपुरा भीलवाड़ा वाले) का 1 जनवरी को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त पुत्र डॉ. शरद, आर्येन्द्र व देवेन्द्र (पूर्व पार्षद) जावलिया, पुत्री सुनीता देवी व भाई-भतीजों, पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्री सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं। डॉ. जावलिया ने राजस्थान की औद्योगिक शब्दावली पर शोध किया। उनके इस कार्य को अंतरराष्ट्रीय मान्यता मिली। उन्हें महाराणा मेवाड़ फाण्डेशन अवार्ड सहित अनेक पुरस्कारों से नवाजा गया। वे महाराजा सवाई मानसिंह पोथीखाना के अध्यक्ष भी रहे।

TECHNOY MOTORTS INDIA PVT. LTD.
Showroom's
Arena ,Goverdhan Vilas
NEXA,Goverdhan Vilas
Commercial
True Value, Sukher
Workshop's
Workshop Dewali
Workshop Nexa
Workshop Sukher
TECHNOY MOTORS INDIA PVT LTD
UDAIPUR | FATAHNAGAR | SAGWARA | REODAR | BHINDER | KHERWARA| CHITTORGARH
MARUTI SUZUKI ARENA | TRUE VALUE | NEXA | MARUTI SUZUKI COMMERCIAL

Happy Republic Day

Jai Shanker Rai
Director

Ganpati
Infravision Pvt. Ltd.

प्रधान मंत्री
आवास योजना-शहरी
Pradhan Mantri Awas Yojana-Urban

मुख्यमंत्री
जन आवास योजना-2015

RERA APPROVED
REG. NO.: RAJ/P/2018/850

GANPATI GREENS

SHREE GANPATI AFFORDABLE HOMES LLP

AFFORDABLE HOUSING AT UDAIPUR

www.ganpatihousing.com

203, 2nd Floor, Doctor's House Complex,
Post & Telegraph street, Madhuban, Udaipur (Rajasthan)
Tel/Fax: 0294-2429118, E-mail: gipl.udaipur@rediffmail.com

अर्थ
स्किन और फिटनेस

दक्षिणी राजस्थान का स्किन, हेयर, कॉस्मेटोलॉजी व मेडिकल लेज़र का सबसे विशाल व पूर्ण समर्पित सेंटर

भारत का सर्वप्रथम व एकमात्र QAI क्वालिटी प्रमाणित क्लीनिकल कॉस्मेटिक क्लीनिक

तो स्किन व बालों की हर समस्या को करें बाय बाय...

- मेडिकल फैशियल (Medical Facial)
- स्किन ग्लो
- विवाह से पूर्व दूल्हे व दुल्हन का विशेष पैकेज (Prebridal)
- हेयर ट्रांस्प्लांट
- बालों का झड़ना
- चेहरे पर बाल
- अनचाहे बालों से एडवांस्ड लेज़र द्वारा मुक्ति
- Acne, कील मुँहासे एवं Acne Scar (निशान)
- चेहरे पर Pigment
- मस्से, स्किन टैग हटाना
- स्किन की सभी बीमारियों का अत्याधुनिक उपचार

अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षित व अनुभवी टीम

डॉ स्मिता जोनवाल
एमबीबीएस, डीडीवीएल
डरमेटोलॉजिस्ट व
क्लिनिकल कॉस्मेटोलॉजिस्ट

डॉ दीपा सिंह
मेडिकल लेज़र स्पेशलिस्ट (Israel & U.K.)
क्लिनिकल कॉस्मेटोलोजिस्ट व पीएमयू (Sweden & U.K.)
क्लिनिकल न्यूट्रिशनिस्ट (U.K.)

डॉ. अरविन्दर सिंह
वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर
एमबीबीएस, एम डी (गोल्ड मेडलिस्ट)
इंटरनैशनल बोर्ड सर्टिफ़ाइड क्लिनिकल कॉस्मेटिक
डरमेटोलोजिस्ट व पैथोलोजिस्ट

डॉ मनीष जैन
एमबीबीएस, एमडी (डर्मेटोलॉजी)
क्लिनिकल कॉस्मेटोलोजिस्ट

डॉ शालिनी मल्होत्रा
एमबीबीएस, एमडी, ABHRS
अमेरिकन बोर्ड सर्टिफ़ाइड एंड डीएचआई (यूके)
ट्रेंड हेयर ट्रांस्प्लांट सर्जन

Visit us: www.arthskinfit.com / email: info@arthskinfit.com

तीसरी मंज़िल, 4सी-अर्थ बिल्डिंग, मधुबन, उदयपुर

Call: 85598 55945

vedanta
transforming for good

HINDUSTAN ZINC
Zinc & Silver of India

हिन्दुस्तान ज़िंक

दैनिक स्वास्थ्य से लेकर ऊर्जा तक, ज़िंक की शक्ति
हर दिन आपके जीवन को बेहतर बनायें।
आईये मिल कर आज़ादी का अमृत महोत्सव मनाएं।

आप सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं

SAFE SMART SUSTAINABLE

www.linkedin.com/company/hindustanzinc
www.Instagram.com/hindustan_zinc
www.twitter.com/PriyaAH_Vedanta
www.facebook.com/HindustanZinc
www.twitter.com/hindustan_zinc
www.twitter.com/CEO_HZL

Hindustan Zinc Limited Yashad Bhawan, Udaipur-313004 Rajasthan, India. T: +91 294 6604000 - 20 | www .hzlindia.com

प्रकाशन की तिथि प्रत्येक माह की 23 तारीख वर्ष 21 अंक 10, Postal Registration No. RJ/UD/29-62/2024-26 Posting Date: 27th-28th of Every Month RNI No. RAJHIN/2003/9297 Posting Office: Chetak Circle, Udaipur
'प्रत्यूष' पत्रिका डिलिवर्ड न होने की स्थिति में इस पते पर लौटाएं: पंकज कुमार शर्मा, 2, रक्षाबंधन, मेहतों का पाड़ा, धानमण्डी, उदयपुर (राज.) 313 001